नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 12

अंक : 40

सोमवार, 30 अक्टूबर से 06 नवम्बर, 2022

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंची 03

निर्भीक एवं सच्चे देशभक्त सरदार वल्लभभाई पटेल 08

ट्विटर मॉडरेशन नीति में फिलहाल कोई बदलाव नहीं : एलोन मस्क 10

आईसीसी टी-20 विश्व कप: न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 65 रन से हराया 11

48 वर्ष की हुयी रवीना टंडन... 12

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

|| भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

विनिर्माण का गढ़ बन रहा है भारत निजी क्षेत्र पूरा फायदा उठाए : मोदी

वड़ोदरा, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले की सरकारों पर देश में विनिर्माण क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि उनकी सरकार के अथक प्रयासों से मानसिकता और कार्यसंस्कृति बदली है जिसके कारण देश विनिर्माण का गढ़ बनने वाला है और निजी क्षेत्र को इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए।

श्री मोदी ने रविवार को यहां देश के पहले स्वदेशी परिवहन विमान विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखने के मौके पर कहा कि उनकी सरकार काम चलाऊ ढर्रे को छोड़ कर विकास के समग्र दृष्टिकोण पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हमारी नीति स्थिर और भविश्योन्मुखी हैं। आज भारत विनिर्माण मे सबसे आगे रहने की तैयारी में है। सेमीकंडक्टर से विमान बनाने तक हम सबसे आगे रहने के इरादे से बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह से देश में विमान विनिर्माण क्षेत्र का विकास हो रहा है उससे वह दिन दूर नहीं जब दुनिया के बड़े यात्री विमान भी भारत में ही बनेंगे । उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों की टालने की नीतियों और उपेक्षा से विनिर्माण क्षेत्र का नुकसान हुआ ।

उन्होंने कहा, भारत नयी मानसिकता और कार्यसंस्कृति के साथ काम कर रहा है। रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के मजबूत सतंभ हैं। सरकार की नीतियों के चलते आने वाले समय में रक्षा क्षेत्र में उत्पादन 25 अरब डॉलर तथा रक्षा निर्यात पांच अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र दोनों को साथ लेकर चल रही है। उनकी सरकार की नीतियों से देश में विनिर्माण का विशेष इकोसिस्टम बना है। सरकार की नीतियों और आर्थिक सुधारों से निवेश का माहौल बना है। इसी का परिणाम है कि 160

देशों की कंपनियों ने भारत में निवेश किया है। उन्होंने देश की निजी क्षेत्र की कंपनियों से भी कहा कि वे इस मौके का पूरा पूरा फायदा उठाएं।

भारत में दिनों दिन बढ़ रहे एयर ट्रेफिक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश में दो हजार से ज्यादा यात्री तथा कार्गो विमानों की जरूरत होगी और देश उस मांग को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह विश्व को एक संदेश भी है कि भारत सबके लिए एक स्वर्णिम अवसर लेकर आया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मौके पर कहा कि सरकार मौजूदा और भविष्य की जरुरतों पर विशेष ध्यान दे रही है और इसी के आधार पर नए भारत का निर्माण किया जा रहा है। यह सरकार की नीतियों का ही परिणाम है कि निजी क्षेत्र की कंपनी अब वायु सेना के लिए अभिमान बना रही है। यह देश के विनिर्माण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

श्री सिंह ने कहा कि इस विमान की उड़ान निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बीच सहयोग की एक नयी उड़ान साबित होगी।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस मौके पर कहा कि गुजरात देश में आर्थिक और औद्योगिक मॉडल का आदर्श उदाहरण बन रहा है और वह दिन दूर नहीं जब वह देश में रक्षा विनिर्माण का गढ़ बन जाएगा।

इस अत्याधुनिक विमान सी 295 एम डब्ल्यू का विनिर्माण देश की निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसोर्टियम स्पेन की मेसर्स एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ मिलकर करेगी। सरकार ने वायु सेना के लिए 56 परिवहन विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। इस पर 21 हजार 935 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इनमें से 16 विमानों की आपूर्ति स्पेन से फ्लाई-अवे इस्थिती में की जाएगी। बाकी विमानों का विनिर्माण इस संयंत्र में देश में ही किया जाएगा। पहला स्वदेशी विमान 2026 में तैयार हो जाएगा। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है जिसमें एक निजी कंपनी द्वारा भारत में एक सैन्य विमान का निर्माण किया जाएगा।

सी-295 एम डब्लू अत्याधुनिक तकनीक से लैस 5 से 10 टन क्षमता का एक परिवहन विमान है जो भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो विमान की जगह लेगा। यह विमान चीन सीमा पर दुर्गम क्षेत्रों में छोटी हवाई पट्टियों पर उतरने और उड़ान भरने में सक्षम होगा।

केजरीवाल ने किया गाजीपुर लैंडफील्ड का दौरा

एमसीडी बीजेपी के 15 सालों के काम पर साधा निशाना

एनसीआर समाचार

इस वर्ष यानी 2022 के आखिरी महीने दिसंबर में होने वाले दिल्ली टउऊ चुनावों के साथ आम आदमी पार्टी ने स्वच्छता को भी एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बना दिया है और 15 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद राजधानी को साफ करने में भाजपा की अक्षमता पर निशाना साधा है।

गुरुवार को गाजीपुर लैंडफील्ड में भाजपा कार्यकताओं द्वारा उनके मार्ग को बाधित करने के बाद, केजरीवाल ने मीडिया और आम जनता को संबोधित करने के लिए 10 मिनट का समय लिया। उन्होंने कहा, 'मैंने अभी गाजीपुर में कचरे के पहाड़ का दौरा किया। यह शर्मनाक है - दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है, दुनिया भर से लोग इस शहर में आते हैं। और वे क्या देखते हैं? कचरे का पहाड़।

आगे उन्होंने कहा, 'बीजेपी ने 15 साल में दिल्ली वालों का सिर शर्म से झुका दिया हैड्ड वास्तव में, हर गली में, कचरा है। यहां तक

कि उन्हें शर्म भी आती है। उन्होंने मुझे यहां रास्ते में रोक दिया, मैं नहीं चाहता था कि मैं गाजीपुर लैंडफिल देखूं।

उट केजरीवाल ने कहा, "हमें शर्मिंदगी महसूस नहीं होती। एक रिपोर्टर ने मुझे बताया कि, दक्षिणी दिल्ली भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी दिल्ली के एक सरकारी स्कूल का दौरा करेंगे। बीजेपी ने गाजीपुर लैंडफिल के आसपास पुलिस तैनात कर दी है। वे महिलाओं (बहू बेटियां) की रक्षा नहीं कर सकते, लेकिन कचरे के पहाड़ की रक्षा कर सकते हैं। कुछ शर्म करो।

इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए दिल्ली उट ने कहा, अमित शाह जी हाल ही में आए और मुझे बहुत गालियां दीं और कहा कि केजरीवाल पैसे नहीं देता, हाय रे, दे दो रे, पैसे रे, मर गया रे। पैसे, पैसे, पैसे। वे सिर्फ पैसे मांगते हैं। 15 साल में एमसीडी ने 2 लाख करोड़ रुपए खर्च किए... यह जनता का पैसा है। जवाबदेही कहां है? दिल्ली सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया था। मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि केंद्र ने टउऊ को कितना भुगतान किया?"

उन्होंने कहा, मैं दिल्ली के बुजुर्गों, शहर की माताओं और बहनों से पूछना चाहता हूं, क्या आप उन्हें अपने बेटे को गाली देते देख बर्दाश्त करेंगे? दिल्ली इस बार स्वच्छता पर वोट करेगी। हम भाजपा वालों से नहीं लड़ेंगे, हम उनका दिल जीतेंगे। अपनी पार्टी में रहो, लेकिन केजरीवाल को एक मौका दो। अगर हम 5 साल में दिल्ली को साफ नहीं करते हैं, तो हमें वोट न दें।" बीजेपी कार्यकताओं का उनके खिलाफ प्रदर्शन करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "आप चाहें तो हमारा विरोध करें, लेकिन मैं ही तुम्हारे बच्चों को पढ़ाऊँगा। अगर आपके घर में कोई बीमार पड़ता है तो बीजेपी से कोई आपके बारे में पूछने नहीं आएगा, मैं ही उनका इलाज कराऊंगा।"

चीन सीमा की बर्फीली पहाड़ियों पर 'जमने' को भारतीय सैनिकों की तैयारियां पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

लद्दाख सरहद पर चीनी सेना से मोर्चे के लिए भारतीय सेनाओं की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। वायुसेना के परिवहन विमानों से सैनिकों की जरूरत का सामान लेह-लद्दाख पहुंचा दिया गया है। आने वाले दिनों में बर्फबारी से रास्ते बंद होने से पहले भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं से लदे ट्रक लेह-लद्दाख पहुंच चुके हैं। हालांकि इससे पहले ठंड के दिनों में सड़कों को छह महीने के लिए बंद कर दिया जाता था लेकिन अब इस अवधि को घटाकर 120 दिन कर दिया गया है।

सैनिकों के लिए सामानों का स्टॉक करने में लगे सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि भारत एलएसी पर लम्बी तैनाती नहीं चाहता लेकिन अब ऐसी स्थिति बन रही है तो हम भी उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। आने वाले दिनों में बर्फबारी और भीषण ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए सेना ने पर्याप्त मात्रा में आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक कर लिया है। चीन सीमा की अग्रिम चौकियों तक जरूरी हथियार, राशन और साजो-सामान पहुंचाने के लिए वायुसेना के परिवहन विमान सी-17 ग्लोबमास्टर और अमेरिकी हेलीकॉप्टर चिनूक को लगाया गया है। सी-17 ग्लोब मास्टर से सर्दियों के कपड़े, टेंट, हीटिंग उपकरण और राशन लेह-लद्दाख लाया गया है। भारतीय सेना के लोकेशन पर भेजे गए टेंट माइनस 50 डिग्री तक तापमान को झेलने की क्षमता रखते हैं। भारतीय सेना के राशन गोदाम एलएसी माउंट पर भरे हुए हैं। लेह में सेना का ईंधन डिपो तेल टैंकर लाइन से भरा हुआ है। सेना ने राशन, गरम कपड़े, उच्च ऊंचाई वाले टेंट और ईंधन का भी बड़े पैमाने पर स्टॉक कर लिया है।

केजरीवाल ने नोटों पर भगवान की तस्वीर को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

एनसीआर समाचार

राजधानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को अपने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्र सरकार से एक बहुत ही अहम अपील की। केजरीवाल ने कहा कि, भारतीय रुपये पर गांधीजी के साथ माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की फोटो भी होनी चाहिए। इसे सुख समृद्धि आएगी और पूरे देश को उनका आशीर्वाद मिलेगा। आगे दिल्ली उट ने कहा कि, नए बनने वाले नोटों से इसकी शुरूआत की जा सकती है। इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खासतौर पर एक पत्र भी लिखेंगे।

दिल्ली उट ने कहा कि, देश की अर्थव्यवस्था बड़े ही कठिन दौर से गुजर रही है, डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिरता जा रहा है। आम आदमी पर इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। इसकी मार आम आदमी को भुगतनी पड़ रही है। हम चाहते हैं कि भारत अमीर देश बने,

सभी भारतीय अमीर बने। इसके लिए हमें कई सारे कदम उठाने पड़ेंगे। हमें बड़ी तादाद में अस्पतालों का निर्माण करना है, स्कूल खोलने हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है।

अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि, हमारी यह कोशिश तभी कामयाब होगी जब हम पर भगवान का आशीर्वाद होगा। उन्होंने कहा कि, कई बार ऐसा होता है कि काफी मेहनत करने के बाद भी कोई नतीजा नहीं आता। ऐसे में भगवान के आशीर्वाद की जरूरत होती है। जब देवी देवताओं का आशीर्वाद हो तो नतीजे सुखद आने लगते हैं।

दिल्ली के द्वारका में दहेज के लिए ससुराल वालों ने की युवती की गला रेतकर हत्या, फिर किया सरेंडर

एनसीआर समाचार

दिल्ली के द्वारका में बीते दिन फिर एक बेटी दहेज की बलि चढ़ गई। ससुराल पक्ष पर आरोप है की उन्होंने पहले मृतिका से कई दिनों तक लगातार मारपीट की और फिर उसे गला घोंटकर मार दिया।

दिल्ली में अपराध का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। हर दूसरे दिन कोई न कोई ऐसी खबर सामने आती है जो लोगों का दिल दहला देती है। कुछ ऐसी ही खबर द्वारका से सामने आयी है जिससे लोग बुरी तरह सहम गए है।

संगम विहार बुध बाजार गली नंबर 12 की एक बेटी ज्योति जिसकी उम्र महज 23 वर्ष थी, दहेज के लिए उसे शादी के करीबन 2 साल के भीतर ही मौत के घाट उतार दिया गया। ज्योति की शादी करीब 2 वर्ष पहले ही द्वारका में रहने वाले राजा से की गई थी। शादी में माता पिता ने ज्योति और

उसके ससुराल पक्ष को काफी सारा सामान दिया साथ ही 5 लाख कैश भी, लेकिन इतने पर भी उनकी मांग खत्म नहीं हुई। शादी के वक्त से ही राजा को अपने लिए एक कार की इच्छा थी और यह समय के साथ बढ़ती गई। मृतिका के परिवार का कहना है कि कई बार उनकी बेटी ने परिवार में हो रही परेशानियों के बारे में बताया, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि ये बात इतनी बढ़ जाएगी कि उन्हें एक दिन अपनी बेटी का शव घर लाना पड़ेगा।

मृतिका ज्योति संगम विहार की रहने वाली थी। परिवार और पड़ोसियों से बातचीत के बाद मिली जानकारी के मुताबिक वह एक पढ़ी लिखी प्रतिभाशाली युवती थी। शादी के बाद भी वह बच्चों को टूशन पढ़कर अपना खर्चा चलती थी। माता पिता का कहना है उसके सास ससुर ट्यूशन के पैसे भी छीन लेते थे। शादी के बाद भी अक्सर ससुराल के सभी लोग उसे अपने घर से गहने और कार मांगने के लिए प्रताड़ित करते थे।

बीते बुधवार को दोपहर में ज्योति ने अपने परिवार को फोन कर कहा कि उसे अलग कमरा चाहिए वो अब और ससुराल में नहीं रह पायेगी, जिस पर उसकी माँ ने कहा कि, "पापा को गांव से आने दो फिर बात करते है।" ठीक उसी तारीख की शाम को अचानक ही ज्योति के पति राजा का कॉल उसके परिवार को आता है जिसमे उन्हें ये बताया गया कि उनकी बेटी छत से गिर गई है, उसकी हालत काफी गंभीर है इसलिए उसे इंदिरा अस्पताल लाया गया है। ये खबर सुनते ही परिवार के सभी सदस्य अस्पताल पहुंच गए जहां उन्हें ज्योति को देखने भी नहीं दिया गया। उसके कुछ समय बाद ही ज्योति को मृत अवस्था में दिन दयाल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका पोस्टमार्टम 2 दिन बाद शनिवार को किया गया।

अगले हफ्ते गुजरात के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है निर्वाचन आयोग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग इस सप्ताह गुजरात के आगामी विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। 2017 में अपनाई गई परंपरा का हवाला देते हुए निर्वाचन आयोग ने इस महीने की शुरूआत में हिमाचल प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों की तारीखों के साथ गुजरात के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं की थी।

हिमाचल में 12 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती आठ दिसंबर को की जाएगी। आयोग ने हिमाचल प्रदेश के लिए मतगणना की तारीख को मतदान के करीब एक महीने बाद रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया था कि गुजरात चुनाव के वोटों की गिनती भी आठ दिसंबर को होगी। 2017 में दोनों राज्यों में अलग-अलग तारीखों पर चुनाव की घोषणा की गई थी, लेकिन मतगणना 18 दिसंबर को एक साथ हुई थी।

दरअसल, गुजरात में बाढ़ के चलते निर्वाचन आयोग को राज्य में हिमाचल चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद मतदान कराना पड़ा था। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में साल 1998, 2007 और 2012 में एक साथ चुनाव हुए थे।

गुजरात में सरकार बनने पर होंगे संविदाकर्मी पक्के : राहुल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि गुजरात में पार्टी की सरकार बनने पर संविदाकर्मियों को पक्का करके पेंशन योजना को लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में संविदा कर्मियों को पक्की नौकरी दी है, पुरानी पेंशन योजना बहाल की है और समय पर प्रमोशन कर कर्मचारियों को फायदा दिया है और अब यही योजना गुजरात में भी लागू की जाएगी।

श्री गांधी ने ट्वीट किया " कांग्रेस का पक्का वादा। संविदाकर्मियों को पक्की नौकरी, पुरानी पेन्शन व्यवस्था बहाल कर समय पर प्रमोशन।"

उन्होंने कहा "राजस्थान में लागू किया, अब गुजरात में कांग्रेस सरकार बनते ही कर्मचारियों को उनका हक मिलेगा।कांग्रेस देगी पक्की नौकरी।"

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276 , संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन :
8888883968,
9811111715

दिल्ली में छठ पर्व मनाने को लेकर 'आप'-बीजेपी में छिड़ी जंग

एनसीआर समाचार

कालिंदी कुंज घाट पर नहीं होगी छठ पूजा

राजधानी दिल्ली में इस वर्ष 2022 में छठ पूजा मनाने पर पाबंदी लगा दी गई है। ये पाबंदी यमुना किनारे छठ पर्व मनाने पर लगाई गई है। यमुना के पानी में बढ़ती गंदगी को देख शासन प्रशासन ने घाट पर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया है ताकि कोई भी व्यक्ति यमुना किनारे जाकर छठ पूजा न कर सके।

आपको बता दें कि, यमुना के कुल 22 घाट है जिसमें से कि लगभग सभी घाटों पर छठ पूजा मनाई जाएगी, सिवाय कालिंदी कुंज घाट के। छठ पूजा समिति अध्यक्ष से बातचीत के दौरान यह जानकारी मिली कि, दिल्ली छऋ और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के आपसी गर्मागर्मी के कारण छऋ ने कालिंदी कुंज घाट पर छठ मनाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। साथ ही प्रशासन को भी सख्त आदेश दिए है जिसके बाद प्रशासन ने घाट पर

आने जाने वाले रास्तों पर बैरी गेट लगा दिया है ताकि कोई भी उस रास्ते से घाट तक पूजा करने न पहुंच सके।

बीते दिनों में कई बार बीजेपी आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर यमुना की सफाई को लेकर निशाना साध चुकी है, क्योंकि चुनाव बेहद नजदीक है और ऐसे में छठ पूजा के लिए यमुना की सफाई एक बड़ा मुद्दा बन गए है जिसको लेकर विपक्ष लगातार दिल्ली सरकार और उनके काम पर तंज कस रहा है, लेकिन काम किसी भी पार्टी की तरफ से नहीं किया जा रहा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कई बार यमुना की सफाई को लेकर बात की और अपना एक बेहतरीन प्लान 6 बिंदुओं में जनता के सामने रखा। अब सवाल उठ रहे है की आखिर उस प्लान का क्या हुआ। केजरीवाल ने यमुना को इतना साफ करने की बात की थी उसमे डुबकी लगाई जा सके, लेकिन अभी भी यमुना किनारे खड़े होने वाले लोगों को यमुना से केवल बदबू ही आती है। दोनों ही सरकार की आपसी रंजिस में देश का सबसे बड़ा पर्व और इसे करने वाले लोगों की आस्था और पर्व को लेकर उनकी भावनाएं आहात हो रही है।

कालिंदी कुंज घाट पर भाजपा नेता ने रोज वहां आकर सफाई करने का दावा किया और महज इतना ही नहीं जो लोग वहां सफाई कर रहे थे उन पर बेवजह चिल्लाना भी शुरू कर दिया। छठ पूजा के दौरान यमुना के पानी में सभी श्रद्धालु डुबकी लगाएंगे और ऐसे में यमुना में दवाई का छिड़काव करना, केमिकल डालना डुबकी लगाने वालों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यही बड़ी वजह रही की भाजपा नेता ने वहां पहुंच कर टउऊके कर्मचारियों पर चिल्लाना शुरू कर दिया।

आपको बता दें कि, जब भाजपा नेता MCD के कर्मचारियों पर चिल्ला रहे थे तभी अचानक एक व्यक्ति ने वहां आकर भाजपा नेता को आइना दिखाना शुरू कर दिया।

ये बहस काफी देर तक चली, जिस दौरान एक बिहार के युवक ने भाजपा नेता को हकीकत से रूबरू कराया और ये बताया कि वो कभी भी उस घाट की सफाई के लिए नहीं आए, जिसका वो दावा कर रहे थे। भाजपा नेता ने पूरी कोशिश की कि, वो अपनी बात मनवा सके, लेकिन स्थानीय लोगों ने उनकी बात बीच में काट दी और आइना दिखा दिया कि वो कितने सही और कितने गलत है।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाकर स्ट्रोक पर लगेगी रोक : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली/ एजेंसी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाकर और इसके लक्षणों को पहचान कर मस्तिष्काघात (स्ट्रोक) को रोका जा सकता है। मंत्रालय ने आज 'विश्व स्ट्रोक दिवस' के अवसर पर ट्वीट किया, इस विश्व स्ट्रोक दिवस, आइए हम सभी इसके संकेतो और लक्षणों की पहचान करके और एक स्वस्थ जीवन शैली चुनकर इसे रोकने के उपाय करें।

मंत्रालय ने इस अवसर पर ट्वीट के साथ चित्र साझा करते हुए कहा, स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति गंभीर रूप से कम हो जाती है या रक्त वाहिकाओं रक्तस्राव होता है, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है।÷ मस्तिष्काघात की गंभीर प्रकृति और बढ़ रहे मामलों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ष 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। इस का उद्देश्य लोगों में स्ट्रोक को लेकर जागरूकता फैलाना है। ÷ इस बार विश्व स्ट्रोक दिवस की थीम 'इसके लक्षणों के बारे में जानकारी फैलाना' ताकि लोग इसके लक्षणों को सचेत हो जाएं और उनकी जान को बचाया जा सके।

नासा ने जारी की 'मुस्कुराते सूरज' की तस्वीर

वाशिंगटन/ एजेंसी। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के उपग्रह ने सूरज की कुछ ऐसी तस्वीर ली है कि जिसमें अक्सर तमतमाया दिखने वाला सूरज भी मुस्कुराता हुआ नजर आ रहा है। तस्वीर में नजर आ रहे सूरज के इस मित्रवत रूप को हालांकि विशेषज्ञों ने एक चेतावनी भी बताया है और कहा है कि हो सकता है कि शनिवार को सूरज से धरती की ओर पराबैगनी किरणों का हमला हो। गार्डियन ने स्पेसवेदर डॉट कॉम के हवाले से कहा, ÷नासा की सोलर डायनमिक्स आब्जरवेटरी ने सूर्य को 'मुस्कुराते हुए' कैमरे में कैद किया। पराबैंगनी प्रकाश में देखे जाने वाले, सूर्य पर इन काले धब्बों को कोरोनल होल के रूप में जाना जाता है और वे ऐसे क्षेत्र हैं जहां तेज सोलर हवाएं अंतरिक्ष में चलती है।÷ दूसरी ओर नासा की ओर से इस तस्वीर को जारी करने के बाद से ऑनलाइन अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रहीं हैं। कई लोगों ने इसकी तुलना भूतिया मुखौटे तो किसी ने शेर और किसी ने बच्चों के शो टेलट्यूबीज़ से की है। किसी ने इसकी तुलना बीएन मिनी चॉकलेट बिस्कुट से की है जो मुस्कुराते चेहरे के रूप में बनाया गया है।

डीजीसीए ने इंडिगो के विमान से चिंगारी निकलने की घटना के दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली/ एजेंसी। निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी इंडिगो के एक विमान के इंजन में बीती रात उड़ान भरते समय चिंगारी निकलने की घटना की विस्तृत जांच होगी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि वह इस घटना की जांच के बाद उचित कार्रवाई करेगा।

विमान नियामक के मुताबिक डीजीसीए यह पता लगाने के लिए विस्तार से जांच करेगा कि क्या पहले भी इन इंजनों से जुड़ी ऐसी कोई घटना हुई है। जांच के बाद ही उचित कार्रवाई की जाएगी। डीजीसीए प्रमुख अरुण कुमार ने कहा कि हमारी प्राथमिकता इस घटना की विस्तारपूर्वक जांच करने के साथ इंजन में आग लगने की वजहों का पता लगाने की है।

डीजीसीए के मुताबिक दिल्ली से बेंगलुरु के लिए उड़ान भर रही इंडिगो विमान की संख्या 6ई-2131 के दूसरे इंजन के फेल होने की चेतावनी के बाद उड़ान नहीं भरी गई थी। इसके बाद एक तेज आवाज सुनी गई। इस घटना के तुरंत बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि डीजीसीए के संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच करने तथा जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से शुक्रवार रात करीब 10 बजे बेंगलुरु की उड़ान भरने की तैयारी कर रहे इंडिगो के ए320 विमान के एक इंजन में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही आग को तुरंत बुझा दिया गया। इंडिगो के इस विमान में सवार 7 क्रू मेंबर्स सहित सभी 184 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।

श्रीलंका के अस्पतालों में 160 महत्वपूर्ण दवाओं की कमी

कोलंबो/ एजेंसी। श्रीलंका के अस्पताल 160 आवश्यक दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। समाचारपत्र 'आईलैंड' की शनिवार को प्रकाशित रिपोर्ट में चिकित्सा आपूर्ति के उप महानिदेशक डॉ. डी आर के हेराथ के हवाले से कहा गया है, देश के अस्पतालों में 160 आवश्यक दवाओं की कमी है। हम उम्मीद करते है कि शुभचिंतक हमारी मदद करेंगे। डॉ. हेराथ ने कहा कि आवश्यक दवाओं में से एक ग्लिसरील ट्रिनिट्रेट या जीटीएन है जिसका उपयोग हृदय रोगों के इलाज के लिए किया जाता है। इसकी आपूर्ति में कमी है। उन्होंने कहा, हमें स्ट्रेप्टोकिनेज की भी आवश्यकता है, मायोकार्डियल इंफार्क्शन, फुफ्फुसीय एम्बोलिज्म और धमनी थ्रोम्बेम्बोलिज्म के कुछ मामलों में थक्के को तोड़ने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा। हमें हृदयघात से पीड़ित लोगों को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एट्रोपिन वैक्सीन की भी आवश्यकता है। हमें वास्तव में दो सप्ताह के भीतर एक नये स्टॉक की जरूरत है। डॉ. हेराथ ने कहा, विश्व बैंक ने दवाओं की खरीद के लिए 23 मिलियन डॉलर दिए है।यह बहुत ही फ्लेक्सिबल अनुदान है और हमने और मांग की है। स्वास्थ्य मंत्रालय एशियाई विकास बैंक के साथ 66.6 मिलियन डॉलर जारी करने के लिए बातचीत कर रहा है।

प्रौद्योगिकी के जरिए मानवीय अज्ञानता और प्रलोभन को समाहित किया सकता है : सीतारमण

विशाखापत्तनम/ एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी के जरिए मानवीय अज्ञानता और प्रलोभन को समाहित किया जा सकता है। श्रीमती रमण ने जीआईटीएएम डीम्ड विश्वविद्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामा राव की जन्म शताब्दी को चिह्नित करते हुए 'सशक्तिकरण- सुशासन की राह' पर एनटी रामा राव स्मारक व्याख्यान में कहा, ÷पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अफसोस जताया था कि अगर मैं लोगों को एक रुपया भेजता तो उन लोगों तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालांकि तकनीक को अपनाकर बाल्टी के छेदों को बंद कर दिया है। कोई लीक नहीं है। सभी लाभार्थी को पूरा पैसा

मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, पंद्रह पैसे नहीं पूरा एक रुपया मिला चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी एक बहुत बड़े उपकरण बनकर आई है जिसके जरिए मानवीय अज्ञनता और मानवीय प्रलोभन निहित हैं और कोई भी उसे दरकिनार नहीं कर सकता है। वित्तमंत्री ने कहा, आज हमने जिस तरह से प्रौद्योगिकी को अपनाया है उससे आम जनता तक लाभ पहुंच रहा है। इससे सुशासन का एक लक्ष्य हासिल किया गया है। मैं यह नहीं कह रही हूं कि यह फुलप्रूफ है। कुछ लोग इसे भी हैक करना जानते होंगे, लेकिन अब यह निश्चित है कि किसे क्या मिलना चाहिए। बिना किसी चोरी के यह चल रहा है।

सुशासन उन उपकरणों की तलाश के बारे में है जिनके साथ आप उद्देश्यों को लागू करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, मैं एक ऐसे नेता और उनके परिवार को विनम्र सम्मान देती हूं, जो आज 100 वर्ष का होते। मुझे अच्छा लगता है कि एक साल तक चलने वाले उत्सव में मुझे एक छोटी- सी भूमिका निभाने का अवसर मिला है। चाहे वह राम हों या कृष्ण, आधुनिक समय तक उस छवि को इतनी अच्छी तरह से लाने वाला कोई और नहीं है, एन टी रामा राव एक महान अभिनेता थे। उन्होंने कहा, उनकी फिल्मों में पुराणों के प्रामाणिक संदर्भों का बहुत अच्छा मिश्रण था। कोई मनगढ़ंत बात नहीं थी, और अभिनय सिर्फ अतुलनीय था। आज जब हम सुशासन की बात करते हैं, तो आपके पास उस समय के बारे में बोलने के लिए बहुत कुछ है जब एनटी रामाराव आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे।

मशहूर अमेरिकी गायक जेरी ली लेविस का निधन

लॉस एंजिलिस/ एजेंसी। मशहूर अमेरिकी गायक एवं गीतकार जेरी ली लेविस का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। लेविस के प्रतिनिधि जेक फारनम द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, गायक ने टेनेसी के मिसीसिपी स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार थे।

पियानो की धुन पर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले लेविस अपनी निजी जिंदगी को लेकर विवादों में भी रहे थे। उन पर शादीशुदा होने के बावजूद 13 वर्षीय किशोरी से शादी करने का आरोप लगा था, जो उनकी रिश्ते की बहन थी। इस शादी से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद लेविस के करियर को बड़ा झटका लगा और उनके तमाम 'शो' रद्द होने लगे।

नौसेना के शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन सोमवार से

नई दिल्ली/ एजेंसी। नौसेना के शीर्ष कमांडरों का चार दिन का सम्मेलन सोमवार से यहां शुरू होगा जिसमें हिंद महासागर में चल रही गतिविधियों तथा समुद्री सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन महत्वपूर्ण समुद्री मामलों के बारे में सैन्य तथा सामरिक स्तर पर चर्चा का संस्थागत मंच है। सम्मेलन में हिंद महासागर क्षेत्र में तेजी से हो रही घटनाओं तथा गतिविधियों और उनके सुरक्षा संबंधी आयामों के साथ साथ वैश्विक घटनाक्रमों पर भी

बातचीत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वायु सेना प्रमुख तथा सेना प्रमुख की कमांडो के सामने मौजूदा स्थिति तथा भविष्य की चुनौतियों के बारे में अपने विचार रखेंगे।

सम्मेलन के दौरान नौसेना प्रमुख नौसेना की संचालन, साजो सामान, जनशक्ति, प्रशिक्षण और प्रशासनिक गतिविधियों से संबंधित तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। शीर्ष कमांडर क्षेत्र में मौजूदा स्थिति तथा उसके कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती से निपटने की रणनीति पर भी विचार विमर्श करेंगे। सम्मेलन में तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने तथा राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए मिलकर की जाने वाली तैयारियों पर भी बातचीत होगी।

इंजन में खराबी से स्वदेशी क्रूज मिसाइल प्रणाली का दूसरा परीक्षण 'फ्लॉप'

- हथियार प्रणालियों में विफलता से मिसाइल प्रणाली 30 सेकंड के भीतर समुद्र में जा गिरी
- अपने पूर्व निर्धारित मार्ग से भटकने पर मध्य हवा में रोकने को मजबूर हुए रक्षा वैज्ञानिक

नई दिल्ली/ एजेंसी। भारत की पहली स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल (आईटीसीएम) प्रणाली का लगातार दूसरा परीक्षण तकनीकी खराबी के चलते फ्लॉप हो गया। 2020 से अब तक किए गए आईटीसीएम के तीन परीक्षणों में से दो विफल रहे हैं और एक ने 'आंशिक सफलता' हासिल की है। इंजन में तकनीकी खराबी आने से मिसाइल प्रणाली अपने पूर्व निर्धारित मार्ग से भटक गई, जिससे रक्षा वैज्ञानिकों को मध्य हवा में मिशन रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। हथियार प्रणालियों में विफलता के कारण मिसाइल प्रणाली प्रक्षेपण के 30 सेकंड के भीतर समुद्र में गिर गई।

रक्षा सूत्रों ने कहा कि भारत की स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल (आईटीसीएम) प्रणाली का ताजा परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा तट के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये जाने की तैयारी की गई थी। यह परीक्षण स्वदेशी रूप से विकसित छोटे टर्बो फैन इंजन (एसटीएफई) 'माणिक' और एक उन्नत रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर के साथ किया जाना था। इंजन को विशेष रूप से डिजाइन किए गए मोबाइल लॉन्चर से शुरुआती टेक-ऑफ के बाद शुरू होना था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण यह शुरू नहीं हुआ। शुरुआती बूस्टर चरण के बाद इंजन में तकनीकी खराबी आ गई और मिसाइल प्रणाली पूर्व-निर्धारित प्रक्षेपवक्र से विचलित हो गई, जिससे रक्षा वैज्ञानिकों को मध्य हवा में मिशन रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। हथियार प्रणालियों में विफलता के कारण मिसाइल प्रणाली प्रक्षेपण के 30 सेकंड के भीतर समुद्र में गिर गई।

इस्लामाबाद पुलिस ने होटलों को इमरान खान के समर्थकों को ठहरने की सुविधा देने से रोका

इस्लामाबाद/ एजेंसी। इस्लामाबाद पुलिस ने शनिवार को एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए होटलों और अतिथि गृहों को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली रैली में हिस्सा लेने वाले उनके समर्थकों को ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने से रोक दिया। इमरान पाकिस्तान सरकार पर जल्द आम चुनाव कराने की तारीख घोषित करने का दबाव बनाने के मकसद से यह रैली निकाल रहे हैं। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) ने 28 अक्टूबर को एक अधिसूचना जरी कर कहा था कि उसने भी टेलीविजन चैनलों को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं के भाषणों और रैलियों का सीधा प्रसारण न करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने कहा था कि एक भाषण के दौरान यह देखा गया कि आचार संहिता और अदालत के आदेशों का उल्लंघन करते हुए 'सरकारी प्रतिष्ठानों के खिलाफ बयानों का सीधा प्रसारण किया गया।'

महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर उम्र की पाबंदी के खिलाफ याचिका, न्यायालय ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली/ एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गर्भधारण से पहले और प्रसव-पूर्व जांच के लिए महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर 35 वर्ष की आयु के प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने एक वकील द्वारा दायर याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि आयु सीमा महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर प्रतिबंध है।

पीठ ने कहा, ''अपनी दलील में वह (याचिकाकर्ता) गर्भधारण-पूर्व और प्रसव-पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन निषेध) अधिनियम, 1994 की धारा 4 (3) (आई) का हवाला देती है कि 35 वर्ष की आयु का प्रतिबंध शीर्ष अदालत के हालिया फैसले के मद्देनजर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर प्रतिबंध है। नोटिस जारी किया जाए, जो उपरोक्त पहलू तक ही सीमित हो।''

शीर्ष अदालत अधिवक्ता मीरा कौर पटेल की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि गर्भाधान-पूर्व और प्रसव-पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन का निषेध) अधिनियम,

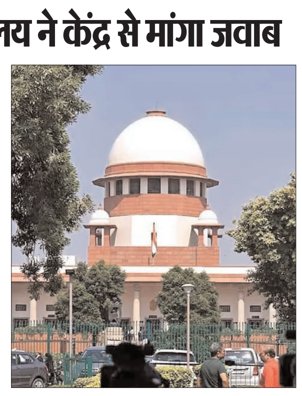

1994 की धारा 4 (3) (i) में 35 वर्ष की आयु का प्रतिबंध महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर प्रतिबंध है।

अधिनियम के अनुसार, जब तक गर्भवती महिला की आयु 35 वर्ष से अधिक न हो, प्रसव-पूर्व जांच तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम के तहत सभी महिलाएं गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक सुरक्षित और कानूनन गर्भपात कराने की हकदार हैं, और उनकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर कोई भेदभाव ''संवैधानिक रूप से टिकाऊ नहीं'' है।

पोलैंड ने अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण का जिम्मा अमेरिका को सौंपा

वारसॉ (पोलैंड)/ एजेंसी। पोलैंड ने घोषणा की कि उसने अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण के लिए अमेरिकी सरकार और वेस्टिंगहाउस कंपनी को चुना है। यह कोयला पर निर्भरता घटाने और ऊर्जा के लिहाज से अधिक स्वतंत्रता हासिल करने के उसके प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री मातेश्च मोराविकी ने शुक्रवार देर रात कहा कि पोलैंड की परमाणु ऊर्जा परियोजना वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी की 'विश्वसनीय, सुरक्षित तकनीक' का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने कहा कि पोलैंड और अमेरिका के बीच मजबूत गठबंधन 'हमारी संयुक्त पहलों की सफलता की गारंटी' है।

गौरतलब है कि पोलैंड कई वर्षों से ऊर्जा के लिहाज से अधिक स्वतंत्रता हासिल करने और देश के पुराने कोयला संयंत्रों को हटाने के लिए एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की योजना बना रहा है। इन कोयला संयंत्रों से यूरोप में वायु प्रदूषण फैलता है।

अमेरिका ने सलमान रुश्दी मामले में ईरानी समूह पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन/ एजेंसी। अमेरिका एक ईरानी संगठन पर वित्तीय दंड लगा रहा है जिसने ब्रिटिश-अमेरिकी लेखक सलमान रुश्दी को निशाना बनाने के लिए धन जुटाया था। रुश्दी पर अगस्त में हिंसक हमला किया गया था। मुंबई में जन्में और बुकर पुरस्कार से सम्मानित रुश्दी (75) पश्चिमी न्यूयॉर्क के चौटाउक्वा संस्थान में एक कार्यक्रम के दौरान अपना व्याख्यान शुरू करने वाले ही थे कि तभी एक व्यक्ति ने मंच पर चढ़कर चाकू से उन पर हमला कर दिया था।

'ट्रेजरी ऑफिस ऑफ़ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' ने '15 खोरदाद फाउंडेशन' पर वित्तीय दंड लगाने को मंजूरी दी, जिसने रुश्दी के सिर पर करोड़ों डॉलर का इनाम घोषित किया था। रुश्दी ने ''द सैटेनिक वर्सेज'' लिखी थी, जिसे कुछ मुसलमान ईशनिंदा मानते हैं। रुश्दी के एजेंट का कहना है कि पश्चिमी न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में मंच पर किए गए हमले से उबरने के बाद लेखक की एक आंख की रोशनी चली गई है और एक हाथ ने काम करना बंद कर दिया है।

आतंकवाद और वित्तीय खुफिया के लिए ट्रेजरी के अवर सचिव ब्रायन नेल्सन ने कहा, ''अमेरिका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता के सार्वभौमिक अधिकारों के खिलाफ ईरानी अधिकारियों द्वारा उत्पन्न खतरों के लिए खड़े होने के अपने दृढ़ संकल्प से पीछे नहीं हटेगा।'' उन्होंने कहा, ''हिंसा का यह कृत्य, जिसकी ईरानी शासन द्वारा प्रशंसा की गई है, भयावह है।

सोशल मीडिया मंच आतंकी समूहों की 'टूलकिट' में प्रभावशाली उपकरण बन गए हैं : जयशंकर

नई दिल्ली/ एजेंसी। भारत ने ''असामाजिक तत्वों'' द्वारा एन्क्रिप्टेड संदेश और क्रिप्टो करेंसी जैसी नई प्रौद्योगिकियों के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए समन्वित वैश्विक प्रयास करने का शनिवार को आह्वान किया और आगाह किया कि सोशल मीडिया मंच आतंकवादी समूहों की ''टूलकिट'' में प्रभावशाली उपकरण बन गए हैं।

दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आतंकवाद निरोधक समिति की विशेष बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आतंकवादी समूहों, उनके ''वैचारिक अनुयायियों'' और ''अकेले हमला करने वाले'' (लोन वोल्फ) लोगों ने इन नई प्रौद्योगिकियों तक पहुंच हासिल करके अपनी क्षमतायें बढ़ा ली हैं।

जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर पाकिस्तान के संदर्भ में यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद रोधी प्रतिबंध व्यवस्था उन देशों को आगाह करने के लिए प्रभावी है, जिन्होंने आतंकवाद को ''राज्य द्वारा वित्त पोषित उद्यम'' बना लिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्य देशों के प्रतिनिधि दिल्ली में हो

रही इस बैठक के दूसरे दिन के सत्र में भाग ले रहे हैं। पहले दिन का सत्र मुंबई में आयोजित किया गया था।

आतंकवाद का मुकाबला करने में भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए विदेश मंत्री ने यह भी एलान किया कि नई दिल्ली इस साल संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड फॉर काउंटर-टेररिज्म में पांच लाख डॉलर का स्वैच्छिक योगदान देगा।

जयशंकर ने कहा कि पिछले दो दशकों में तकनीकी नवाचार दुनिया के काम करने के तरीके में परिवर्तनकारी रहे हैं और वर्चुअल निजी नेटवर्क तथा एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवाओं से लेकर आभासी मुद्राओं तक नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियां आर्थिक और सामाजिक लाभों के लिए एक आशाजनक भविष्य की पेशकश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, जब बात आतंकवाद से संबंधित हो तो सिक्के का दूसरा पहलू भी सामने आता है।

जयशंकर ने कहा, ''इन नई प्रौद्योगिकियों ने असामाजिक तत्वों द्वारा दुरुपयोग के लिहाज से कमजोर होने के कारण सरकारों तथा नियामक संस्थाओं के लिए नई चुनौतियां पैदा की है।'' उन्होंने कहा, ''हाल के वर्षों में, खासतौर से खुले और उदार समाज में आतंकवादी समूहों, उनके वैचारिक अनुयायियों और अकेले हमला करने वाले लोगों ने इन प्रौद्योगिकियों तक पहुंच हासिल करके अपनी क्षमताएं बढ़ा ली हैं।''

उन्होंने कहा, ''वे आजादी, सहिष्णुता और प्रगति पर हमला करने के लिए प्रौद्योगिकी और पैसा तथा सबसे जरूरी खुले समाज के लोकाचार का इस्तेमाल करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इंटरनेट और सोशल मीडिया मंच समाज को अस्थिर करने के मकसद से दुष्प्रचार, कट्टरपंथ फैलाने तथा साजिश रचने के लिए आतंकवादियों और आतंकवादी समूहों की टूलकिट में प्रभावशाली उपकरण बनकर उभरे हैं।''

जयशंकर ने कहा, ''आतंकवादी समूहों और संगठित आपराधिक नेटवर्कों द्वारा मानवरहित हवाई प्रणालियों के इस्तेमाल ने दुनियाभर में सरकारों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।'' उन्होंने कहा कि आतंकवादी समूहों द्वारा कुख्यात उद्देश्यों जैसे कि हथियारों एवं विस्फोटकों की डिलीवरी तथा लक्षित हमले करने के लिए इन मानवरहित हवाई प्रणालियों का ''दुरुपयोग आसन्न खतरा'' बन गया है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''रणनीतिक, बुनियादी और वाणिज्यिक संपत्तियों के खिलाफ आतंकवादी उद्देश्यों के लिए हथियारबंद ड्रोन के इस्तेमाल की आशंकाओं पर सदस्य देशों को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।'' यह पहला मौका है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद भारत में किसी भी रूप में बैठक का आयोजन कर रही है।

भारत जोड़ो यात्रा : अभिनेत्री पूनम कौर, उस्मानिया यूनिवर्सिटी के छात्रों ने राहुल के साथ पदयात्रा की

हैदराबाद/ एजेंसी। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार को तेलंगाना के महबूबनगर कस्बे के धर्मपुर से फिर से शुरू हुई और इसके 20 किलोमीटर की दूरी तय करने की उम्मीद है।

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी के साथ अभिनेत्री पूनम कौर और उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों ने भी पदयात्रा की। राज्य में यात्रा का यह चौथा दिन है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि राहुल शनिवार की यात्रा की समाप्ति से पहले शाम को जडचेरला एक्स रोड जंक्शन पर एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, यात्रा सुबह साढ़े छह बजे शुरू हुई और राहुल के साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि अभिनेत्री पूनम कौर और उस्मानिया विश्वविद्यालय के कई छात्र भी राहुल के साथ पदयात्रा में शामिल हुए।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को महबूबनगर में रात्रि विश्राम से पहले

'भारत जोड़ो यात्रा' ने दिनभर में 23.3 किलोमीटर की दूरी तय की थी।

यात्रा तेलंगाना के नौ लोकसभा और 19 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए कुल 375 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसके बाद सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी।

चार नवंबर को यात्रा एक दिन का विराम लेगी।

'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल खेल, व्यवसाय और मनोरंजन क्षेत्र की हस्तियों के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के बुद्धिजीवियों और नेताओं से मुलाकात करेंगे।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने कहा कि राहुल पूरे तेलंगाना में प्रार्थना स्थल, मस्जिद और मंदिर जाकर वहां पूजा-अर्चना भी करेंगे।

'भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी।

यात्रा का तेलंगाना चरण आरंभ करने से पहले राहुल ने केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पदयात्रा की थी।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस ने यात्रा के समन्वय के लिए 10 विशेष समितियों का गठन किया है।

एक नजर

गुमराह करने वालों पर कार्रवाई करे निगम : एलजी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने नगर निगम को गुमराह करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ट्वीट संदेश में कहा कि पिछले चार महीने में निगम ने 26.1 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को साफ किया है।

दिल्ली में ठोस कचरा निस्तारण को लेकर इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। आप की ओर से लगातार निगम पर आरोप लगाए जाते रहे हैं कि वह कचरे के पहाड़ों को समाप्त करने में नाकाम रहा है। एक दिन पहले भी इस मुद्दे पर भाजपा और आप के बीच टकराव की स्थिति बनी थी। इस बीच शनिवार को उप राज्यपाल ने मामले पर किए गए ट्वीट में निगम को निर्देश दिए हैं कि गुमराह करने वाले तत्वों पर कार्रवाई की जाए।

आप नेताओं की ओर से आरोप लगाए गए थे कि शहर में कचरा डालने के लिए निगर निगम नए लैंडफिल साइट बनाने की योजना बना रही है, जबकि वह मौजूदा तीन लैंडफिल साइट पर कचरे के पहाड़ को साफ करने में विफल रही है। उप राज्यपाल ने ट्वीट में कहा है कि निगम ने पिछले चार महीनों में 26.1 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को साफ किया है और कचरे के पहाड़ की ऊंचाई 10-15 मीटर कम हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में कचरा डालने के लिए एक भी नया स्थल बनाने की योजना नहीं है।

घोषित बदमाश को चोरी के वाहनों के साथ दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर थाना पुलिस ने शुक्रवार को लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास से एक घोषित बदमाश को गिरफ्तार किया। उस पर छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी 25 वर्षीय अनमोल राणा के पास से चोरी के तीन दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को शकरपुर थाने की पुलिस विकास मार्ग पर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास पिकेट लगाकर जांच कर रही थी। इसी दौरान एक स्कूटी सवार वहां पहुंचा और पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। संदिग्ध लगने पर पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया। जांच के दौरान स्कूटी लक्ष्मी नगर इलाके से चोरी की निकली। पुलिस ने आरोपी अनमोल को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उससे दो और दोपहिया वाहन बरामद किए। जांच में पता चला कि वह लक्ष्मी नगर थाने का घोषित बदमाश है, उस पर यमुनापार के अलग-अलग थानों में छह अपराधिक मामले दर्ज हैं।

रेलवे की तीन दिवसीय कुश्ती चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने शनिवार को करनैल सिंह स्टेडियम में तीन दिवसीय अखिल भारतीय पुरुष कुश्ती चैंपियनशिप 2022-23 का शुभारंभ किया। यह चैंपियनशिप 29 से 31 अक्तूबर तक होगी। इस अवसर पर उत्तर रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एस के पांडे, मंडल रेल प्रबंधक डीम्पी गर्ग, कुश्ती खिलाड़ी बजरंग पुनिया एवं साक्षी मलिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए बधाई दी। उत्तर रेलवे द्वारा आयोजित की जा रही 63वीं अखिल भारतीय रेलवे कुश्ती चैंपियनशिप में विभिन्न जोन से 13 टीमें भाग ले रही हैं। इनमें 225 खिलाड़ी, 50 कोच तथा 20 अन्य तकनीशियन/सहायक भी शामिल हैं। महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे के विशाल काली रमन तथा मध्य रेलवे के विकास के बीच हुई पहली वाउट की शुरूआत कर इस चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। उत्तर रेलवे के विशाल इसमें विजेता रहे।

16 साल पहले कबूतरबाजी से पेरिस गया शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट से कबूतरबाजी के जरिये पेरिस गया शख्स 16 साल बाद बीते बुधवार को लौटा। दिल्ली एयरपोर्ट पर बाहर निकलने के लिए जब उसने पासपोर्ट दिया तो वहां उसका फजीर्वाड़ा पकड़ा गया। उसके पासपोर्ट पर भारत से बाहर जाने की कोई जानकारी नहीं थी। इमिग्रेशन की शिकायत पर एयरपोर्ट पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 61 वर्षीय गुरमीत सिंह के रूप में हुई है।

आरोपी गुरमीत सिंह पंजाब के कपूरथला का रहने वाला है। बीते बुधवार को वह पेरिस से आईजीआई एयरपोर्ट पर पहुंचा था। यहां आने के बाद उसने इमिग्रेशन विभाग से बाहर निकलने के लिए इजाजत मांगी। इमिग्रेशन विभाग ने जब उसका पासपोर्ट देखा तो उसमें गुरमीत के भारत से बाहर जाने की कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने इसे लेकर जब उससे पूछा तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसे आईजीआई थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्राथमिक पूछताछ में उसने बताया कि वह 2006 में भारत से पेरिस एक एजेंट के माध्यम से गया था। वहां पर वह निर्माण स्थल पर मजदूरी करता था। बीते 16 वर्षों से वह पेरिस में ही काम कर रहा था। इस दौरान वह कभी भी अपने घर नहीं लौटा। वहां पर होने वाली कमाई से वह अपने परिवार को रुपये भेजता था। पुलिस की एक टीम को एजेंट की तलाश के लिए पंजाब भेजा गया है। वहां पुलिस आरोपी के परिवार से भी जानकारी जुटाने का प्रयास करेगी। पुलिस का मानना है कि वह किसी दूसरे पासपोर्ट पर भारत से पेरिस गया होगा। वहां जाने पर उसने पासपोर्ट को जला दिया होगा, ताकि उसे डिपोर्ट न किया जा सके। हालांकि इस बारे में स्पष्ट जानकारी छानबीन के बाद ही सामने आएगी।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंची

जीआरएपी का तीसरा चरण लागू करने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शनिवार सुबह धुंध की परत छाई रही और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के बीच शहर की वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंच गई। इन प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों में कम तापमान और शांत हवा और पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि शामिल है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के एक अधिकारी ने कहा कि अधिकारी शाम को स्थिति की समीक्षा करके चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत वायु प्रदूषण रोधी उपायों को लागू करने पर फैसला ले सकते हैं। इन उपायों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आवश्यक परियोजनाओं को छोड़कर निर्माण व तोड़फोड़ गतिविधियों और बीएस3 (पेट्रोल) और बीएस4 (डीजल) चार पहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाया जाना शामिल है।

दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पूर्वाह्न 11 बजे 398 (बहुत खराब) रहा, जो शुक्रवार को शाम चार बजे 357 था। बृहस्पतिवार को यह 354, बुधवार को 271, मंगलवार को 302 और सोमवार (दिवाली पर) को 312 था।

आनंद विहार (454 एक्यूआई के साथ) राजधानी का सबसे प्रदूषित स्थान रहा। वजीरपुर (439), नरेला (423), अशोक विहार (428), विवेक विहार (427) और जहांगीरपुरी (438) वे निगरानी स्टेशन रहे, जहां वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। पड़ोसी शहरों गाजियाबाद (381), नोएडा (392), ग्रेटर नोएडा (398), गुरुग्राम (360) और फरीदाबाद (391) में भी हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंच गई।

शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' माना जाता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले सूक्ष्म कणों पीएम2.5 की सांद्रता सुबह 11 बजे कई इलाकों में 400 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से ऊपर थी, जो 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर की सुरक्षित सीमा से लगभग सात गुना अधिक है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि रात में धीमी हवाएं चलीं। विभाग ने कहा कि दिन में मध्यम गति (आठ किलोमीटर प्रतिघंटा) से हवाएं चलने का पूवार्नुमान है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाली एक पूवार्नुमान एजेंसी 'सफर' ने आने वाले दिनों में दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने की हिस्सेदारी बढ़ने का अनुमान जताया है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) ने शुक्रवार को पंजाब में पराली जलाए जाने की 2,067 घटनाओं की जानकारी दी, जो इस मौसम में अब तक सबसे अधिक है। संस्थान ने शुक्रवार को हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने के क्रमशः 124 और 34 मामले दर्ज किए थे।

सीएक्यूएम के एक अधिकारी ने कहा कि जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत प्रतिबंधों को लागू करने पर शनिवार शाम को फैसला किए जाने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि यदि एक्यूआई 'गंभीर' हो जाता है, तो अधिकारियों को आवश्यक परियोजनाओं (जैसे रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डे, आईएसबीटी, राष्ट्रीय सुरक्षा/राष्ट्रीय महत्व की रक्षा-संबंधित परियोजनाओं) को छोड़कर, एनसीआर में निर्माण और तोड़फोड़, प्लंबिंग, लकड़ी के कामों, आंतरिक सजावट और बिजली के काम जैसी प्रदूषणकारी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत होती है।

इसके अलावा ईंट भट्टों, हॉट मिक्स प्लांट, स्टोन क्रशर और एनसीआर में खनन व संबंधित गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है। जिन राज्यों में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र आते हैं, वहां की सरकारें भी तीसरे चरण के तहत बीएस 3 (पेट्रोल) और बीएस 4 (डीजल) चार पहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगा सकती हैं।

युवती से दोस्ती करने पर परिजनों ने पीटा

नई दिल्ली। जैतपुर इलाके में एक युवती के परिजनों ने उससे दोस्ती करने वाले युवक को जमकर पीटा। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे धारदार हथियार से घायल कर दिया और धमकी देकर फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने के बाद पहुंची जैतपुर थाना पुलिस ने घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया और उसके बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल 20 वर्षीय सूरज अपने परिवार के साथ सौरभ विहार जैतपुर इलाके में रहता है। मूलतः परिवार बदायूं उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसने बताया कि गत दिनों उसकी दोस्ती रिया (बदला हुआ नाम) नाम की युवती से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने लगी और दोनों मिलने लगे। इसकी जानकारी रिया के परिजनों को लग गई। रिया के परिजनों ने पीड़ित को धमकी देनी शुरू कर दी। 26 अक्तूबर को सूरज अपने किसी काम से जा रहा था, इसी दौरान राजू, सुमित और राहुल ने उसका रास्ता रोक लिया।

दिल्ली के डॉक्टर सुसाइड मामले में सुनवाई 11 नवंबर तक टली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आज डॉक्टर सुसाइड मामले की सुनवाई टाल दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने 11 नवंबर को अगली सुनवाई का आदेश दिया। इस मामले में आप विधायक प्रकाश जारवाल भी आरोपित हैं।

इस मामले में आज इंस्पेक्टर कमल किशोर और इंस्पेक्टर कुमार राजीव के बयान दर्ज होने थे लेकिन उनके उपलब्ध नहीं होने के बाद सुनवाई टाल दी गई। इस मामले की सुनवाई पहले स्पेशल जज गीतांजलि गोयल कर रही थीं। 11 नवंबर, 2021 को कोर्ट ने इस मामले के आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किया था। कोर्ट ने हरीश जारवाल को सुसाइड के लिए उकसाने के आरोपों से बरी कर दिया था। कोर्ट ने प्रकाश जारवाल और कपिल नागर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 386, 384, 506 और 120बी के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने आरोपित हरीश जारवाल को धारा 306 और 386 के आरोपों से मुक्त कर दिया जबकि धारा 506 का आरोप तय करने का आदेश दिया था।

28 अगस्त, 2021 को दिल्ली पुलिस ने प्रकाश जारवाल समेत तीन आरोपितों के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में प्रकाश जारवाल के अलावा कपिल नागर और हरीश कुमार जारवाल को आरोपित बनाया गया है। मामले में प्रकाश जारवाल को मुख्य आरोपित बनाया गया है। तीनों आरोपितों को पहले ही जमानत मिल चुकी है।

18 अप्रैल, 2020 को डॉक्टर राजेंद्र सिंह ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की थी। पुलिस ने डॉक्टर के यहां से दो पेज का सुसाइड नोट बरामद किया था। सुसाइड नोट में प्रकाश जारवाल और कपिल नागर को जिम्मेदार ठहराया गया था। पुलिस ने एक डायरी भी बरामद की है। इसमें डॉक्टर के कुछ पानी के टैंकर जल बोर्ड में चलने की बात कही गई है। डायरी में उन टैंकर्स के लिए प्रकाश जारवाल पर पैसे मांगने का आरोप लगाया गया है।

दुष्कर्म के दोषियों को पैरोल पर छोड़ने पर आपत्ति जताई

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है, जिसमें बलात्कार के दोषियों की सजा में छूट और पैरोल को प्रतिबंधित करने के लिए मजबूत कानून और नीतियों की मांग की है। आयोग की अध्यक्ष ने बिलकिस बानो और गुरमीत राम रहीम के मामलों का हवाला दिया है और मांग की है कि बिलकिस बानो के बलात्कारियों और गुरमीत राम रहीम को वापस जेल भेजा जाए।

वर्ष 2002 में गुजरात दंगों के दौरान जब बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था, तब वह 21 साल की थी। बलात्कारियों ने 5 महीने की गर्भवती बिलकिस बानो पर न केवल अत्यधिक क्रूरता की, बल्कि उसके 3 साल के बच्चे सहित उसके परिवार के 7 सदस्यों को भी मार डाला था। वर्ष 2008 में मुंबई की एक सत्र अदालत ने उसके मामले में 11 लोगों को सामूहिक बलात्कार और हत्या के लिए दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, इस साल 15 अगस्त को गुजरात सरकार ने 1992 की सजा में छूट की नीति का हवाला देते हुए बलात्कारियों को छोड़ दिया, जिसने कैदियों को उनकी सजा में कमी के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। यह सीबीआई और विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) द्वारा दोषियों की रिहाई के खिलाफ आपत्ति जताने के बावजूद किया गया था।

एक अन्य मामले में हाल ही में हरियाणा सरकार ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पैरोल पर रिहा किया है, जो बलात्कार और हत्याओं का दोषी है और रोहतक की जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। यह देखा गया कि कैद के दौरान दोषी को कई बार पैरोल पर रिहा किया जा चुका है। इस बार पैरोल पर बाहर होने पर उसने कई 'प्रवचन सभाओं' का आयोजन किया है और वीडियो जारी किए हैं। हाल ही में हरियाणा के विधानसभा उपाध्यक्ष और एक महापौर और हिमाचल प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनकी 'प्रवचन सभाओं' में भाग लिया। वे हाथ जोड़कर उनकी सभाओं में कतारों में खड़े नजर आये और उनका आशीर्वाद लिया और दोषी के 'काम' की सराहना की।

मौजूदा नियम और नीतियां बेहद कमजोर : स्वाति मालीवाल ने इन घटनाओं को बहुत बिचलित करने वाला करार दिया है और कहा है कि देश में सजा में छूट, पैरोल और यहां तक कि फरलो के मामले में मौजूदा नियम और नीतियां बेहद कमजोर हैं और इनमे राजनेताओं और दोषियों द्वारा अपने फायदे के लिए आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। आयोग ने राजनेताओं और प्रभावशाली दोषियों द्वारा छूट, पैरोल और फरलो की नीतियों में हेराफेरी का मुद्दा उठाया है और इन कानूनों और नीतियों की समीक्षा के लिए सिफारिश की है।

सिसोदिया का दावा: आप विधायकों की खरीद-फरोख्त के लिए 'भाजपा नेता' कर रहे प्रयास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को कथित रूप से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े एक व्यक्ति की ऑडियो क्लिप जारी की, जिसमें राजधानी में आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों की खरीद-फरोख्त की भाजपा की कोशिश पर चर्चा की जा रही है। सिसोदिया ने मांग की कि यदि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस मामले में शामिल हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

सिसोदिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में ऑडियो टेप चलाया और कहा कि क्लिप में जिस भाजपा 'दलाल' की आवाज सुनाई दे रही है, वह तेलंगाना में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति के विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त के आरोप में गिरफ्तार किए गए तीन लोगों में से एक है।

भाजपा या शाह की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सिसोदिया ने कहा, इस ऑडियो में, भाजपा के इस दलाल को एक (टीआरएस) विधायक को भाजपा में शामिल होने के लिए यह कहते हुए समझाते हुए सुना जा सकता है कि वे दिल्ली के 43 विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश कर रहे हैं और इसके लिए पैसा अलग रखा गया है। उसे (दलाल को) यह भी कहते हुए सुना जा सकता है कि उसने शाह और बीएल संतोष से भी बात की है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने मांग की, अगर भाजपा के दलाल (केंद्रीय) गृहमंत्री अमित शाह का जिक्र कर रहे हैं, तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और पूछताछ की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑडियो टेप दिल्ली और पंजाब में आप विधायकों की खरीद-फरोख्त के भाजपा के असफल प्रयास का 'सबूत' है। उन्होंने मामले की प्रवर्तन निदेशालय से जांच कराने की मांग की। सिसोदिया ने कहा, यह किसी देश के लिए बहुत खतरनाक बात है यदि उसके गृहमंत्री इस तरह की साजिश में शामिल हों।

दिल्ली की मायापुरी में मॉकड्रिल

प्रशासन ने आपदा से निबटने की अपनी तैयारियों को परखा

नई दिल्ली, एजेंसी। त्यौहारों के मौसम में अलग-अलग एजेंसियां अपनी मुस्तैदी परखने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन करती रहती हैं। इनका उद्देश्य आपदा या विपदा के वक्त इन एजेंसियों की तत्परता और सतर्कता को परखना होता है। वेस्ट दिल्ली के मायापुरी इंडस्ट्रीयल इलाके में अपनी क्षमता को परखने के लिए दिल्ली डिसास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी यानी डीडीएमए की अगुवाई में एक मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

दरअसल मायापुरी इंडस्ट्रीयल इलाके में मायापुरी इंडस्ट्रीयल वेलफेयर एसोसिएशन के दफ्तर में फायर ब्रिगेड को आग लगने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद तीन-चार अग्निशमन दस्ता मौके पर पहुंचा। फोन कॉल में कुछ लोगों के एसोसिएशन के ऑफिस में फंसे होने की सूचना भी दी गई थी। इसके बाद मौके पर एम्बुलेंस, लोकल पुलिस, मायापुरी थाने के एसएचओ, मायापुरी सबडिवीजन के एसीपी सहित कई पुलिसकर्मी और काफी संख्या में सिविल डिफेंस कर्मियों की टीम मौके पर पहुंच गई। आग बुझाने के साथ-साथ दफ्तर में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया गया। इस दौरान कुछ घायलों को फर्स्ट एड दिए जाने का इंतजाम भी इस दौरान दिखा। साथ ही दम घुटने से कुछ लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीपीआर देने की जरूरत भी पड़ी। इस दौरान तमाम एजेंसियों के बीच एक बेहतर और अच्छा तालमेल देखने को मिला। इस मॉकड्रिल से पहले आला अधिकारियों ने सिविल डिफेंस कर्मियों के साथ एक मीटिंग भी की। ऐसी मीटिंग का आयोजन हर महीने किया जाता है, जिसमें आपदा के वक्त क्विक रिस्पांस को लेकर इन कर्मियों को न सिर्फ बताया जाता है बल्कि कुछ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के बारे में भी जानकारी दी जाती है। साथी यहां स्थित इंडस्ट्री और फैक्ट्री के मालिक और कर्मचारियों के साथ भी अलग-अलग विभाग समय-समय पर एक अवेयरनेस कम्पेन भी चलाता है।

ऑपरेशन लोटस के तहत दिल्ली में भी लोकतंत्र की हत्या की कोशिश : संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में आज प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुलासा किया था कि ऑपरेशन लोटस के तहत दिल्ली में भी लोकतंत्र की हत्या की कोशिश हो रही है। उस वक्त हमसे इस बात के साक्ष्य मांगे गए।

अब तेलंगाना में विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए देकर सरकार गिराने की कोशिश की जा रही थी। जहां पर भाजपा के सिर्फ तीन विधायक हैं, वहां पर भी सरकार गिराने की कोशिश रच रहे हैं। तेलंगाना सरकार को गिराने में लगा भाजपा का दलाल खुद कह रहा है कि दिल्ली में 43 विधायकों को खरीदने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि वायरल ऑडियो में दलाल कह रहा है कि ईडी-सीबीआई-आयकर विभाग सहित सभी जांच एजेंसियां उनकी जेब में हैं। ऐसे में सबकुछ मैनेज हो जाएगा। तेलंगाना में 'आप सरकार' गिराने की कोशिश कर रहे हैं, जहां पर टीआरएस के 104 और भाजपा के सिर्फ 3 विधायक हैं। इसलिए मीडिया के जो लोग साक्ष्य मांगते थे उनको साक्ष्य के तौर पर पकड़े गए तीन दलाल मिल गए हैं। इनसे पता चला कि दिल्ली-पंजाब में भी ऑपरेशन लोटस चलाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप विधायकों ने इसे विफल कर दिया।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि तीन दलाल नंदू, स्वामी और रामचंद्र भारती पकड़े गए हैं। केसीआर की सरकार ने ऑपरेशन लोटस चलाते हुए इन्हें पकड़ा है। रामचंद्र भारती ऑडियो में कह रहा है कि दिल्ली में 43 विधायकों को खरीदने का प्लान बनाया था। रामचंद्र भारती की आरएसएस के नेता दतात्रेय, स्वामी की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नंदू की केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के साथ फोटो है। भाजपा जहां पर जीत नहीं पाती है वहां पर अपना किडनैपिंग गैंग एक्टिव कर देती है।

इसी वजह से आम आदमी पार्टी के नेताओं के ऊपर दिल्ली में सीबीआई ईडी, दिल्ली पुलिस के जरिए फर्जी मामले दर्ज कराए गए है। ऐसा सिर्फ सरकार गिराने और दवाब बनाने के लिए किया जाता है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने 'रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ' अभियान पर पुनर्विचार करने को कहा, फाइल लौटाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान पर पुनर्विचार करने को कहा है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के मद्देनजर इस तरह के अस्थायी उपायों पर भी सवाल उठाया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार ने पूर्व में उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि प्रस्ताव को मंजूरी देने में देरी से वह 28 अक्टूबर को अभियान की शुरूआत को स्थगित करने के लिए मजबूर हुई है। हालांकि, उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने दावा किया कि दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने झूठ बोला था क्योंकि मुख्यमंत्री द्वारा भेजी गई फाइल में अभियान शुरू करने की तारीख 31 अक्टूबर बताई गई थी।

महीने भर के 'रेड लाइट ऑन, गाडी ऑफ' अभियान का उद्देश्य ड्राइवरों को ट्रैफिक सिग्नल पर इंतजार करते हुए अपने वाहनों के इंजन को बंद करने के लिए प्रोत्साहित करना है। एक सूत्र ने कहा, उपराज्यपाल ने प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की सलाह के साथ फाइल मुख्यमंत्री केजरीवाल को भेज दी है।

एक सूत्र ने कहा कि उपराज्यपाल ने अत्यधिक प्रदूषण वाले यातायात चौराहों और अन्य स्थानों पर नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों (सीडीवी) की तैनाती को अमानवीय और 'शोषण' वाला कदम बताते हुए आपत्ति जताई है। उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि अभियान का मूल आधार जो कई लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने के विचार पर कुछ लोगों के स्वास्थ्य को जोखिम में डालना चाहता है, दोषपूर्ण है और किसी अन्य सभ्य महानगर में इसका कोई उदाहरण नहीं दिखता है।

सूत्र ने कहा, इसके अलावा, लंबे समय से मौजूद इस समस्या के किसी भी प्रभावी और टिकाऊ समाधान में साल दर साल तकनीकी हस्तक्षेप की जरूरत होगी, न कि अस्थायी उपाय काम आएंगे। उन्होंने कहा, लोगों को तैनात करने और उन्हें जोखिम में डालने के बजाए लंबे समय के लिए तकनीकी समाधान खोजने की जरूरत है।

उपराज्यपाल ने यह भी रेखांकित किया है कि पिछले अभियानों के परिणाम प्रस्ताव में परिलक्षित नहीं होते हैं और शहर में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पहले के अभियानों के असर का समर्थन करने के लिए कोई प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट प्रदान नहीं की गई है।

एक सूत्र ने कहा, इसके अलावा, अभियान के तहत यातायात चौराहे पर तैनात किए जाने वाले स्वयंसेवकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए कई जोखिम गंभीरता से ध्यान देने योग्य हैं। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री के स्तर पर 12 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक 10 दिन से अधिक समय से लंबित था और फाइल 21 अक्टूबर को उनके कार्यालय में प्राप्त हुई थी।

एक नजर

केजरीवाल को गुजरात चुनावों के कारण याद आ रहे हैं देवी-देवता : बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुजरात चुनाव में लाभ लेने के लिए नोट पर लक्ष्मी और गणेश की फोटो लगाने की बात कर रहे हैं। बिधूड़ी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का हिन्दू प्रेस सिर्फ चुनावों को निकट देख जाग उठा है। बिधूड़ी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही केजरीवाल सरकार के एक मंत्री हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान कर चुके हैं। भाजपा की ओर से दबाव बनाने पर केजरीवाल को बेमन से अपने मंत्री को हटाना पड़ा है। केजरीवाल खुद अयोध्या में राम मंदिर बनाने का विरोध कर चुके हैं। आम आदमी पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष गोपाल इटालिया भी हिंदू विरोधी बयान दे चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब गुजरात चुनाव नजदीक देखकर केजरीवाल को हिंदू धर्म की याद आई है लेकिन जनता जानती है कि केजरीवाल अब हिन्दू विरोधी भावनाओं को छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। अगर उन्हें लक्ष्मी और गणेश में आस्था होती तो इस साल दीपावली पूजन का कार्यक्रम न भूल जाते जो पिछले सालों में करते रहे हैं।

नेकी का डब्बा संस्था ने अभियान चलाया

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की नेकी का डब्बा फाउंडेशन की टीम ने पांच दिए दान करें अभियान चलाया। इसके तहत लोगो ने पटाखे, मिठाइयां, दीपक, नए कपडे और खिलौने दान किए। इन्हें आम्रपाली ड्रीम वैली की झुग्गी में रह रहे छोटे बच्चों और महिलाओं को दिया गया। समाजसेवी पूजा ठेनुआ ने बताया कि कार्यक्रम में 251 दीपों से एक बड़ा दीपक बनाया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि अखिलेश मिश्रा ने कई कविताएं सुनाई। इस दौरान उर्वशी, वनश्री, रजनीश मिश्रा, वरुण अरोड़ा, कमल किशोर, संगीता, गिरीश शुक्ला इत्यादि मौजूद रहे।

मारपीट कर लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। पुलिस ने वसुंधरा में बुजुर्ग को मारपीट कर बंधक बनाकर लूट करने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसने रविवार के दिन वसुंधरा निवासी व्यक्ति को घायल कर बंधक बना लूट को अंजाम दिया था। इसके पास से लूटे हुए एक एलईडी टीवी, एक लैपटॉप, 2 मोबाइल फोन, एक सोने की अंगूठी और अवैध चाकू बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अर्जुन निवासी बदायूं को आर्थला अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से एक एलईडी टीवी, एक लैपटॉप, 2 मोबाइल फोन, एक सोने की अंगूठी और अवैध चाकू बरामद किया गया है। पूछताछ में बदमाश ने बताया कि पहले वह वैशाली मेट्रो स्टेशन पर सफाईकर्मी था। उसकी नौकरी छूट जाने के बाद पैसे की तंगी के कारण उसने घटना को अंजाम दिया। गौरतलब है कि सेक्टर 2 वसुंधरा में रविवार को एक युवक द्वारा बुजुर्ग को घर पर अकेले पाकर मार पीटकर बंधक बना लूट को अंजाम दिया गया था। पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बदमाश को गिरफ्तार कर मुकदमा पंजीकृत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

दयानतपुर के सभी किसानों ने सहमति दी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जेवर एयरपोर्ट के द्वितीय चरण के प्रभावित ग्रामों के 5600 किसान अब तक जमीन देने की सहमति दे चुके हैं। दयानतपुर के सभी किसान अपनी सहमति दे चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संवाद के बाद किसान सहमत दे रहे हैं। मंगलवार को रन्हेरा के कई दर्जन किसानों ने जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह से रबूपुरा स्थित उनके कैंप कार्यालय पर मुलाकात की और अपनी सहमति दी। विधायक ने कहा कि जेवर क्षेत्र के किसान दीपोत्सव के महापर्व, दीपावली पर भी अपनी जमीनों की सहमति देकर जेवर तथा प्रदेश और देश के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। वह सभी किसानों के ऋणी हैं। जेवर एयरपोर्ट के लिए ग्राम दयानतपुर के 100 फीसदी किसान अपनी जमीनों की सहमति दे चुके हैं।

भारत सिटी सोसाइटी में महिला ने कूदकर जान दी

गाजियाबाद, एजेंसी। थाना टीला मोड़ क्षेत्र में बुधवार सुबह भारत सिटी सोसाइटी में एक महिला ने खाली पड़े फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला 15 वर्ष से मानसिक बीमारी से जूझ रही थी उनका इलाज चल रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी साहिबाबाद पूनम मिश्रा ने बताया महिला के पति ने पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार भारत सिटी सोसाइटी में बुधवार सुबह करीब पौने नौ बजे 50 वर्षीय प्रिया गुप्ता ने सोसाइटी में खाली फ्लैट की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। वे फ्लैट नीचे गिरकर बुरी तरह घायल हो गई। उनके शरीर में और सिर में गंभीर चोट आई जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई। वे भारत सिटी सोसाइटी में अपने पति 54 वर्षीय मनोज गुप्ता और दो लड़के 25 वर्षीय शुभम और 22 वर्षीय अजय किशोर रहती थीं। उनके पति ने पुलिस से बताया कि प्रिया का पिछले 15 वर्षों से मानसिक बीमारी का इलाज चल रहा था। वे तनावग्रस्त रहती थी।

निगम चुनाव में मतदाताओं ने 'आप' को जिताने का बनाया मन : केजरीवाल

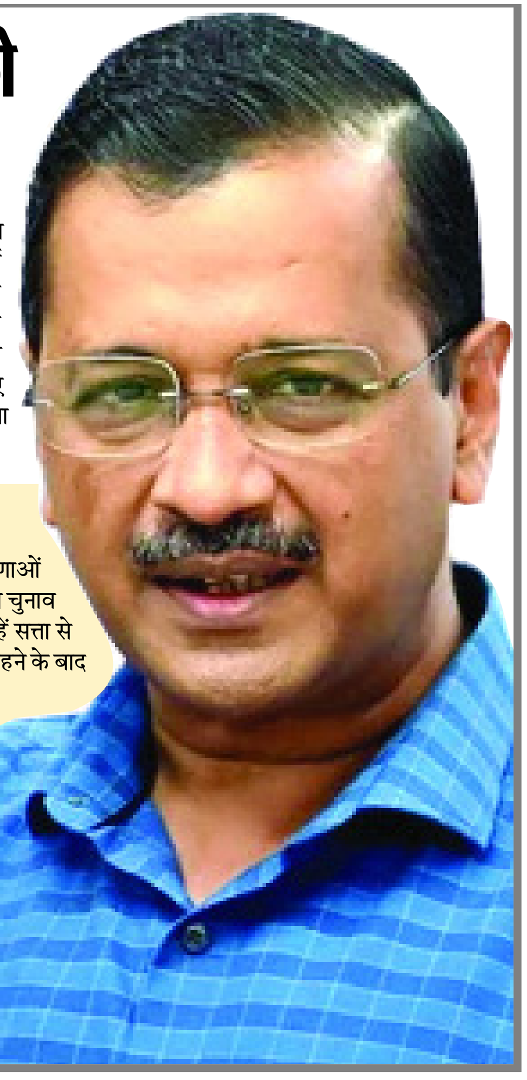

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो मजी आए कर ले लेकिन निगम चुनाव में लोगों ने 'आप' को जिताने का मन बनाया है।

श्री केजरीवाल ने आज यहां कहा कि उनकी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भाजपा ने चुनाव टालने के बहुत प्रयास किए और गलत तरीके से परिसीमन किया। उन्होंने कहा कि वे जो मर्जी कर लें लेकिन दिल्ली की जनता भाजपा नकारने वाली है। असुरी शक्तियां सच एवं ईमानदारी को दबाने के लिए पूरी कोशिश करती हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने देखा कि आम आदमी पार्टी की सरकार को स्कूल-अस्पताल की जिम्मेदारी मिली, तो स्कूल-अस्पताल अच्छे कर दिए। अब दिल्ली की जनता कह रही है कि हम एक बार दिल्ली की सफाई की भी जिम्मेदारी देंगे। जनता मन बना चुकी है। भाजपा जनता की इच्छा को नहीं दबा सकते।

उन्होंने कहा कि इस बार गुजरात की जनता उधर चुनाव लड़ेगी। इधर दिल्ली की जनता इनके 15 साल के कुशासन से दुखी है और उधर गुजरात की जनता इनके 27 साल के कुशासन से दुखी है। भाजपा निगम में 15 साल से काम कर रही है। वह अपना एक काम गिना दे, जो अच्छा किया हो। गुजरात में भाजपा 27 साल से काम कर रही है। वहां एक काम गिना दे, जो उन्होंने अच्छा किया हो। आम आदमी पार्टी की सरकार ने सात साल में क्या अच्छा काम किया है, यह सड़क पर चलते हुए एक आम आदमी गिना देगा।

चुनाव के लिए तैयार हैं हम

दिल्ली नगर निगम और गुजरात विधानसभा चुनावों की घोषणाओं की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भाजपा कुछ भी कर ले जनता उन्हें सत्ता से बाहर निकालने के लिए तैयार है। दिल्ली नगर निगम में 15 साल रहने के बाद उनके पास बताने के लिए कुछ नहीं है। गुजरात में 27 साल रहने के बाद भी बताने के लिए कुछ नहीं है। हमने सात साल में इतना किया है कि जनता बताएगी। जनता इन्हें बाहर निकालने का मन बना चुकी है। केजरीवाल ने कहा कि इन लोगों (भाजपा) ने चुनाव टालने के बहुत प्रयास किए। गलत तरीके से परिसीमन किया।

केजरीवाल की मंशा देश की सुख-समृद्धि व खुशहाली : संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आज पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार से मांग की है कि सुख-समृद्धि और खुशहाली के देवता भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की फोटो छापी जाने वाली नई करेंसी में लगाई जाए। महात्मा गांधी की फोटो एक तरफ हो और दूसरी तरफ लक्ष्मी और गणेश की फोटो हो। इसके पीछे अरविंद केजरीवाल की मंसा देश की सुख-समृद्धि व खुशहाली के लिए देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त करना है।

सिंह ने कहा कि आज भारत की अर्थ व्यवस्था गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। हमको शिक्षा-स्वास्थ्य, बिजली-पानी और देश को महंगाई से बचाने समेत अपने सारे प्रयास करने हैं। लेकिन इसके साथ-साथ देवी-देवताओं का आशीर्वाद भी आवश्यक है। इसलिए मुख्यमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री और भारत सरकार से मांग की है कि जो भी नई करेंसी छापी जाए, उसमें एक तरफ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो और दूसरी तरफ लक्ष्मी-गणेश फोटो हो।

सिंह ने कहा कि जब से अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता कर भारतीय करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर लगाने की मांग की है, उसके बाद से ऊपर से लेकर नीचे तक पूरी की पूरी भाजपा पार्टी के सारे नेता इसके विरोध में मैदान में उतर आए हैं और इसकी खिलाफत कर रहे हैं। भाजपा के नेता कह रहे हैं कि ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए।

इंडोनेशिया जैसा देश, जहां 85 फीसद मुस्लिम आबादी है, वहां की करेंसी पर भी भगवान गणेश की फोटो है। अगर यह मांग दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कर दी, तो भाजपा पार्टी के पेट में दर्द क्यों हो रहा है। भाजपा इसका विरोध क्यों कर रही है ? भाजपा के सारे नेता इसके खिलाफ क्यों हैं ? वह मांग करते है कि भाजपा इस मुद्दे पर अपना स्पष्ट मत देश के सामने रखे और प्रधानमंत्री भी अपना मत स्पष्ट करें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री की जो मांग है, उससे वो सहमत हैं या असहमत हैं। अगर वो विरोध कर रहे हैं, तो क्यों कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार रोधी अदालतों की स्थापना पर 31 अक्टूबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय 31 अक्टूबर को भ्रष्टाचार रोधी अदालतों की स्थापना संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में धनशोधन एवं कर चोरी जैसे विभिन्न आर्थिक अपराधों से संबंधित मामलों का फैसला साल भर में करने के लिए प्रत्येक जिले में विशेष भ्रष्टाचार रोधी अदालतें स्थापित करने का अनुरोध किया गया है।

उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड 31 अक्टूबर की वाद सूची के अनुसार, यह याचिका प्रधान न्यायाधीश यू. यू. ललित और न्यायमूर्ति एस. आर. भट्ट एवं न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगी। यह जनहित याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। उन्होंने अनुरोध किया है कि आर्थिक अपराधों से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए उचित कदम उठाने का उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया जाए। याचिका में दलील दी गई है कि केंद्र और राज्य सरकारों ने भी इस दिशा में उचित कदम नहीं उठाए हैं। सरकार का कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है।

याचिका में कहा है कि अप्रभावी भ्रष्टाचार रोधी कानूनों के कारण आजादी के 73 साल बाद भी देश भ्रष्टाचार फैला है। देश का कोई भी जिला काला धन, बेनामी संपत्ति, आय से अधिक संपत्ति, रिश्वतखोरी, धनशोधन, कर चोरी और इसी प्रकार के अन्य आर्थिक अपराधों से मुक्त नहीं है। भारत के भ्रष्टाचार रोधी कानून काफी कमजोर और अप्रभावी हैं तथा वे भ्रष्टाचार पर काबू पाने में नाकाम रहे हैं। 1988 में पारित बेनामी लेनदेन कानून भी बिना कार्रवाई के धूल खा रहा है।

बच्ची के साथ यौन शोषण के दोषी को भेजा जेल

दिल्ली उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बड़ी गलती करार दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को सलाखों के पीछे भेज दिया है, जिसे चार साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के लिए दोषी ठहराया गया था, लेकिन 2015 में एक निचली अदालत द्वारा परिवीक्षा पर रिहा कर दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत के दोषी को नेक चाल-चलन पर छोड़ने के फैसले को बड़ी गलती करार दिया है। दोषी को उसके द्वारा जेल में गुजारी गई अवधि, यानी नौ महीने और 26 दिन के आधार पर छोड़ दिया गया था। जिसे उच्च न्यायालय ने न्यायसंगत नहीं माना है। अदालत ने उस व्यक्ति को परिवीक्षा का लाभ देते हुए कहा था कि पॉक्सो अधिनियम के प्रावधान के तहत यह उसका पहला अपराध था जो अधिकतम पांच साल के कारावास और जुर्माने के साथ दंडनीय था।

हालांकि, उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता एवं न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न के लिए सजा) में न्यूनतम पांच साल की जेल और अधिकतम सात साल की सजा का प्रावधान है। यह स्पष्ट है कि विशेष अदालत ने मौलिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए घोर गलती की है कि पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के तहत दोषी को अधिकतम पांच साल के कारावास की सजा होती है, जबकि पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 के अनुसार, इसमें न्यूनतम सजा होती है। पांच साल की कैद और जुर्माने के साथ अधिकतम सात साल कैद की सजा का प्रावधान है।

उच्च न्यायालय का फैसला राज्य द्वारा दायर एक अपील की अनुमति देते हुए आया, जिसमें निचली अदालत के फरवरी 2015 के फैसले को चुनौती देने वाले दोषी को परिवीक्षा पर रिहा करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। उस व्यक्ति को नाबालिग के अपहरण और यौन उत्पीड़न के अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने नाबालिग पीड़िता के बयान का अध्ययन किया, जो कथित घटना के समय चार साल की थी। बच्ची ने अपनी गवाही में घटना का विवरण दिया और निचली अदालत में मौजूद व्यक्ति की पहचान भी की थी।

फिरौती व युवती से दुष्कर्म के अलग-अलग मामलों में दो सगे भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एंटी गैंग स्क्वाड पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक फिरौती के लिए अपहरण के मामले में और दूसरा युवती से रेप के मामले में फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आशीष चौहान और दीपक चौहान के रूप में हुई है। ये यूपी के गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) के रहने वाले हैं।

अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि 29 अगस्त 2017 में आरोपित आशीष ने अपने साथियों, विवेक, रोहित, विनोद और सुनील के साथ मिल कर सिंधु गांव के पास जीटी रोड पर गन प्वाइंट पर एक कार सवार शख्स का तीन करोड़ की फिरौती के लिए उसकी कार सहित उसका अपहरण कर लिया था। इस मामले में अलीपुर थाने की पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आशीष और उसके सहयोगी आर्यन उर्फ विवेक को दबोच लिया था, जिसमें आर्यन को गनशॉट इंजरी भी हुई थी।

इस मामले में गिरफ्तारी के बाद, ट्रायल के दौरान 3 नवंबर 2020 में आशीष को बेल मिली थी, जिसके बाद से वो कोर्ट प्रोसीडिंग्स से बचने के लिए फरार चल रहा था। इसके बाद उसके खिलाफ कोर्ट ने नॉन बेलेबल वारंट जारी किया था।

वहीं आशीष के छोटे भाई दीपक ने जुलाई 2021 में यूपी के नोएडा में एक युवती का रेप किया था। इस मामले में नोएडा के सेक्टर 39 में मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद से ही वो फरार चल रहा था। इस दौरान दीपक, उसके भाई आशीष और बहन ने पीड़िता को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी थी। रेप के मामले में फरार रहने की वजह से दीपक को भगौड़ा घोषित कर उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था।

कोर्ट के ट्रायल से बच कर फरार चल रहे अपराधियों की पकड़ के लिए डीसीपी क्राइम रोहित मीणा और एसीपी नरेश कुमार की देखरेख में अपराध शाखा के इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार, एसआई सचिन गुलिया, हेड कॉन्स्टेबल मिंटू और अन्य की टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने ऐसे अपराधियों के डेटा का विश्लेषण किया और सूत्रों को सक्रिय कर उनके बारे में जानकारियों को विकसित करने में लगी हुई थी। जिसमें उन्हें आरोपित आशीष के बारे में पता चला, जो पुलिस से बचने के लिए लगातार अपना लोकेशन और पता बदल कर रह रहा था। आखिरकार विशेष तकनीकी जांच की सहायता से पुलिस ने आशीष को न्यू अशोक नगर इलाके से दबोच लिया।

पूछताछ में उसने रेप के मामले में 25 हजार के इनामी और भगौड़े अपराधी अपने छोटे भाई दीपक के बारे में बताया, जिसके बाद पुलिस ने सूत्रों को सक्रिय किया और फिर उनसे मिली जानकारी के आधार पर हरि नगर थाना इलाके से चोरी गयी बाइक के साथ द्वारका के गोल्ड कोर्स रोड से दबोच लिया।

वहीं पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करने के दौरान वो

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी तेज

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 31 अक्टूबर के प्रस्तावित दौरे को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी तेज कर दी है। जिस मार्ग से मुख्यमंत्री को जाना है, उसको दुरुस्त कराया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल के आसपास भी साफ-सफाई का काम शुरू हो गया है। डाटा सेंटर के उद्घाटन के साथ ही मुख्यमंत्री गंगाजल प्लांट भी जनता को समर्पित कर सकते हैं। इसकी भी तैयारी शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 31 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा आएंगे। वह उत्तर प्रदेश के पहले डाटा सेंटर का उद्घाटन करेंगे। यह डाटा सेंटर नॉलेज पार्क-5 में बना है। यहां हीरानंदानी ग्रुप को अक्तूबर 2020 में सेंटर बनाने के लिए 20 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसमें 7000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। कंपनी ने एक टावर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। इसकी क्षमता 30 मेगावाट आईटी लोड की है। अन्य टावर का निर्माण कार्य चल रहा है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्री अश्वनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी राजीव चंद्रशेखर के भी आने की उम्मीद है।

कार्यक्रम को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। कार्यक्रम स्थल के आसपास साफ-सफाई कराई जा रही है। जिस रास्ते से मुख्यमंत्री को जाना है, उसे दुरुस्त कराया जा रहा है। रंग-रोगन भी कराया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के परियोजना विभाग ने इसके लिए कई टीमें लगाई है। प्रभारी जीएम सलिल यादव इसकी निगरानी कर रहे हैं। मंगलवार को जीएम ने अधीनस्थ अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि किस तरह की कमी ना रहने पाए।

गंगाजल की सौगात देंगे : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा की गंगाजल परियोजना जनता को समर्पित कर सकते हैं। 85 क्यूसेक गंगाजल की परियोजना के तहत जैतपुर स्थित मास्टर रिजर्व वायर तक गंगाजल पहुंच गया है। गंगनहर को सफाई के लिए बंद किया गया था। सफाई के बाद सोमवार की रात गंगाजल छोड़ दिया गया है। गुरुवार तक गंगाजल आ जाएगा। इसके बाद पल्ला गांव स्थित शोधन संयंत्र में पानी आएगा। इसी परियोजना को सीएम जनता को समर्पित करेंगे।

दिवाली के बाद प्रदूषण में हो रही गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में चल रही हवा के चलते प्रदूषण में दिवाली के बाद कुछ राहत दिख रही है। दिवाली के अगले दिन मंगलवार को जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 323 दर्ज हुआ था तो वहीं बुधवार को शाम के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक 283 दर्ज किया गया। यह खराब श्रेणी में आता है। केवल आनंद विहार एवं जहांगीरपुरी में ही प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा है। पश्चिमी हवा एवं खिली धूप के चलते दिल्ली में प्रदूषण से बड़ी राहत है। सफर का मानना है कि अगले तीन दिन प्रदूषण के स्तर में गिरावट आएगी।

जानकारी के अनुसार राजधानी में दिवाली के बाद आमतौर पर प्रदूषण का स्तर काफी खराब होने लगता है। लेकिन इस वर्ष दिवाली के बाद इसमें सुधार देखने को मिल रहा है। वह भी ऐसे समय में जब पंजाब एवं हरियाणा में बीते 24 घंटे के दौरान पराली जलाने की 1444 घटनाएं दर्ज हुई हैं। राजधानी में पश्चिम से हवा चलने की वजह से पंजाब एवं हरियाणा की तरफ से पराली का धुआं नहीं आ रहा है। दिल्ली में प्रदूषण से राहत का यह सबसे बड़ा कारण है। बीच-बीच में उत्तर-पश्चिम से भी कुछ देर के लिए

आनंद विहार ज्यादा प्रदूषित

हवाएं चल रही हैं, लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं हो रहा है।

प्रदूषण कम होने का दूसरा बड़ा कारण दिल्ली का अधिकतम तापमान एवं यहां चल रही सतही हवा का धीमा होना है। अभी के समय में अधिकतम 8 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से सतह की हवा चल रही है जिसके चलते प्रदूषण से बड़ी राहत मिल रही है। दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान लगभग 32 डिग्री रहा। इस वजह से भी प्रदूषण कम हो रहा है। विशेषज्ञों की माने तो तापमान में गिरावट से प्रदूषण का स्तर भी बढ़ेगा। उधर सफर ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन दिनों तक दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में ही रहेगा। राहत की बात यह है कि अगले तीन दिनों तक प्रदूषण बढ़ने नहीं वाला है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार बुधवार को सबसे ज्यादा प्रदूषित क्षेत्र आनंद विहार और जहांगीरपुरी रहे। आनंद विहार में जहां वायु गुणवत्ता 361 पर पहुंची तो वहीं जहांगीर पुरी में यह आंकड़ा 307 पर रहा। इसके अलावा दिल्ली के अन्य हिस्सों में कहीं भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के स्तर पर नहीं पहुंचा। बुधवार को दिल्ली में सबसे साफ हवा मंदिर मार्ग (192) और आया नगर (191) रही। वहीं मंगलवार को जहां सबसे ज्यादा प्रदूषित आरकेपुरम था तो वहीं बुधवार को इस जगह वायु गुणवत्ता 293 दर्ज की गई।

जगह	वायु गुणवत्ता सूचकांक
आनंद विहार	361
जहांगीरपुरी	307
अशोक विहार	276
बवाना	299
डीटीयू	285
आरकेपुरम	293
आया नगर	191
मंदिर मार्ग	192

डूब क्षेत्र में बिजली कनेक्शन देने की योजना अधर में

नोएडा, एजेंसी। डूब क्षेत्र में बिजली कनेक्शन देने की योजना फिलहाल अधर में है। सिंचाई विभाग की आपत्ति और विद्युत अधिनियम में कोई नियम नहीं होने की वजह से अधिकारी इस मामले में कदम बढ़ाने से बच रहे हैं। जबकि, ऊर्जा मंत्री डूब क्षेत्र में कनेक्शन देने के लिए आश्वासन दे चुके हैं। पिछले वर्ष केबिनेट में प्रस्ताव को मंजूर कराके प्री-पेड मीटर से आपूर्ति देने का भी आश्वासन दिया गया था, परंतु मामला अटका हुआ है। डूब क्षेत्र में चोटपुर, छिजारसी, बहलोलपुर, सोरखा, कुलेसरा और हल्दौनी आदि गांवों की कॉलोनी आती हैं। इनमें 35 हजार से अधिक परिवार रह रहे हैं। इस क्षेत्र में नियमानुसार बिजली कनेक्शन की मांग की जा रही है। इसके लिए डूब क्षेत्र में रहने वाले लोग धरना-प्रदर्शन के अलावा सोशल मीडिया पर भी मांग कर रहे हैं। कई बार ऊर्जा मंत्री और अन्य उच्चाधिकारियों से भी मांग कर चुके हैं। शहर के जनप्रतिनिधियों से भी बिजली कनेक्शन की मांग कर रहे हैं। डूब क्षेत्र निवासी राकेश कुमार और एसके ओझा ने बताया कि ऊर्जा मंत्री के आश्वासन के बाद बिजली कनेक्शन मिलने की उम्मीद थी, लेकिन अब तक कनेक्शन नहीं मिले हैं। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार डूब क्षेत्र में पक्का निर्माण नहीं किया जा सकता है। डूब क्षेत्र में केवल खेती ही की जा सकती है। इस क्षेत्र में नियमानुसार कनेक्शन देना संभव नहीं है। सिंचाई विभाग भी डूब क्षेत्र में कनेक्शन देने पर कड़ी आपत्ति कर रहा है। इसके अलावा विद्युत नियामक आयोग में भी डूब क्षेत्र में कनेक्शन देने का कोई प्रावधान नहीं है। इस वजह से डूब क्षेत्र में कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं।

विद्युत निगम के मुख्य अभियंता जेबी सिंह ने कहा कि सिंचाई विभाग डूब क्षेत्र में कनेक्शन पर आपत्ति जता रहा है। इस कारण कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं।

प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, खरीद-फरोख्त और ड्रग ट्रैफिकिंग के विरुद्ध अभियान को और तेज करने की आवश्यकता : मुख्यमंत्री

लखनऊ/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, खरीद-फरोख्त और ड्रग ट्रैफिकिंग के विरुद्ध अभियान को और तेज करने की आवश्यकता है। इस दृष्टि से संवेदनशील जिलों में सतर्कता और इण्टेलिजेंस को बेहतर करना होगा। प्रदेश की अन्तर्राज्यीय व अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर चौकसी बढ़ाई जाए। गृह विभाग के साथ-साथ नगर विकास व ग्राम्य विकास विभाग को भी इस अभियान में सहयोग करना होगा। बेहतर समन्वय के साथ ड्रग माफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में पुलिस, अग्निशमन, महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, नेपाल राष्ट्र के साथ-साथ उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार और दिल्ली से अपनी सीमा साझा करता है। विकास और सुरक्षा की दृष्टि से सीमा प्रबन्धन अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय है। प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में थाना, तहसील, विकास खण्ड सहित जिला प्रशासन में युवा, विजनरी और ऊर्जावान अधिकारियों की तैनाती की जाए। यहां सभी विभागों में पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता रहे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी सीमावर्ती जनपदों में केन्द्र व राज्य सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं का 100 प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित किया जाए। सभी पात्र जरूरतमंदों को सरकार की योजनाओं का लाभ जरूर मिले। इन जिलों में योजनाओं की प्रगति की अलग से समीक्षा की जानी चाहिए। सीमावर्ती जनपदों में समीपवर्ती राज्यों/राष्ट्र से आवागमन होता रहता है। ऐसे में यह जिले अन्य राज्यों/राष्ट्र के लिए हमारे ब्राण्ड एम्बेसडर सरीखे होते हैं। यह आवश्यक है कि यहां प्रशासन का व्यवहार सहयोगपूर्ण हो। इन जिलों में मण्डी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, अच्छे स्कूल, बेहतर परिवहन की व्यवस्था होनी चाहिए। इस दिशा में नियोजित प्रयास किये जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सीमावर्ती जनपदों में प्रदेश पुलिस की एस0एस0बी0 के दल के साथ ज्वॉइण्ट पेट्रोलिंग कराई जाए। एस0एस0बी0 के साथ बेहतर समन्वय बनाये रखें। आज के दौर में साइबर सिक्योरिटी महत्वपूर्ण विषय है। पुलिस परिक्षेत्र के बाद अब प्रदेश के हर जनपद में एक साइबर क्राइम थाने की स्थापना की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में यथाशीघ्र विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। लखनऊ में निर्माणाधीन उ0प्र0 स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के कार्य में तेजी की अपेक्षा है। गांधीनगर, गुजरात स्थित नेशनल फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी के सहयोग से यहां के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम तैयार कराये जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने की व्यवस्था को और व्यावहारिक बनाए जाने के लिए इसमें बदलाव की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ अन्य आवश्यक बदलावों को अंगीकार करते हुए फायर एक्ट को और बेहतर बनाया जाना चाहिए। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के संकल्प की पूर्ति में 'सेफ सिटी परियोजना' अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के माध्यम से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अन्तर्गत मॉडर्न कंट्रोल रूम, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केन्द्र, सी0सी0टी0वी0 कैमरे, महिला थानों में हेल्प डेस्क, बसों में पैनिक बटन व अन्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता मिली है। गृह, नगर विकास, आवास, संस्थागत वित्त और राज्य कर विभाग परस्पर बैठक कर जनसहयोग के माध्यम से सभी सार्वजनिक स्थानों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे, पिंक टॉयलेट, बसों में पैनिक बटन आदि सुरक्षा प्रबंध करने की कार्ययोजना तैयार करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाल के समय में महिला सुरक्षा व अपराध नियंत्रण में सी0सी0टी0वी0 कैमरों की महत्वपूर्ण भूमिका का सभी ने अनुभव किया है। वर्तमान में स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत स्थापित इण्टीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेण्ट सिस्टम से शहरों की सुरक्षा व्यवस्था स्मार्ट हुई है। बड़ी संख्या में व्यापारीगणों ने सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाने में सहयोग किया है। हमें इसे एक मुहिम का रूप देना होगा। अन्तर्विभागीय समन्वय के साथ कन्वर्जेंस के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन करते हुए अधिकाधिक शहरों को सेफ सिटी बनाने की कोशिश करनी होगी। सेफ सिटी परियोजना की उपयोगिता को देखते हुए सभी नगर निगमों तक इसका विस्तार किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में कन्वर्जेंस को आधार बनाकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा नागरिक पुलिस बल है। उत्तर प्रदेश पुलिस अपनी प्रोफेशनल दक्षता, योग्यता और कार्यकुशलता के लिए आज देश-दुनिया में सराहना प्राप्त कर रही है। पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए सभी जरूरी प्रयास किये जायें। उपकरण की जरूरत हो या ट्रेनिंग की, सभी आवश्यकताओं की पूर्ति तत्काल कराई जाए।

इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री अरविन्द कुमार शर्मा, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री श्री एस0पी0 गोयल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक श्री डी0एस0 चौहान, प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन श्री नितिन रमेश गोकर्ण, सूचना निदेशक श्री शिशिर सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

दामाद ने गर्भवती सास और पत्नी को जलाया, आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में पत्नी को लेने ससुराल गये पति ने पत्नी को नहीं भेजने से नाराज होकर अपनी गर्भवती सास एवं पत्नी को आग के हवाले कर दिया। इससे सास की दर्दनाक मौत हो गयी और पत्नी की हालत गंभीर है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना नगर के थाना जनकपुरी क्षेत्र की पुलिस चौकी ट्रांसपोर्ट नगर की कृष्णाधाम कालोनी की है। इसमें 25 वर्षीय युवक नितिन अपनी पत्नी रीतिका को लेने ससुराल गया था। पत्नी को साथ ना भेजने को लेकर हुए विवाद में नितिन ने 45 वर्षीय गर्भवती सास पायल और रीतिका पर पेट्रोल छिड़ककर आज तड़के साढ़े चार बजे आग लगा दी।

इससे पायल की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 18 वर्षीय पत्नी रीतिका, 80 फीसद तक जल गई है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि आज सुबह करीब पांच बजे सूचना मिलने पर वह एएसपी प्रीति यादव, पुलिस निरीक्षक अविनाश गौतम आदि के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। तब तक पायल की मौत हो गयी थी और रीतिका गंभीर रूप से झुलसी हुई थी। पुलिस ने आरोपी 25 वर्षीय नीतिन को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक शामली निवासी नीतिन ने दो-तीन साल पहले रीतिका से प्रेम विवाह किया था। पिछले कुछ समय से रीतिका सहारनपुर में ही अपने मायके में रह रही थी। नीतिन भी करीब एक माह से उन्हीं के साथ रह रहा था। उनके पड़ौसियों के मुताबिक नीतिन रीतिका को अपने घर ले जाने की कोशिशों में लगा था। लेकिन उसकी सास पायल उसे भेजने का विरोध कर रही थी। इससे उपजे विवाद के बाद नितिन ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक मृतका पायल के बड़े भाई प्रीतम कुमार पुत्र पुरूषोत्तम दास निवासी गढ़ी मलुक नगर कोतवाली क्षेत्र, ने थाना जनकपुरी में दी तहरीर में कहा कि उसकी बहन पायल और भांजी रीतिका पर उनके दामाद नितिन ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। जिसमें उनकी बहन की मौके पर जलने से मौत हो गई और भांजी रीतिका की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक पायल का अपने पति से अलगाव हो गया है।

वह कुछ समय से 28 वर्षीय युवक आशु कश्यप के साथ रह रही थी। वह भी इसी मकान में साथ रहता था। आशु कश्यप को बाइक चोरी के एक मामले में हरियाणा पुलिस 14-15 अक्टूबर को गिरफ्तार कर ले गई थी। पुलिस के मुताबिक पायल के मकान मालिक संजय कृष्णया ने आज प्रातः करीब साढ़े चार बजे इस घटना की सूचना पुलिस को दी थी।

वाराणसी में हरियाली के लिए सीआरपीएफ जवान लगा रहे पौधे

वाराणसी/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने क्षेत्र को हरा-भरा करने की कोशिशों के तहत अब तक 75,000 से अधिक पौधे लगाए हैं।

वाराणसी स्थित सीआरपीएफ की 95 बटालियन के कमांडेंट अनिल कुमार बृक्ष कहते हैं, हमारे जवान विभिन्न सामाजिक संगठनों और सरकारी विभागों के सहयोग से मंदिर, शहर के पार्कों, मठों, संस्थानों और स्कूलों में वृक्षारोपण का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी में अर्धसैनिक बल के जवानों द्वारा 2019 में पौधारोपण का कार्य शुरू किया गया था और यह अभी भी जारी है।

कमांडेंट ने कहा कि अब तक जिले में करीब 75,000 पौधे रोपे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के जवान पौधारोपण के साथ-साथ आम जनता को पर्यावरण की रक्षा करने और उसे बढ़ावा देने की शपथ भी दिलाते हैं।

बृक्ष ने कहा, ''समाज को जागरूक किए बिना पर्यावरण को संरक्षित नहीं किया जा सकता। मुख्य रूप से देश की युवा पीढ़ी और बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करना जरूरी है। हमें देश के बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की आदत डालनी होगी। उन्हें पर्यावरण के महत्व के बारे में बताना होगा, तभी आने वाली हर पीढ़ी अपने दायित्वों को समझ पाएगी।''

सीआरपीएफ अधिकारी ने कहा, ''पौधों को लगाने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण कार्य उनकी देखभाल और संरक्षण करना है। हमारा प्रयास रहता है कि जितने पौधे लगाए जा रहे हैं, उनमें से अगर 50 प्रतिशत पौधे भी बच जाते हैं तो यह बड़ी उपलब्धि होगी।''

बृक्ष ने बताया कि पौधों को लगाने के बाद जवान आसपास के लोगों और बच्चों को उनके संरक्षण की शपथ दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि हमने निगरानी दल भी बनाए हैं, जिसके सदस्य पौधों की देखरेख करने के साथ ही सूख चुके पौधों की जगह नये पौधे लगाते हैं।

बृक्ष के मुताबिक, सीआरपीएफ ने वाराणसी में सृजन सामाजिक विकास न्यास, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वन विभाग के सहयोग से साल 2019 में 10,000 पौधे लगाए थे, जिनमें सागौन, आम, अमरूद, आंवला, अशोक, गुड़हल, अर्जुन, नीम, जामुन आदि के पौधे शामिल थे। उन्होंने बताया कि 2020 में अशोक, जामुन, अमरूद, आंवला, आम आदि के 20,000 पौधे, जबकि 2021 में पाकड़, पीपल, बरगद, आंवला, आम, अमरूद, अशोक, अर्जुन, नीम और जामुन के 22,000 पौधे रोपे गए थे।

बृक्ष के अनुसार, वर्ष 2022 में अब तक अशोक, गुड़हल, अर्जुन, नीम, जामुन, आंवला, आम, अमरूद, पाकड़, बेल और बरगद आदि के कुल 23,500 पौधे लगाए जा चुके हैं।

'सुरक्षित व स्वच्छ छठ' के साथ जनभावनाओं का सम्मान हो : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा कर 'सुरक्षित व स्वच्छ छठ' के संदेश के साथ यह पर्व मनाने की अपील की जिससे जनभावनाओं का सम्मान सुनिश्चित हो सके। संबद्ध विभागों के मंत्रियों एवं आला अधिकारियों के साथ शनिवार को संपन्न हुयी बैठक में योगी ने नदी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट और पेयजल सहित अन्य जनसुविधाओं के व्यवस्थित प्रबंध करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि लोक-आस्था के महापर्व छठ को लेकर स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाये। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भीड़ भाड़ वाले स्थलों पर आतिशबाजी न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही उन्होंने छठ पूजन वाले हर स्थलपर 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' की व्यवस्था करने को भी कहा है। योगी ने छठ

महापर्व के अवसर पर आमजन की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था के संबंध में यहां आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में ये दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने कहा कि अगामी 30 और 31 अक्टूबर को लोकआस्था का महापर्व 'छठ' मनाया जाना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में इस पर्व की विशिष्ट परंपरा रही है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास हो कि हर एक व्रतधारी श्रद्धालु जन को अधिकधिक सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि पर्व का आयोजन बाधारहित हो सके। इसके लिये 'स्वच्छ और सुरक्षित छठ' का संदेश लेकर लोगों की जरूरत के अनुसार सभी प्रबंध किए जाएं।

योगी ने कहा कि छठ महापर्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सपरिवार सहभागिता होती है। ऐसे में नदी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल सहित जनसुविधा के व्यवस्थित प्रबंध किए जाएं। स्थानीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए सभी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छठ के अवसर पर अस्ताचलगामी सूर्य और उदित होते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। नदी घाटों के आस-पास पर्याप्त प्रकाश प्रबंध होना चाहिए। पर्व के अवसर पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। नदी की गहराई के अनुसार सुरक्षित क्षेत्र का चिन्हांकन किया जाए।

योगी ने कहा कि छठ घाटों के पास स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। यहां डेंगू, बुखार व विभिन्न जल जनित बीमारियों की जांच की व्यवस्था होनी चाहिए।

सहारनपुर : बासमती धान की सभी प्रजातियों के दाम में भारी उछाल

सहारनपुर/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जनपद अच्छी प्रजाति के बासमती चावल की पैदावार के लिये में विख्यात है। इस साल बासमती धान की सभी प्रजातियों के भाव में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। मंडी समिति की उपनिदेशक रिंकी जायसवाल ने शनिवार को बताया कि 'पूसा बासमती 1509' के बाजार भाव 3500 रूपए प्रति क्विंटल हैं। जबकि पिछले वर्ष 2500 रूपए प्रति क्विंटल थे।

सरबती प्रजाति की धान के भाव 2700 रूपए प्रति क्विंटल हैं, जबकि पिछले वर्ष 2200 रूपए प्रति क्विंटल थे। पूसा 01 प्रजाति के धान का भाव आज बाजार में 3550 रूपए प्रति क्विंटल हैं जबकि पिछली बार इसका दाम 3200 रूपए प्रति क्विंटल था।

इस बार सहारनपुर जनपद में धान की खेती का रकबा 58 हजार हेक्टेयर था। जिसमें से 48 हजार हेक्टेयर में बासमती धान की पैदावार हुई हैं। राज्य सरकार सामान्य धान की प्रजातियों की खरीद करती है। बासमती धान की बिक्री मंडियों में होती है। यह किसान सीधे व्यापारियों को बेचता है। धान के व्यापारियों ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस बार बासमती धान की मांग अच्छी है। धान की कीमत बढ़ने से बासमती उत्पादक किसान के चेहरे भी खिले हुए हैं। सहारनपुर से बासमती चावल का कई देशों को निर्यात भी होता है।

महिला चिकित्सक की हत्या के दोषी को उम्रकैद एवं जुर्माने की सजा

मथुरा/ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय) नीरू शर्मा की अदालत ने एक महिला चिकित्सक की हत्या के आरोपी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद एवं 10 हजार रूपये के जुर्माने की सजा सुनायी है। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी ने शनिवार को बताया कि 13 जुलाई 2018 को हाईवे थाना क्षेत्र के अन्तर्गत राधापुरम इस्टेट में महिला चिकित्सक डा खुशबू अग्रवाल की शाम को उसके घर में गला काटकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के समय उसके पति डा संजीव कुमार रांची बांगर की क्लीनिक में थे।

डा कुमार की शाम को लगभग 6 बजे पत्नी से बात हुई थी और 7 बजकर 13 मिनट पर उन्हें पड़ोसी नीरू मित्तल ने फोन पर इस हत्या की सूचना दी थी। उसने इसके बाद हाईवे थाने में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने बाद में मौके पर मिले साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज एव सर्विलांस के आधार पर मथुरा जिले के मगोर्रा थाने के नगला टोटा गांव निवासी जितेन्द्र को गिरफ्तार किया। अदालत में पेश आरोप पत्र में पुलिस ने कहा कि घटना की शाम घर का दरवाजा खुला होने पर अभियुक्त लूट के इरादे से डाक्टर के घर में घुसा था। डा खुशबू अग्रवाल ने जब लूट का विरोध किया, तो उसने उनकी हत्या कर दी। इस मुकदमे में चिकित्सक की 13 वर्षीय बेटी शानवी समेत आठ लोगों के बयान दर्ज किये गए थे। शानवी का कहना था कि वारदात के कुछ समय बाद जब वह घर पहुंची तो उसकी घायल तड़पती मां ने अभियुक्त की ओर इशारा कर कहा था कि आरोपी ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है। इसके तुरंत बाद उसकी मां की मृत्यु हो गई थी।

अंतिम छोर तक पहुंचने लगा योजनाओं का लाभ: असीम अरुण

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री एवं अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के अध्यक्ष असीम अरुण ने कहा है कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्प हैं और इस संकल्प की सिद्धि का लाभ अब दिखने भी लगा है। अरुण ने रविवार को यहां दलित समाज के प्रबुद्ध जनों की संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के संचालन क्रियान्वयन पर कड़ी नजर रखें। वह पूर्व विधायक और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुंशीलाल गौतम द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि भाजपा के सत्ता काल में दलित, शोषित, वंचित, और पीड़ित व्यक्तियों के उत्थान एवं उनको समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए संगठित प्रयास हुए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य दलों ने दलित समाज को केवल वोट बैंक मानते हुए अपने राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति की है। अरुण ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर काम कर रही है। इस सरकार में गुंडे माफियाओं का दमन किया जा रहा है। गुंडे, बदमाश या तो प्रदेश से पलायन कर चुके हैं या फिर वे जेल में हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में निर्धन वर्ग के लोगों को सरकारी खजाने से निशुल्क राशन उपलब्ध कराना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस वर्ग के लोगों के प्रति अच्छी सोच का परिचायक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी वर्गों के साथ न्याय हो रहा है। इसका मकसद तुष्टीकरण नहीं है।

बॉलीवुड डायरेक्टर इस्माइल श्रॉफ का 62 वर्ष की आयु में मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन

एनसीआर समाचार

हिंदी फिल्मों के मशहूर डायरेक्टर इस्माइल श्रॉफ का 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इस्माइल श्रॉफ ने मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन किया है, लेकिन उनको सबसे ज्यादा प्रसिद्धि 80 के दशक में बनाई गई हिंदी फिल्म 'थोड़ी सी बेवफाई' से मिली। इस फिल्म की कहानी उनके भाई मोइनुद्दीन ने लिखी थी। इस्माइल को शुरू से ही फिल्मों का शौक था।

श्रॉफ ने एक सहायक निर्देशक के रूप में की थी करियर की

शुरूआत

हिंदी फिल्मों की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से साउंड इंजीनियरिंग का कोर्स किया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्मों में अपना हाथ आजमाने और करियर बनाने के लिए मुंबई को निकले। करियर की शुरूआत में उन्होंने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। फिल्म साधु और शैतान में उन्होंने सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया।

श्रॉफ ने इन फिल्मों का किया है निर्देशन

डायरेक्टर भीम सिंह के सहायक बनकर काम करने के बाद, उन्होंने बतौर निर्देशक अपनी पहली सफलता 'थोड़ी सी बेवफाई' से हासिल की थी। इस फिल्म से वह लोगों के बीच पहचान बनाने में कामयाब रहे। इसके अलावा श्रॉफ ने आहिस्ता आहिस्ता, बुलंदी और सूर्या जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। अपने फिल्मी करियर में उन्होंने कुल 15 फिल्मों का निर्देशन किया था। वर्ष 2004 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'थोड़ा तुम बदलो थोड़ा हम' उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म थी।

एम्बुलेंस और कार की टक्कर में एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पलटी, गाड़ी चालक की हालत हुई गंभीर

उत्तर प्रदेश में मंगलवार की दोपहर बाद लखनऊ के पुराना हैदराबाद निवासी 35 वर्षीय ब्रजेश अपने सगे भाई 30 वर्षीय मिथलेश के साथ कार से आगरा की तरफ जा रहे थे। आगरा, लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर जोगीकोट गाँव के पास तेज रफ़्तार एम्बुलेंस ने कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। जबकि कार सड़क के नीचे उतर गई और इस हादसे में कार सवार दोनों भाई और एम्बुलेंस पर सवार विशाल 25 सोनू 30 निवासी जालंधर, पंजाब में गम्भीर रूप से घायल हो गये। यूपीडा रेस्क्यू टीम ने घायलों को बांगरमऊ में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया। जहाँ से उन्हें नाजुक हालत में रेफर कर दिया गया। घायलों में कार सवार ब्रजेश की हालत ज्यादा से ज्यादा गम्भीर बताई जा रही है। एक्सप्रेस-वे पर यूपीडा रेस्क्यू टीम ने छतिग्रस्त कार व एम्बुलेंस को हटवाया।

मध्य प्रदेश प्रतियोगिता घुघरी में वॉलीबॉल एवं कबड्डी चैंपियनशिप का आगाज

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश मंडला में बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में राजा शंकरशाह कुंवर रघुनाथ शाह समिति घुघरी के तत्वावधान में घुघरी मुख्यालय में वॉलीबॉल व कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को चैंपियनशिप का शुभारंभ, बस स्टैंड परिसर घुघरी में बने मैदानों में किया गया, जिसमें बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एड राकेश तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह कंवर, प्रदेश महामंत्री कमल मरावी, जिला पंचायत सदस्य गीता मरावी, जनपद उपाध्यक्ष सिहारे लाल करचाम, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद कुशराम, अशोक भलावी, सालिग करचाम, अरविंद झारिया सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय लिया।

वॉलीबॉल में पहला मैच दुड़ी लुहारटोला बी टीम व धमनगांव बिछिया के बीच हुआ, जिसमें धमनगांव विजेता रहा। वहीं दूसरा मैच पुलिस टीम घुघरी व खमरौटी बिछिया के बीच हुआ। जिसमें पुलिस टीम घुघरी टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके बाद कबड्डी के भी मुकाबले हुए जिसमें स्थानीय टीमों के बीच मुकाबले हुए जो देर रात तक चलते रहे। बिछिया विधायक पट्टा ने बताया कि घुघरी क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की बहुतायत है बस जरूरत है तो उन्हें एक प्लेटफार्म देने की, जिसे इस चैंपियनशिप के माध्यम से हमने देने का प्रयास किया है।

इस चैंपियनशिप में देश के अलग-अलग हिस्सों से ख्यातिप्राप्त टीमें शामिल हो रही हैं जिनके शानदार खेल के साथ हमारे स्थानीय खिलाड़ी भी खेलेंगे और खेलों की बारीकियों से वाकिफ होंगे। शुक्रवार को राष्ट्रीय स्तर की टीमें घुघरी पहुचेंगी और शुक्रवार रात से ही उनके मैच शुरू हो जाएं ऐसी कोशिश की जा रही है। लगातार तीन दिनों तक घुघरी में खेलो का आयोजन होगा जिसमें भारी संख्या में दर्शक पहुंच रहे हैं। विधायक पट्टा ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस चैंपियनशिप में दर्शक के रूप में शामिल हों और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

दीपावली के अवसर पर राजस्थान अजमेर के भिनाय उपखंड में गाय मेले का भव्य आयोजन

एनसीआर समाचार

घनश्याम दासः राजस्थान अजमेर के भिनाय उपखंड की ग्राम पंचायत नागोला में योगेश्वर बाबा की धार्मिक नगरी नागोला में दीपावली के दूसरे दिन ऐतिहासिक गाय मेला आयोजन हुआ, जिसको देखने के लिए नागोला सहित आसपास के ग्राम वासियों ने इस मेले में गाय देखने के लिए भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। आयोजन गाय मेले में गो माता दौड़ती हुई श्री चारभुजा मंदिर पर पहुंची, जहां पुजारी ने गाय को लड्डू खिलाया। नागोला में ऐतिहासिक गौ माता का मेला आयोजन परंपरागत वर्षो से चला आ रहा है।

दीपावली पर गाय ठीकरा नहीं आती है तो समूचे क्षेत्र में त्योहार नहीं मनाया जाता है। नागोला में श्री चारभुजा महाराज की पावन धार्मिक योगेश्वर नगरी में दीपावली के दुसरे दिन अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन भी किया जाता। इस दीपावली भी यहां ऐतिहासिक गाय मेले का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें सेकड़ों गाएं स्कूल परिसर में इकट्ठी की गई औ? इकट्ठी की गई गायों में से सफेद व लाल गाय भगवान के विमान के सामने से होकर निकलती हुई लगभग 1 किलोमीटर की दूरी दौड़कर भगवान चारभुजा नाथ के मंदिर तक पहुंची, जहां पर पुजारी ने गौ, माता को लड्डू खिलाकर दोंनो गायों की पूजा की। ग्रामीणों का है ऐसा मानना- ग्रामीणों का मानना है कि गाय मेले में गाय नहीं आने पर अकाल का सूतक माना जाता है तथा जिस कलर की गाय आती है।

उसी प्रकार का जमाना होने का अनुमानित रहता हैं। इस दौरान दिन भर रामा श्यामा का दौर जारी रहा। द्वारकाधीश भगवान चारभुजा महाराज के मदिंर में विधि विधान से पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना समाप्त होने के बाद ढोल नगाडों व वीर घटाओं की मधुर स्वर लहरियों के बीच भगवान द्वारकाधीश का विमान रवाना होता है, जो मुख्य बाजार होता हुआ बस स्टैंड पहुंचता है। गाय मंदिर जाने के बाद ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों के साथ चारभुजा नाथ के विमान को वापस मंदिर लेकर पहुचते और भव्य महाआरती व पूजा अर्चना कर कार्यक्रम सम्पूर्ण किया गया। इस दिन

नागोला मुख्य बस स्टैंड व बाजार में स्वेच्छा से लोगों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। और गाय मेले का आनंद लिया।

उत्तर प्रदेश में देर रात दुकानों पर तोड़फोड़ करने के साथ हवा में चलाई गोली

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश जौनपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला भंडारी भंडारी जंक्शन के सामने बुधवार की शाम अराजक तत्वों द्वारा कई दुकानों पर तोड़फोड़ करने के साथ हवा में गोली जौनपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला भंडारी जंक्शन के सामने बुधवार की शाम अराजक तत्वों द्वारा कई दुकानों पर तोड़फोड़ करने के साथ हवा में गोली चलाने के बाद जब वह फरार हो गए, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई।

वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बड़ी पुरानी एक कहावत को चरितार्थ किया कि धोबिया के ना पावे गधे का कान मुरैरे वहां देर रात तक ट्रेन से उतरने वाले राहगीरों के लिए चाय पानी दूध आदि की दुकानें खुली रहती है पुलिस ने हिदायत दे दिया कि दुकाने 10:00 बजे रात्रि के बाद बंद रहेगी। वहां की दुकानदार पुलिस का यह आदेश सुनकर सकते में आ गए की अराजक तत्वों द्वारा उनकी दुकानों को तोड़ा गया और हवा में फायरिंग कर दहशत जहां फैलाई गई।

वहीं अब पुलिस का यह नया आदेश उनके लिए और भी सर दर्द बन गया। देर रात्रि पुलिस ने पहुंचकर सभी खानपान की दुकानें बंद करा दिया। ट्रेन से उतरने वाले लोग चाय नाश्ता और आदि सामग्री के लिए तरस गए। कई यात्रियों के बच्चे दूध के लिए तरस गए। लेकिन पुलिस जहां सुरक्षा व्यवस्था ना दे सकी वहीं दुकानें बंद करने का आदेश देकर दुकानदारों को जहां भारी क्षति हुई है वही यात्रियों को भी खानपान की सुविधा को सेंध लग गई है। अराजक तत्वों द्वारा जो हरकत शहर के व्यस्त इलाके भंडारी स्टेशन के पास घटना को गठित किया गया इससे पूरे नगर में भय एवं दहशत व्याप्त है।

सागर में वास्तविक कीमत पर पहले आओ पहले पाओ पर उपलब्ध होंगे डेरी स्थल पर प्लाट

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सागर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने आज रतौना स्थित डेयरी विस्थापन प्रोजेक्ट स्थल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। मंत्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रतौना में डेयरी व्यवसायों को प्लाट की आवंटन प्रक्रिया आरंभ करने के लिए शीघ्र ही निगम परिषद की बैठक बुलाकर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मंत्री भूपेंद्र सिंह को निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि 15 दिसंबर तक डेयरी विस्थापन के लिए आवश्यक संरचनात्मक कार्य पूरे किए जा कर आवंटन के लिए स्थल उपलब्ध हो जाएगा। वास्तविक कीमत पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर डेरी विस्थापन स्थल रतौना में भूखंड उपलब्ध कराए जाएं साथ ही 30 दिसंबर तक समस्त आवश्यक कार्य पूर्ण किए जाएं। उक्त निर्देश मध्यप्रदेश शासन की नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह गुरुवार को 8 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित हो रही डेरी विस्थापन स्थल का निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर प्रतिनिधि डॉ सुशील तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, कलेक्टर दीपक आर्य, नगरनिगम आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला लक्ष्मण सिंह, नेवी जैन, जगन्नाथ गुरैया, राहुल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक मौजूद थे। रतौना ग्राम में 18 हेक्टेयर में बन रही 8 करोड रुपए से अधिक की राशि की डेरी विस्थापन स्थल का मंत्री भूपेंद्र सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि डेरी विस्थापन की समस्त कार्य दिसंबर तक पूर्ण किए जाएं।

उन्होंने कहा कि, जिसमें प्रमुख रुप से रोड पानी बिजली सीवर लाइन सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि डेयरी मालिकों को शीघ्र नोटिस दिए जाएं जिसमें पहले आओ पहले पाओ ऑफर के साथ वास्तविक कीमत पर प्लाट उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि, डेयरी स्थल पर किसी भी प्रकार का लाभांश ना लेते हुए वास्तविक कीमत पर ही प्लाट उपलब्ध होंगे।

मंत्री ने निर्देश दिए कि डेयरी मालिकों को दीपावली ऑफर के अवसर पर यह प्लाट दिए जाएं जिससे कि डेयरी मालिक आकर अपना प्लाट शुरू कर सकें और अपना कार्य प्रारंभ कर सकें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी डेयरी 1 जनवरी से यहां प्रारंभ हों जिससे कि सागर स्वच्छ सुरक्षित हो सके।

परियोजना के प्रतिनिधि अनुराग सोनी ने बताया कि, 18 हेक्टेयर में 392 डेयरी मालिक अपनी डेयरी स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि, यहां एक हजार, 2000, 6000 स्क्वायर फुट की प्लाट उपलब्ध होंगी उन्होंने बताया कि सभी भूखंड पशुओं की संख्या की आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराए जाएंगे।

विधायक और थानाध्यक्ष ने पीड़ित का मामला पंद्रह हजार की जगह बीस हजार में दर्ज करने की मांग

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश जौनपुर विधायक का फोन कराना पीड़ित युवक को तब भारी पड़ गया जब थानाध्यक्ष ने पैरवी कर रहे विधायक के फोन से नाराज होकर पीड़ित व्यक्ति को यह कह दिया कि अब तुम्हारा मुकदमा पंद्रह हजार में नहीं बल्कि बीस हजार में दर्ज किया जाएगा। वहीं पीड़ित युवक का आरोप लगाया हुआ वीडियो खूब जमकर वायरल हो रहा है। यह वायरल वीडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बीते 03 अक्टूबर को कोचारी गांव निवासी राधेश्याम मौर्या व राजेंद्र मौर्या के बीच जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई थी। जिसमें राजेंद्र मौर्य की तहरीर पर सुरेरी पुलिस ने बीते 03 अक्टूबर को अपराध संख्या 111 में तीन अभियुक्तों के खिलाफ 308 323 504 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया। वहीं इसकी जानकारी होने पर विपक्षी राजेंद्र कुमार मौर्य भी अपनी मुकदमा दर्ज कराने की जुगत में लग गए।

पीड़ित के आरोप लगे हुए वायरल वीडियो के अनुसार किसी दलाल के माध्यम से पंद्रह हजार में मुकदमा दर्ज करने की बात तय हुई, लेकिन इसी बीच मडियाहूं विधायक का फोन थानाध्यक्ष सुरेरी के पास पहुंचा जिसके बाद थानाध्यक्ष पीड़ित पर अपशब्दों का प्रयोग करते हुए यह कह दिये कि अब तुम्हारा मुकदमा पंद्रह हजार में नहीं बल्कि बीस हजार में दर्ज होगा। जिसके बाद पीडिति ने बीस हजार देकर बीते 08 अक्टूबर को अपराध संख्या 113 में अपने विपक्षी दो लोगों पर 323 504 और 506 का मुकदमा पंजीकृत कराया।

वहीं पीड़ित युवक का आरोप लगाते हुए वीडियो जमकर खूब वायरल हो रहा है कि विधायक से फोन कराने के बाद थानाध्यक्ष द्वारा मुझ पर पांच हजार का और अर्थदंड लगा दिया गया। वहीं वायरल वीडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संदर्भ में मडियाहूं विधायक डॉ आर के पटेल ने बताया कि वायरल वीडियो मेरे संज्ञान में आया हुआ है जिसकी जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भैया दूज पर बहनों ने भाइयों के सुख-समृद्धि व दीघार्यु की मंगल कामना की

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश जौनपुर में भैया दूज पर बहनों में खास उत्साह देखने को मिला। प्रातः से ही अपने निजी वाहनों व प्राइवेट वाहनों से प्यारे भाई को दौज खिलाने के लिए निकली बहनों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। महिलाओं ने घरों में चौक सजाकर यम द्वितीया की कहानी सुनाते हुए भाइयों की सुख समृद्धि, दीघार्यु की मंगल कामना की इसके बदले में भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार एवं रुपये भेंटकर मंगलमय जीवन का शुभाशीष लिया।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भाई दूज के दिन अगर भाई यमुना नदी में स्नान करते हैं, तो उन्हें यमराज के प्रकोप से मुक्ति भी मिलती है। वहीं पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस दिन भाई यमराज ने अपनी बहन यमुना को वरदान दिया था, जिसके बाद से कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाई दूज मनाया जाने लगा। भैया दूज पर बहनें अपने भाईयों के टीका करने के साथ मिष्टान भी खिलाती हैं। भाईयों के लिए मिष्ठान लेकर जाने के लिए भी शहर की प्रसिद्ध मिठाई की दुकानों पर लाईन लगी रही।

जिले भर में भैया दूज पर भाई और बहनों के स्नोह देखने को मिले। मुंगराबाद, शाहपुर, मडियाहूं, मछली शहर, शाहगंज, केराकत, चंदवक में भी भैया दूज पर उत्साह का माहौल रहा। बहन-भाई के अटूट प्रेम का प्रतीक भैया दूज का पर्व अपार श्रद्धा और अटूट विश्वास के साथ मनाया जा रहा है। शहर के विभिन्न बस स्टैंड, सड़क और चौराहों पर भीड़ है। बुधवार से ही भाई अपनी बहनों को उपहार देने के लिए उनके घर जाने में लगे हैं। गुरुवार सुबह से ही आवागमन के रास्तों पर काफी भीड़ है।

हिमाचल प्रदेश आबकारी विभाग की अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी, 674 पेटी अवैध शराब व 6318 लीटर लाहन बरामद

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश राज्य कर एवं आबकारी विभाग के आयुक्त यूनुस ने आज यहां बताया कि, विभाग द्वारा आदर्श चुनाव संहिता के मद्देनजर अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी है। विभाग द्वारा गठित कार्य बल ने सूचना के आधार पर मण्डी जिला के भांबला चौक में एक बन्द पड़ी दुकान के निरीक्षण के दौरान 53 पेटी व चार बोतल आईएमएफएल (फॉर सेल इन चण्डीगढ़/पंजाब) पाई गई। कार्यबल द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए इस मामले को पुलिस थाना हटली के सुपुर्द कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि कार्यबल ने पिछले तीन दिनों में प्रदेश के मंडी, चम्बा, कुल्लू, सोलन, शिमला, बिलासपुर जिलों एवं पुलिस जिला बद्दी तथा पुलिस जिला नूरपुर में कारवाई करते हुए लगभग 12388.65 लीटर शराब को जब्त किया है।

उन्होंने बताया कि जिला मंडी, चम्बा, कुल्लू, और पुलिस जिला नूरपुर में कार्यबल ने जहां 6318 लीटर लाहन/कच्ची शराब को आबकारी अधिनियम के अंतर्गत जब्त करते हुए नियमानुसार मौके पर नष्ट किया है वहीं शराब की 674 पेटियों को कब्जे में लेकर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

आयुक्त ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के अंतर्गत आदर्श चुनाव संहिता लागू है तथा विभाग की अवैध शराब के विरुद्ध कारवाई जारी है। सभी नोडल प्रभारियों को दोषियों के खिलाफ सख्त कारवाई करने के आदेश जारी किए गए हैं। विभाग ने वाहनों की सघन तलाशी अभियान के अंतर्गत सोने एवं चांदी के आभूषणों की बरामदगी के उपरांत छानबीन कर हि.प्र. जीएसटी अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा चोर रास्तों एवं संदिग्ध परिसरों पर भी की कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर भी उड़नदस्तों द्वारा नाके लगा कर वाहनों का निरीक्षण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सभी जिला नोडल अधिकारियों, जोनल प्रवर्तन/नोडल प्रभारियों को शराब के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि शराब की किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-8062, ई मेल- vse-lection2022@mailhptax सम्पर्क किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में राजस्थान के दो इनामी बदमाश हुए गिफ्तार

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के छापीहेड़ा थाना पुलिस द्वारा राजस्थान के दो इनामी बदमाशों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। आपको बता दें कि, 21 जून 2022 को आरोपी पूरालाल तवर और रमेश तवर निवासी मोर पुरिया पर ग्राम भालता राजस्थान में अपराध क्रमांक 174/22 धारा 384,427,435,34 क्ढउ में कायम हुआ था, जब से दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अवधेश गोस्वामी द्वारा दोनों पर तीन हजार, तीन हजार का इनाम घोषित किया। मुखबिर द्वारा सूचना मिली की दोनों आरोपी भाई दूज मनाने के लिए मध्यप्रदेश सीमा में आ रहे हैं। थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे द्वारा टीम रवाना की, दोनों आरोपी को भोजपुर सेमली गांव के बीच पुलिस ने धर दबोचा पुलिस टीम में प्र. आ. दिलीप कुमार प्र.आ तुलसीराम आ. चंद्रभान आ चंद्रमोहन आ नरेंद्र, आ राजेंद्र शर्मा, आ देवेंद्र मंडलोई, आ पंकज शर्मा आ कमल आरोपियों को पकड़ने में योगदान रहा।

एलोन मस्क ने ट्विटर खरीदते ही CEO पराग अग्रवाल को किया बाहर, गुमराह करने का लगाया आरोप

एनसीआर समाचार

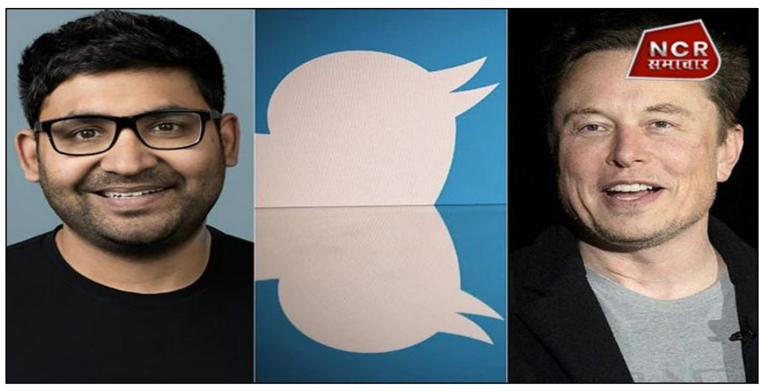

एलोन मस्क ने बीते गुरुवार को ट्विटर को पूरी तरह से अपना बना लिया और ट्विटर के नए मालिक बनते ही मस्क ने उन सभी बड़े अधिकारियों को ट्विटर की कम्पनी से बाहर किया, जिन पर काफी समय से उन्हें गुमराह करने का आरोप था।

मस्क के नए मालिक बनते ही ट्विटर में काफी बदलाव आया और ये बदलाव ट्विटर के लिए काम करने वाले स्टाफ को लेकर ज्यादा रहा, क्योंकि ट्विटर के उएड पराग अग्रवाल समेत कई बड़े अधिकारियों को बाहर किया गया है जो इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रहा है।

टेस्ला उएड ने कहा, वह ट्विटर पर स्पैम बॉट्स को "हराना" चाहते हैं, एक एल्गोरिदम बनाना चाहते हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि सामग्री को सार्वजनिक रूप से अपने उपयोगकताओं के लिए कैसे पेश करें और साथ ही किसी भी बड़े प्लेटफॉर्म को नफरत और विभाजन का कक्ष बनने से रोकता है।

लेकिन फिर भी आपको बता दें कि मस्क ने इस बारे में अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। ट्विटर को खरीदते ही मस्क ने एक ट्वीट किया जिसमे लिखा था- "ळीँ इ१ किर ऋ्ीि"

मस्क ने ट्विटर के संचालन को लेकर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है और न ही कोई आदेश ही जारी किया है।

मस्क ने बस इतना ही कहा कि, उनकी योजना ट्विटर के लिए काम करने वाले 50 प्रतिशत स्टाफ्स को हटाने की है। मस्क की इस बात को लेकर ट्विटर के लगभग 7,500 स्टाफ्स अब अपने भविष्य को लेकर काफी चिंता में है। मस्क ने बताया कि, उन्होंने पैसा कमाने के लिए ट्विटर नहीं खरीदा, बल्कि "मानवता की मदद करने की कोशिश करने के लिए ट्विटर को खरीदा है, जिसे मैं प्यार करता हूं।"

इस मामले के जानकर लोगों के मुताबिक, एलोन मस्क ने ट्विटर के उएड पराग अग्रवाल, मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सहगल और कानूनी मामलों और नीति प्रमुख विजया गड्डे को तत्काल ही कम्पनी से बाहर कर दिया है। उन सभी पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खातों की संख्या को लेकर उन्हें और ट्विटर निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया गया है।

गंगानगर में लोगों के घर-घर जा जाकर नारियल और अगरबत्ती का वितरण किया गया

एनसीआर समाचार

झारखण्ड रांची में आस्था का महापर्व छठ पूजा के उपलक्ष्य में गरीब महिला स्वयं सेवा संघ संस्था के माध्यम से करम चौक और गंगानगर में लोगों के घर-घर जा जाकर नारियल और अगरबत्ती का वितरण किया गया 251 नारियल औरों 251 अगरबत्ती का वितरण छठ व्रतियों के बीच में किया गया जिसमें मुख्य रुप से संस्था के अध्यक्ष उपेंद्र कुमार, रेनू सिंह, पूजा प्रजापति, निधि पटेल, दुलारी देवी, प्रिया सिन्हा, नवनीत पांडे, रामवता देवी, श्याम सिंह, पंकज सिंह, (लल्लन सिंह) मुकेश कुमार सिंह, आशीष मिश्रा, दीपशिखा पासवान, साहिल मंडल, पंकज कुमार इत्यादि लोग शामिल थे।

2022 में कब है गोवर्धन पूजा का शुभ मुहूर्त, क्या है पूजा की सही विधि

एनसीआर समाचार

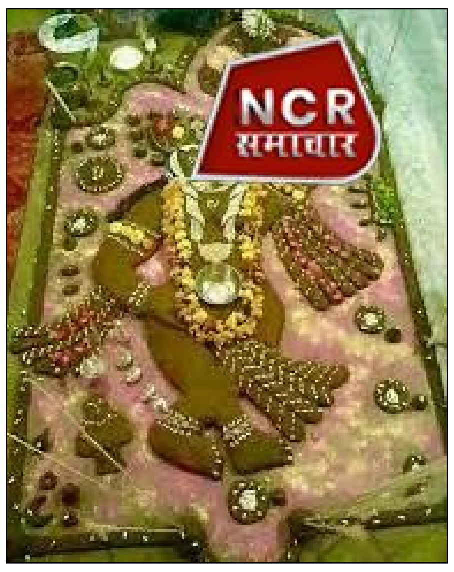

गोवर्धन पूजा का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व होता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या के दिन दीपावली मनाई जाती है। दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। इस त्योहार को लोग अलग -अलग तरीके से मनाते है। हमेशा गोवेर्धन पूजा दीपावली के अगले दिन की जाती है। आपको बता दें कि, 2022 कि गोवर्धन पूजा दीपवाली के तीसरे दिन मनाई जाएगी, क्योंकि इस साल 25 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण लग रहा है।

इस साल गोवर्धन पूजा 26 अक्टूबर को मनाई जाएगी, क्योंकि सूर्य ग्रहण लगने की वजह से दीपवाली की सुबह न मनाके बल्कि उसके तीसरे दिन मनाई जाएगी, क्योंकि सूर्य ग्रहण सूतक काल का होता है। इस समय हम कोई शुभ काम नहीं कर सकते, कोई पूजा नहीं कर सकते। गोवर्धन बाबा की पूजा करने के लिए लोग अपने हाथों से गोवर्धन बाबा की मूर्ति बनाते है और उसकी पूजा करते है।

गोवर्धन पूजा मुहूर्त
बुधवार, 26 अक्टूबर 2022
प्रात काल मुहूर्त- 06:29 से 08:43 बजे तक
द्यूत क्रीड़ा बुधवार, 26 अक्टूबर, 2022

प्रतिपदा तिथि प्रारम्भ - 25 अक्टूबर, 2022 सायं 04:18 से
प्रतिपदा तिथि समाप्त - 26 अक्टूबर, 2022 को अपराह्न 02:42 बजे तक

कब होगी छठ महापर्व की शुरूआत, क्या है सही नियम और पूजा करने का तरीका

एनसीआर समाचार

छठ सिर्फ एक त्यौहार नहीं है ये भावना है सभी बिहारियों की, ये आस्था है, धर्म है और जीवन भी। इस साल छठ महापर्व की शुरूआत 28 अक्तूबर से हो रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सिर्फ बिहार के लोग ही नहीं बल्कि जिनकी भी भगवन से कोई कामना हो या कोई कामना पूरी हो गयी हो वे सभी छठ का व्रत करते है।

आपको बता दें कि छठ महापर्व की शुरूआत 28 अक्तूबर को नहाय खाय से हो रही है। इसके बाद 29 अक्तूबर को खरना, 30 अक्तूबर को संध्या अर्घ (डूबते सूर्य को) और 31 को सुबह का अर्घ (उगते सूर्य को) दिया जाएगा। इस पर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखती है और नदी में घंटों खड़े रहकर सूर्य देव की पूजा अर्चना करती है, उनसे अपने पति, पुत्र व परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य और जीवन की कामना करती है।

पहला दिन- नहाय खाय

छठ महापर्व की शुरूआत नहाय खाय से होती है। सबसे पहले पूरे घर की अच्छे से साफ सफाई की जाती है, इसके बाद व्रती स्नान/ गंगा स्नान के बाद मिटटी के चूल्हे पर घीया चने की सब्जी और चावल पकती है। वही खुद भी खातीं है और प्रसाद के रूप में भी बांटती है। नियम के तौर पर इस दिन से छठ की शुरूआत हो जाती है।

दूसरा दिन- खरना

दूसरे दिन की शुरूआत से ही व्रती अन्न जल त्याग देती है। सुबह से शाम तक वो निर्जला उपवास में रहतीं है फिर शाम को खीर और रोटी पकती है जिसका भोग लगाया जाता है। इसके बाद बंद कमरे में बिना किसी आवाज के व्रती उसी प्रसाद का सेवन करती है, फिर भोग चढ़ाए हुए प्रसाद को सभी में वितरित किया जाता है।

तीसरा दिन- संध्या अर्घ

इस पर्व के तीसरे दिन को डूबते सूर्य को अर्घ दिया जाता है। इस दौरान सूप और डाला सजाया जाता है, जिसमें मौसम के सभी फल, ठेकुआ, मूली, हल्दी आदि चीजें डाली जाती है। करीबन 2 से 3 घंटे तक व्रती पानी में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ देती है। और फिर सभी सारा सामन उठाकर घर को लौट आते है।

चौथा दिन- सुबह का अर्घ

पर्व के आखिरी दिन की तड़के सुबह व्रती पानी में खड़ी हो जाती है। इस दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ देकर व्रत की समाप्ति की जाती है। उसके बाद सभी व्रतधारी शर्बत से अपना व्रत खोलते है और प्रसाद वितरण कर व्रत को सम्पूर्ण करते है।

नगर परिषद् राणापुर में आज गुरुवार को अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद भार ग्रहण समारोह मनाया गया

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश नगर परिषद् राणापुर में आज गुरुवार को अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद भार ग्रहण समारोह मनाया गया, नगर परिषद् राणापुर द्वारा धार्मिक रीति रिवाज और पूजन के बाद भगवान के आशीर्वाद से अध्यक्ष पद पर दीप माला नलवाया और उपाध्यक्ष पद पर प्रियंका आशीष सोनी ने सपथ अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद भार ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भी सामिल रहे। सांसद गुमान सिंह डामोर, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक, जिला उपाध्यक्ष राजू भाई, उपाध्याय पूर्व ज़िला अध्यक्ष दौलत भावसार भाई, भानु भूरिया, और सभी पार्षद गण और सभी भारतीय जनता पार्टी युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राणापुर की जनता और वरिष्ठ नागरिक गण सामिल रहे नव निर्वाचित अध्यक्ष दीप माला नलवाया ने नगर को मिनी इन्दौर बनाने का संकल्प लिया और नगर को आदर्श नगरपालिका बनाने और नगर के सौंदर्यकरण राणा सागर तालाब पेय जल संसाधन सुधार पर ज्यादा ध्यान देकर नगर और नगर की जनता के हित के सारे कार्य भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में पूर्ण करने का संकल्प लिया ज़िला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक ने सभी नव निर्वाचित अध्यक्ष उपाध्यक्ष और पार्षद गण और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं से अनुरोध किया की राणापुर की जनता ने हमे निर्विरोध चुना हे तो जनता के हित में काम करे नही तो यही जनता हमे 5साल बाद रोड़ पर भी ला सकती है।

सांसद गुमान सिंह डामोर ने सभी नव निर्वाचित हुए पार्षद अध्यक्ष उपाध्यक्ष को बधाई दी और नगर को भारतीय जनता पार्टी और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और कार्य सेली को देखते हुवे राणापुर नगर को आदर्श नगर परिषद् बनाने में अपना पूर्ण योगदान देने का आग्रह भी किया। राणापुर नगर परिषद् उपाध्यक्ष प्रियंका आशीष सोनी ने निर्विरोध जीत और दीपावली नव वर्ष की सभी महानुभाव को हार्दिक बधाई शुभकामनाए दी और नगर परिषद् राणापुर पद भार ग्रहण समारोह पर आए हुवे सभी अतिथि महानुभाव नेता और नगर की जनता और मीडिया का आभार व्यक्त किया, जिसके बाद कार्य कर्म स्थगित कर प्रतीभोज कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे सभी अतिथि महानुभव और नगरीय जनता नेताओ ने साथ मिल कर भोजन ग्रहण किया और एक दूसरे को बधाई शुभकामनाए दी।

हिन्दू धर्म में क्यों है भाई दूज का विशेष महत्व, जाने भाई को टीका करने के पीछे की कथा

एनसीआर समाचार

हिन्दू धर्म में भाई दूज का पर्व कार्तिक माह में मनाया जाता है। यह पर्व भी रक्षाबंधन की तरह सभी भाई बहनों के लिए खास होता है। इस पर्व को भैया दूज, भाई टीका भी कहा जाता है। भाई दूज के दिन भाई को तिलक लगाना सबसे जरूरी होता है।

इस दिन बहन भाई को तिलक लगाती है और अपने भाई की लम्बी उम्र के लिए प्रार्थना करती है। ये प्रथा बहुत पुरानी है। माना जाता है कि, इस दिन विधि विधान से पूजा की जाये तो भाई - बहनों की अकाल मृत्यु नहीं होती। इस दिन भाई को तिलक लगाने से उनकी लंबी उम्र और सुख समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

इस वर्ष भाई दूज का त्योहार कार्तिक माह के तिथि 26 अक्टूबर को मनाया जाएगा और इसकी

समाप्ति 27 अक्टूबर को होगी। इस दिन यम अपनी बहन के घर खाना खाने गए थे। इसी तरह सभी भाइयो को अपनी शादी शुदा बहनों के घर जाना चाहिए, ताकि वो अपने भाइयों को तिलक लगा सके। कुवांरी लड़कियां तो अपने घर में ही अपने भाइयों को तिलक लगा लेती है। पूजा करते समय सबसे पहले गणेश भगवान की पूजा करें। वहीं पर तिलक लगाने की थाली तैयार कर ले। उस थाली में तिलक करने का सामान, प्रसाद व गोला रखें। उसके बाद भाई को तिलक करें और रखा हुआ गोला भाई को दे। फिर उनका मनपसंद भोजन कराये।

पटना रेलवे जंक्शन पर टीटी एवं रेलवे कर्मचारियों द्वारा ट्रेन यात्रियों से पैसा वसूली करने का आरोप

एनसीआर समाचार

बिहार के पटना रेलवे स्टेशन पर टी.टी एवं रेलवे कर्मचारियों द्वारा लोगों से वसूली करते हुए और पैसा ना देने पर मारपीट कर रेलवे न्यायालय न्यायिक दंडाधिकारी पटना जेल में बंद कर रहे हैं और उस जेल में भी लोगों से सात सात सौ रुपया लेकर छोड़ा जा रहा है। एवं गरीब मजदूर को भी प्रतारीत कर रहे हैं और गरीब मजदूर जब पैसा ना देने की बात कहें कि मैं गरीब हूं तो उसके साथ मारपीट किया जा रहा है साथ ही बोला जा रहा है कि आप को जेल भेज दिया जाएगा नहीं तो ?700 दीजिए और आप यहां से जाइए लेकिन ताज्जुब की बात तो यह है कि लोगों से पैसा वसूला जा रहा है लेकिन कोई भी नहीं चालान दिया जा रहा है।

वहीं लोगों को भगाया जा रहा है उन लोगों ने जब बोला कि मैं पैसा दिया हूं तो हमें चलान काट कर दिया जाए नहीं तो हम पैसा नहीं देगें तो उसके साथ मारपीट और गाली गलौज कर भगाया जा रहा है हमें रेलवे से विनती है कि कृपया कर ऐसा ना करें और जब लोगों से पैसा ले रहे हैं तो उसे चालान दें और गरीब मजदूरों को प्रताड़ित ना करें उसका दर्द समझते हुए उस समस्या को सुलझाने का काम करें और कुछ ऐसे भी गरीब मजदूर यात्रा करते हैं जो रोड पर कचरा बिनने चुनने का काम करते हैं और अपना पेट पालते हैं वैसे वैसे लोगों पर कम से कम रहम किया जाए और रेलवे कर्मचारी एवं टीटी से हाथ जोड़कर विनती है कि आप लोग सही कामों को करें ताकि कोई भी रेल यात्रियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

दीपावली पर घर में इस्तेमाल होने वाली इन चीजों से भी बना सकते है रंगोली

एनसीआर समाचार

दीपों के उत्स्व पर घर को हर प्रकार से सजाने की परम्परा सी चली आ रही है। दीपावली एक मात्र ऐसा त्यौहार है जिसमे घरों को रौशन किया जाता है घी के दीपक से। दीपावली मनाने के पीछे भी अपना ही एक कारण है, एक कथा है जो अयोध्या के राजा और दशरथ नंदन रामचंद्र से जुडी हुई है।

इस त्यौहार से कुछ समय पहले ही घर और दफ्तर को फूल मालाएं, लाईट, गुब्बारे और रंगों के मिश्रण से रंगोली बनाकर सजाया जाता है। बाजारों में कई दिनों पहले से ही खूब रौनक देखने को मिलती है। डिजाइनर लाइट की लड़ियों से बाजारों में लगी दुकानों की रौनक खूब होती है।

दीपावली पर घरों और दफ्तरों में रंगोली बनाने का रिवाज है। ऐसे में दुकानों पर अलग अलग शेप की बोतलों में रंग भर कर बेचें जाते है जिससे रंगोली की डिजाइन बनाने में लोगों को आसानी हो, लेकिन क्या आपको पता है कि घर में उपयोग होने वाले रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की मदद से भी रंगोली बनाई जा सकती है।

दीपावली पर चावल के आटे से रंगोली

दीपावली के दिन चावल के आटे से भी बेहतरीन रंगोली बनाई जा सकती हैं। इसके लिए आप घर में उपलब्ध चीजों का इस्तेमाल रंग के रूप में कर सकते

हैं। इसके लिए गुलाबी रंग के गुलाब और लाल गुलाब की पंखुड़ियों को अलग-अलग पीसकर, फिर चावल के आटे में मिलाकर लाल और गुलाबी रंग तैयार कर सकते है। वहीं चावल के आटे में हल्दी मिलाकर पीला रंग तैयार किया जा सकता है। इसके बाद अपने पसंद की रंगोली डिजाइन बनाकर इसमें रंग भरें।

गेंदे के फूल और पत्तियों से भी बना सकते हैं रंगोली

रंगोली बनाने के लिए गेंदे व अन्य फूलों का भी उपयोग किया जा सकता है। गेंदे फूल की पत्तियों को किसी भी आकर में सजाकर रंगोली बनाई जा सकती है, साथ ही उसमे अन्य फूलों की पत्तियों जैसे गुलाब आदि का उपयोग कर सकते है।

हरदोई अधिवक्ता हरीशचंद्र गुप्ता के पुत्र राहुल गुप्ता की हत्या

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश हरदोई कोतवाली शहर क्षेत्र के आलू थोक निवासी अधिवक्ता हरीश चंद्र गुप्ता के पुत्र राहुल गुप्ता का रक्तरंजित शव बावन रोड पर ठीक-ठाक रेस्टोरेंट के निकट नाले के समीप पड़ा मिला

सूत्रों के अनुसार राहुल गुप्ता अपने चचेरे भाई के साथ देर रात कही घूमने गया था जिनका शव सुबह लोगों ने देखा जिसकी सूचना पुलिस को दी गई राहुल गुप्ता के पिता अधिवक्ता हरीश चंद्र गुप्ता पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश अग्रवाल के करीबी लोगों में से है राहुल गुप्ता की हत्या की खबर लगते ही शहर में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे हरदोई पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई है हत्यारों को जल्द ही पकड़ने का कार्य जारी।

संपादकीय

'मुद्रा' का कोई धर्म नहीं

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अर्द्धराज्य दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय मुद्रा पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश के चित्र छापने की जो मांग की है, वह असंवैधानिक, हास्यास्पद और बचकानी है। यदि मुद्राओं पर देवी-देवताओं के चित्र छापने से अर्थव्यवस्था में सुधार होता, तो विश्व में आर्थिक संकट, गरीबी, कुपोषण और भुखमरी जैसी समस्याएं ही नहीं होतीं। सभी 195 देशों के अपने-अपने आराध्य हैं और उनकी आस्थाएं हैं, लेकिन 100 से अधिक देश अविकसित और दरिद्र हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और सरकारें उनकी मदद करती रही हैं, लिहाजा उनके अस्तित्व बरकरार हैं। अमरीका दुनिया का सबसे ताकतवर और प्रथम आर्थिक संसाधनों वाला देश है। उसकी सर्वशक्तिमान मुद्रा-डॉलर पर देश के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति आदि के चित्र छपे हैं। चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसकी मुद्रा पर देश के संस्थापक, प्रथम राष्ट्रपति रहे माओत्से तुंग का चित्र अंकित है।

जापान की मुद्रा-येन पर देश के संस्थापकों, महान विचारकों और वैज्ञानिकों के चित्र हैं। ब्रिटेन की मुद्रा-पाउंड पर महारानी विक्टोरिया द्वितीय का चित्र छपता था। अब उनके कालजेयी होने के बाद मौजूदा किंग चार्ल्स तृतीय का चित्र छपेगा। मुद्राओं के धार्मिकीकरण की सोच और प्रवृत्ति किसी भी बड़े देश का रिवाज नहीं है। सिर्फ 87 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम और मात्र 1.7 फीसदी हिंदू आबादी वाले इंडोनेशिया को उदाहरण मानकर भारत अपनी मुद्रा का चेहरा तय नहीं कर सकता। यह केजरीवाल का मानसिक दिवालियापन है। इंडोनेशिया में कुछ धर्मों को आधिकारिक मान्यता प्राप्त है, लिहाजा वे अपनी मुद्रा पर गणेश, महादेव और बजरंगबली के चित्र भी छाप सकते हैं। भारत एक संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष देश है, जिसके नीति-निमार्ताओं ने एक ही धर्म विशेष के कैलेंडर तक को मान्यता नहीं दी। यदि माता वैष्णो देवी या स्वर्ण मंदिर अथवा किसी अन्य के संदर्भ में भारतीय नोट और सिक्के तैयार किए गए हैं, तो वे सिर्फ विशेष अवसर पर ही छापे गए थे। यह भारतीय मुद्रा की परंपरा नहीं है कि धर्म के आधार पर वह छापी जाए। यह साझा विशेषाधिकार भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का है। संसद भी इसमें दखल नहीं दे सकती। गौरतलब है कि देश की आजादी के 22 साल बाद 1969 में नोटों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चेहरा छापा गया, क्योंकि वह उनका जन्म शताब्दी वर्ष था। आज के नोटों पर महात्मा गांधी का जो चेहरा अंकित है, उसे 1987 में स्वीकृति दी गई थी। उससे पहले भारतीय नोटों पर 'अशोक स्तंभ' छापा जाता था। यह परंपरा आज भी कुछ मुद्रा के संदर्भ में जारी है। कुछ नोटों और सिक्कों की फोटोस्टेट प्रतियां टीवी चैनलों पर लहराते हुए 'आप' के सांसद और प्रवक्ता जो प्रलाप कर रहे हैं, वह चुनावी कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं है। दरअसल केजरीवाल किसी एक भगवान के भक्त नहीं हैं। वह बजरंगबली के कट्टर भक्त बन जाते हैं। अयोध्या जाकर प्रभु राम के निमार्णाधीन मंदिर में दर्शन करने चले जाते हैं। हालांकि वह राम मंदिर के खिलाफ दुष्प्रचार करते रहे कि उसके स्थान पर अस्पताल बनाया जाना चाहिए था। गुजरात प्रवास के दौरान वह सिर पर टोकरी सी उठाकर सोमनाथ मंदिर में भी गए और भगवान महादेव के दर्शन किए। वह मुस्लिम टोपी धारण कर 'मुसलमान' दिखने में भी परहेज नहीं करते। अच्छा है कि केजरीवाल धार्मिक समभावी दिखने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन उनका बुनियादी इष्टदेव 'वोट' है।

31 अक्टूबर जयन्ती पर विशेष

निर्भीक एवं सच्चे देशभक्त सरदार वल्लभभाई पटेल

-मुकेश तिवारी-

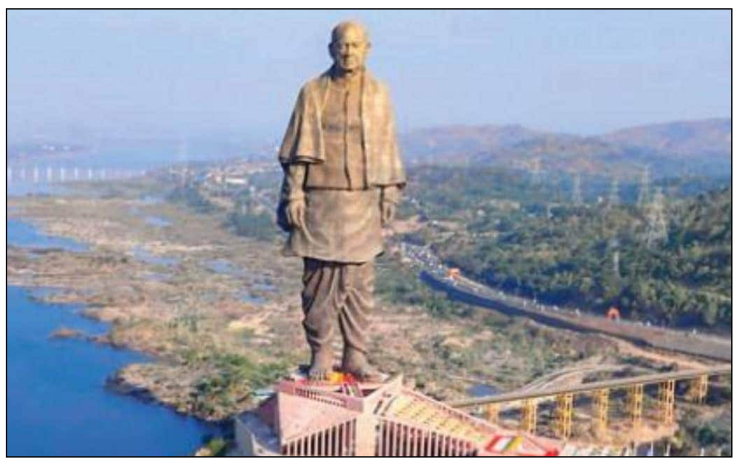

सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अन्य भारतीय नेताओं से भिन्न है। उनमें निहित दूरदर्शिता,भारतीयता के प्रति सच्ची लगन कठिनाईओं से जूझने की शक्ति तथा सहनशीलता,निडरता अपने आप में एक उदाहरण है। यह पटेल की निरंतर चेष्टा का ही परिणाम है कि बिखरे हुए भारत को एक जुटकर एक राष्ट्र के रूप में परिवर्तित कर दिया। वे एक अच्छे वक्ता भी थे। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद गांव में उनकी ननिहाल में हुआ था, उनके पिता का नाम झवेर भाई था वह स्वयं खेती करते थे पटेल की मां का नाम लाडबाई था। झवेर भाई मूलतः वोरसद क्षेत्र के करमसद गांव के रहने वाले थे। इनके छः सन्ताने थी जिनमें पांच पुत्र और एक पुत्री थी।

वल्लभभाई का वाल्यकाल माता पिता के साथ गांव में बीता तथा यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होने नडियाद और बडौदा से पूर्ण की। वल्लभभाई के पिता बडे साहसी,संयमी और देश भक्त पुरूष थे। वे 1857 की क्रांति के दौरान घर वालो को बिना बताए तीन साल तक घर से नदारद रहे। उन्होने उत्तरी भारत का भ्रमण किया। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सहित नाना साहिब घोडोपंत की सेना में विधिवत भर्ती होकर ब्रिटिश सेना से अनेक मर्तवा युद्व किया। वाल्यकाल से ही संयम,साहस,वीरता और देश भक्ति के गुण उन्हें पिता ने प्रदान किए थे। वे बालअवस्था से ही समय के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर वक्त समर्पित रहते थे। राजनीति में प्रवेश करने के पश्चात इन गुणो ने वल्लभ भाई को हिन्दुस्तान के विखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया। वल्लभभाई अपने जीवन में नैतिक गुणों पर ज्यादा बल देते थे कोई भी प्रलोभन उन्हें सहीं मार्ग से विचलित नहीं कर सका। उनकी दृढ निर्णय की प्रवृति ने ही उन्हें लौह पुरूष कहलाने का सम्मान प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया। वल्लभभाई की यह विशेषता थी कि वह प्रत्येक कार्य समय पर करते थे।

वल्लभभाई नैतिकता के पक्षधर थे। पटेल जिस वक्त नाडियाद में तालीम ले रहे थे उसी दौरान उन्होने बिना किसी खौफ के विघालय की अव्यवस्थाओं को लेकर आंदोलन किया यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों को बेचने का कारोबार करता था अतः शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए छात्रो पर दबाव डालते थे। वल्लभभाई को यह बात नागवार लगी,उन्होने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया। अंततः शिक्षकों को झुकना पडा।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व अनुचित बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। अल्प समय के बाद ही एक अन्य शिक्षक से उनका विवाद हो गया,अतः उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। पटेल फिर से नाडियाद आ गए। सच पर कायम रहने और अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बालअवस्था की प्रवृति ही भविष्य में बिखरे हिन्दुस्तान को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्व हुई। वल्लभभाई के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था। वे हमेशा स्वतंत्र भाव का समावेश कभी नहीं था। अपनी कवलियत,कार्यकुशलता,व्यवहार व वाकूचातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था,इन्ही गुणों कि वजह से गोधरा में वकालत करते समय उन्होंने काफी ख्याति अर्जित की। पटेल हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्को से हमेशा प्रभावी बने रहते और हरेक मामले को जीतते थे।

वल्लभभाई जुलाई 1917 में गुजरात क्लब के सचिव चुने गए इन दिनों गांधी जी बिहार के चंपारन जिले में नील की खेती के अग्रेज ठेकेदारों द्वारा शोषित कृषको के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड रहे थे। जिसका देशव्यापी प्रभाव पड रहा था वल्लभभाई के जहन में गांधी जी के प्रति आदर भाव बढा,जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्व हुआ। पटेलजी गुजरात सभा के सदस्य थे। इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधीजी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें अनेक ख्यति प्राप्त नेता शामिल हुए जिसमें सभी नेताओं ने हिन्दी व गुजराती में भाषण दिया। यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया किसी भी नेता ने अग्रेजी में भाषण नहीं दिया। ब्रिटिश ताज के प्रति वफदारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया। अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली बार हुआ था। इस दौरान एक कार्य समिति का गठन किया गया जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही।

इस समिति के गांधीजी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया। इस दौरान देश में होमरूल की स्थापना हो चुकी थी और सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन जोर पकड रहा था। परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को साकार करने का दायित्व वल्लभभाई पर था। वल्लभभाई ने अत्यंत उत्साह से कार्य प्रारंभ किया उन्होने कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया। शुरूआत में कमिश्नर ने ना-नुकुर की लेकिन पटेल ने सात दिन का नोटिस देकर स्पष्ट कर दिया कि यदि समय से उत्तर नही दिया तो वे हाईकोट के फैसले के आधार पर बेगार प्रथा को गैर कानूनी ठहराकर लोगो को बेगार देना बंद करने की सूचना दे देगें इस पर कमिश्नर ने नोटिस की समयसीमा समाप्त होने से पूर्व ही वल्लभभाई को बुलाकर उनकी इच्छा के अनुसार निर्णय दे दिया। उधर गांधी जी को वल्लभभाई की इस सफलता के बारे में जानकारी मिली वे काफी प्रसन्न हुए। इसके पश्चात इनका संपर्क गाधीजी के साथ बढा वे राजनैतिक क्षेत्र में उनके विश्वासपात्र बन गए। घर की माली हालत ठीक न होने की वजह से उन्होने वकालत करनी प्रारंभ कर दी। वकालत के पेशे से तीन वर्ष के अल्पसमय में वल्लभभाई ने इतना धन अर्जित कर लिया था कि वह आसानी से विदेश जाकर वकालत का और अधिक अध्ययनकर सकते थे। अतः उन्होंने 1905 में टामस कुक एंड कंपनी के साथ पत्र-व्यवहार किया तथा विदेश यात्रा के लिए जहाज का प्रबंध किया। इसी बीज टामस कुक एंड कंपनी का पत्र पटेल के बडे भाई विट्ठल को मिल गया। पत्र पढते ही उनके जहन में विदेश जाकर वैरिस्टरी पास करने की इच्छा जागृत हो गयी। उन्होने वल्लभभाई से इच्छा व्यक्त कि मै वैरिस्टरी पास करने के लिए विदेश जाना चाहता हूं मेरे लौटकर आने के पश्चात तुम विदेश चले जाना। यधपि यह बात वल्लभभाई को अच्छी नहीं लगी लेकिन मान-मयार्दा के प्रति समर्पित भाव रखने वाले वल्लभभाई ने छोटा भाई होने के कारण बडे भाई की आज्ञा का पालन किया और उन्हें विदेश जाने दिया। वल्लभभाई में परिस्थितियों को अनुकूल बना लेने की विशेष क्षमता थी। बडे भाई के विदेश से लौटने के पश्चात अगस्त 1910 में वल्लभभाई भी बैरिस्टरी की पढाई करने के लिए विदेश गएं। वहां पहुचकर बैरिस्टरी की पढाई के लिए वे मिडिल टेम्पल में भरती हुए। यहां उन्होने रोमन लॉ की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इतना ही काफी नही। बैरिस्टरी की परीक्षा में भी उन्होने प्रथम स्थान प्राप्त किया उस साल का पुरस्कार वल्लभभाई तथा डेविस के बीच बांटा गया।

पटेल पुस्तकालय में पूरी तन्मयता से तब तक अध्ययन करते रहते जब तक पुस्तकालय बंद नहीं हो जाता था। वल्लभभाई ने अपनी अंतिम परीक्षा जून 1912 में उत्तीर्ण की जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उन्हें 50 पौण्ड का नकद पुरस्कार मिला वल्लभभाई अपने वाक चातुर्य से कर्म क्षेत्र में सदैव ही अपना प्रभाव छोडने में सफल रहे। लौह पुरूष के नाम से विश्व में ख्याति अर्जित करने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल सदैव से ही धैर्यवान व आत्मसंयमी रहे है, बडी से बडी कठिनाई को भी हंसते हुए सहन कर लेना उनके व्यकितत्व का अंग बन गया था। उन्होने प्रत्येक विपरीत परिस्थिति में अपना धैर्य बनाए रखा तथा मजबूती से कर्तव्य पथ पर अडिग रहें। वल्लभभाई की पत्नी झबेर बीमार चल रही थी जिस स्थान पर वे वकालत करते थे वहां स्वास्थ्य लाभ की उचित व्यवस्था न होने पर उन्होने झबेर को मुबई भेज दिया। झबेर बा को अंतडियों का रोग था, अतः डाक्टरों ने जांच के बाद बताया कि आपरेशन करना पडेगा। आपरेशन के लिए झवेर बा को अस्पताल में भरती करवा दिया गया पटेल भी मुबई आ गए लेकिन डॉक्टर ने बताया कि 15-20 दिन तक दवाई आदि से ठीक होने पर ही आगे का उपचार किया जा सकेगा परिजनों से ऑपरेशन के वक्त बुला लेने के लिए कहकर वह एक महत्वपूर्ण मुकदमें की पैरवी के लिए आनंद चले गए।

इसी दौरान डॉक्टरों ने झबेर बा की दवाइयां जारी रखी और उनकी स्थिति में सुधार होते ही उनका आपरेशन कर दिया। ऑपरेशन सफल होने के पश्चात तार से सूचना भेज दी। यह अजीब दुर्योग ही था कि सूचना भेजने के दूसरे दिन ही झबेर बा की हालत अचानक बिगड गई और वे,चल बसी। झवेर बा के निधन का दुखद समाचार तत्काल ही तार द्वारा वल्लभभाई को भेज दिया गया जिस वक्त उन्हें यह दुखद समाचार मिला उस वक्त वे हत्या के मुकदमें की पैरवी कर रहे थे, जोकि अत्यंत संगीन मामला था। वे धर्मसंकट में फस गए कि क्या करे ?एक और हत्या का संगीन मुकदमा जिसमें महत्वपूर्ण गवाह से जिरह की जा रही थी जिसमें कोताही बरतने पर उसे फांसी की सजा भी हो सकती थी। दूसरी ओर जीवन -संगिनी के अंतिम दर्शन का प्रश्न था। ऐसी विषम परिस्थिति में लौह पुरूष ने अपने धैर्य का परिचय देते हुए बहस जारी रखी।

एलन मस्क की चिड़िया आजाद हुई या हाथी उड़ गया

-ऋतुपर्ण दवे-

बचपन में हममें से बहुतों ने चिड़िया उड़ का खेल खूब खेला है। इस चक्कर में चिड़िया भले ही न उड़ी हो लेकिन हाथी को जरूर उड़ा दिया। बड़ा मजेदार खेल था। लगभग इसी तर्ज पर मालिकाना हक बदलते ही ट्वीटर की चिड़िया के पर आसमान को छूने लगे हैं। दुनिया के सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया मंच ट्वीटर को पूरी स्वतंत्रता देने का दंभ भरने वाले ट्वीटर के नए मालिक एलन मस्क का ऐक्शन कितना कामियाब होगा कहना जल्दबाजी होगी। फिलाहाल नए मालिक के आते हजारों नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है वहीं चिड़िया की आजादी की दुहाई बेमानी लगती है। जहां वो इंसानियत की मदद करने की बात कहते हैं वहीं दूसरी ओर ऐसे सार्वजनिक मंच की बात भी करते हैं जो मानव सभ्यता के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हो। उनकी सोच को लेकर भले ही विश्व से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आएं लेकिन भारत में काफी मायूसी जरूर होगी, होनी भी चाहिए। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि वो किस तरह से ट्वीटर के जरिए स्वतंत्रता की रक्षा कर पाते हैं। बहरहाल तमाम पेचीदगियों, कानूनी लड़ाई और बहुत मंहगी डील के बाद अब एलन मस्क बतौर मालिक अपना रौब दिखा रहे हैं।

ट्वीटर अमेरिका में ही पहले से खेमेबाजी में बंटा हुआ है। वहां के दक्षिणपंथी आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी आवाज दबायी जाती रही। सबने देखा कि जनवरी 2021 में जिस तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्प के ट्वीटर एकाउण्ट को हिंसा करने वाले उनके समर्थकों को क्रांतिकारी बताने तथा एक अन्य ट्वीट में बाइडेन के शपथ ग्रहण में नहीं जाने के ट्वीट पर कड़ा फैसला ले पहले लॉक किया फिर स्थायी रूप से बन्द कर दिया। ट्वीटर को लाभ के हिसाब से ट्रम्प बेहद फायदेमन्द थे और करीब 9 करोड़ फॉलोअर भी थे। 14 महीने बाद मई 2022 में एलन मस्क के एक बयान ने सबका ध्यान खींचा जिसमें कहा गया कि वो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट के प्रतिबंध को हटाएंगे। उन्होंने ट्रंप के ट्विटर खाते बैन के फैसला नैतिक रूप से गलत बताया था। लेकिन जैसे ही मस्क के ट्वीटर को टेकओवर करने की बातें उजागर हुईं तो ट्रम्प की बधाई और उनके एकाउणाट को रिस्टोर करने के बयान ने भविष्य का रास्ता दिखाने का काम किया जिसमें साफ किया गया कि जो बातें हो रही हैं वो फर्जी है तथा डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से एलन मस्क के ट्विटर को टेकओवर करने को लेकर कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है। फैलाया जा रहा बयान फर्जी है।

27 अक्टूबर की जैसे ही ट्वीटर खरीदी समझौता पूरा होते ही एलन मस्क ने सबसे पहले इसके भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल को बाहर कर दिया जो कि अभी साल भर भी कंपनी में नहीं रह पाए थे। वो बीते साल नवंबर में आए थे। सुना तो यहां तक जा रहा है कि ट्विटर के चीफ फाइनेंसियल नेड सीगल और भारतीय मूल के जनरल काउंसल विजया गाड़े को भी बर्खास्त कर दिया है। इसके पीछे चंद महीनों चली कानूनी जंग और मुकदमे बाजी भी है क्योंकि एलन मस्क जून में ट्वीटर पर स्पैम बॉट्स और फर्जी खातों की जानकारी छिपाने और विलय समझौते का उल्लंघन करने के गंभीर आरोप लगा डील से बाहर हो गए थे।

पूरा माजरा जानने के लिए ट्वीटर सौदे की प्रक्रिया को थोड़ा जानना होगा। इसी साल 4 अप्रेल को मस्क ने कहा था कि उनके पास ट्वीटर के 9 प्रतिशत शेयर हैं इसलिए वो सबसे बड़े शेयर होल्डर हैं। जब ट्वीटर ने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में शामिल होने का न्यौता दिया गया तो उन्होंने 9 अप्रेल को ठुकरा दिया। 13 अप्रेल को मस्क ने ट्वीटर के 54.2 प्रति शेयर खरीदने का पहला और अंतिम न्यौता दिया जो करीब 40 बिलियन डॉलर था। ट्वीटर इसे मान गया। लेकिन 13 मई को एलन मस्क ने डील यह कह रोक दी कि ट्वीटर में बहुत से फर्जी एकाउण्ट्स हैं और रोबोट्स भी फर्जी एकाउण्ट्स चलाते हैं। यह पूरी जानकारी उन्हें डील फाइनल होने से पहले दी जाए। जानकारी पराग अग्रवाल ने ट्वीटर पर ही एक लंबा थ्रेड जारी कर प्रदान करता हुए देते हुए सफाई भी दी कि फर्जी खातों को कम करने की दिशा में काम जारी है। पराग के जवाब का उन्होंने एक इमोजी के साथ मजाक उड़ाया और 8 जुलाई को जवाब दिया कि वो आगे इस डील को पूरी नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें गलत व आधी-अधूरी जानकारी देकर गुमराह किया गया है। दोनों के मतभेदों की बातें कई बार सार्वजनिक हुईं। ट्वीटर पर ही कई तरह के तर्क-वितर्क और आपसी नोंकझोंक भी सामने आईं जो ट्वीटर पर ही खूब ट्रोल भी हुईं। तभी से यह लगने लगा था कि आते ही वो सबसे पहले पराग को ही बाहर का रास्ता दिखाएंगे जो कर दिया। 12 जुलाई को ट्वीटर ने अमेरिका के डेलावेयर कोर्ट में डील तोड़ने का मुकदमा दायर कर दिया था। इसके जवाब ने एलन मस्क ने 29 जुलाई 2022 को एक प्रतिदावा प्रस्तुत किया जिसमें ट्वीटर पर गलत जानकारी देने के तमाम प्रमाण प्रस्तुत किए। इसी बीच 13 सितंबर को 40 बिलियन की डील को शेयर होल्डर्स ने स्वीकरा जिसके बाद 3 अक्टूबर को मस्क ने पुरानी बातों को दरकिनार ट्वीटर खरीदने की बात साफ की और कोर्ट ने भी मान लिया। 26 अक्टूबर को हाथ में 'सिंक' लेकर ट्विटर के मुख्यालय पहुंचे थे जिसका वीडियो भी जारी किया और अपना ट्विटर-बायो भी बदल कर चीफ ट्वीट कर लिया। इस तरह 27 अक्टूबर को 44 बिलियन डॉलर का यह सौदा पूरा होते ही ट्वीटर की चिड़िया अपने नए मालिक एलन मस्क के हाथों में पहुंच गई।

अब विश्व पटल पर इस सबसे सशक्त सोशल मीडिया माध्यम को लेकर तमाम सवाल उठ रहे हैं जो वाजिब भी हैं। ट्वीटर में आगे किस-किस तरह के और कितने बदलाव होंगे? इस बारे में मस्क की एक चिट्ठी बेहद महत्वपूर्ण है जो उन्होंने अपने सारे विज्ञापन दाताओं और प्रदाताओं को लिख एक तरह से अपनी रणनीति, भूमिका व भविष्य का इशारा भी कर दिया। इसमें कहा गया है कि उनका वाद-विवाद का एक सामान्य टाउन स्क्वायर बनाने की उनकी मंशा है ताकि वाम व दक्षिण की जो धड़ेबाजी दिखती है जो नफरत फैला, लोगों को बांटने का काम करती है रोकेंगे ताकि किसी ध्रुवीकरण का हथियार ट्वीटर न बने। ट्वीटर को न्यूट्रल यानी गुटनिरपेक्ष माध्यम बनाएंगे। मस्क का साफ तौर कहना कि सोशल मीडिया से नफरत और बंटवारे का एक बड़ा खतरा होता जिसे वो बदलेंगे। उन्होंने दूसरे पारंपरिक सोशल मीडिया मंच पर भी उंगली उठाते हुए कहा कि यहां पर किसी एक पक्ष को ही महत्व मिलता है लेकिन वो ट्वीटर के साथ ऐसा नहीं करेंगे और पूरी तरह से निष्पक्ष रखेंगे। वो एक स्वस्थ व निष्पक्ष संवाद के पक्षधर हां जो अब सोशल मीडिया पर कम हो गया है। ट्वीटर को खरीदने का अहम मकसद बताते हुए एलन मस्क यह बड़ी बात भी कहते हैं कि वो मानवता से बेहद प्यार करते हैं और इसे मदद करना चाहते हैं इसलिए ट्वीटर को लिया है। ट्वीटर पर नफरती बातों और जहर उगलने की हरकतों को बिल्कुल नहीं होने दिया जाएगा। दूसरी तरफ कहते हैं कि ट्वीटर पूरी तरह से आजाद नहीं होगा प्रतिबंधों के साथ चलेगा ताकि गलत अफवाहों का फैलाव न कर गर्मजोशी से भरा हो और सबका स्वागत करे।

एलेन मॉस्क की आदर्श सोच के बाद उन पर ही सवालिया निशान उठने स्वाभाविक है कि वो किस तरह से सबके लिए स्वतंत्र होने के बाद जांच और प्रतिबंध लगा पाएंगे? अफवाहों व झूठी खबरों पर कैसे काबू पाएंगे? एलन मस्क की कार्यप्रणाली या भविष्य के संकेतों से संदेह लाजिमी है। अब आगे ट्वीटर की चिड़िया कितनी आजाद होगी और वो खुले आसमान की कितनी ऊंचाइयों को छू पाएगी यह तो नहीं मालूम अगर मालूम है। हां मस्क के आते ही उन्होंने भारत सहित तमाम को बाहर का रास्ता दिखाकर भारत सहित दुनिया भर में एक नई बहस को जन्म जरूर दे दिया है। बस थोड़े इंतजार के बाद ही पता चल पाएगा कि न-न करते एलन मस्क की चिड़िया आजाद हुई या हाथी उड़ गया?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

ऋषि सुनक के सामने चुनौतियां

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

भारतीय मूल के ऋषि बिना किसी मुकाबले के अंततः इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बन गए। इसे भी संयोग ही कहा जा सकता है कि उनकी पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय दिवाली के दिन किया। ऋषि का परिवार जिला गुजरांवाला से ताल्लुक रखता है, जिसे इंग्लैंड के शासक हिंदुस्तान छोड? से पहले पाकिस्तान का नाम देकर अलग देश बना गए थे। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति पर मित्र राष्ट्रों ने, जिसमें उस समय इंग्लैंड प्रमुख भूमिका मे था, कुछ देशों को विभाजित कर दिया था, जिसमें जर्मनी और कोरिया प्रमुख देश थे। लेकिन उनके विभाजन के कारण युद्ध से ताल्लुक रखते थे। इसी प्रकार इंग्लैंड ने भारत में से अपना बोरिया बिस्तर समेटते समय भारत को भी विभाजित कर दिया था। विभाजन के बाद और उसके पहले अनेक लोग विभिन्न स्थानों को प्रवास कर गए थे। पंजाब के इस खत्री परिवार का भी यही किस्सा था। यह परिवार विभाजन से पहले ही केन्या चला गया था, जहां पहले ही बड़ी संख्या में भारतीय बसे हुए थे। केन्या से ही यह परिवार इंग्लैंड जाकर बस गया। अवसरों की तलाश में स्थान -स्थान पर घूमते हुए यह परिवार अपनी जड़ों से जुड़ा रहा।

ऋषि के पिता ने इंग्लैंड में एक मंदिर का निर्माण करवाया। ऋषि की शादी प्रसिद्ध उद्योगपति नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति से हुई। अक्षता हुबली की हैं। लेकिन ऋषि इंग्लैंड की राजनीति में इतनी तेजी से उभरेंगे, ऐसी शायद किसी को आशा नहीं थी। ऋषि कंज?वेटिव पार्टी के सांसद हैं, जबकि इंग्लैंड में बसे ज्यादा भारतीय वहा लेबर पार्टी का समर्थन करते हैं। इंग्लैंड पिछले कुछ अरसे से आर्थिक क्षेत्र में भयानक मंदी से जूझ रहा है। यूरोपीय संघ से बाहर निकल आने के बाद, कोरोना की मार झेलते-झेलते लंदन की हालत पतली हो गई। महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई। पौंड लुढकने लगा। सरकारी वित्तीय संस्थाओं की हालत बिगड? लगी। आर्थिक क्षेत्र में आए इस चक्रावात ने देश के दो-दो प्रधानमंत्रियों की बली ले ली। बेचारी लिज ट्रस तो 44 दिन में ही हथियार डाल कर इस्तीफा दे गईं। कंज?वेटिव पार्टी के सदस्यों ने कुछ दिन पहले ही ऋषि के मुकाबले लिज ट्रस को प्रधानमंत्री चुना था। परंतु उसके गद्दी संभालने पर वित्तीय स्थिति और बिगड़ गई। उसने जल्दी ही हथियार डाल दिए और इस बार कंज?वेटिव पार्टी ने ही 42 वर्षीय ऋषि के आगे हथियार डाल दिए। जब ऋषि ने घोषणा की कि वे इंग्लैंड के प्रधानमंत्री के उम्मीदवार हैं, तो पार्टी के भीतर किसी में भी उतना साहस नहीं था कि वे ऋषि को चुनौती दे सकें। पुराने प्रधानमंत्री बोरिस जोहनसन ने शुरू में तो कहा कि वे भी मुकाबले में हैं लेकिन हालत की नजाकत को भांपते हुए वे जल्दी ही पल्ला झाड़ गए। पैनी मोरडेंट ने कुछ देर हाथ पैर मारे लेकिन वह भी जल्दी समझ गई कि लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है कि यदि कोई इंग्लैंड को आर्थिक मंदी के दलदल से बाहर निकाल सकता है या फिर उसके लिए ईमानदारी से प्रयास कर सकता है तो वह ऋषि ही है। 1947 में जब अंग्रेज भारत छोड़ कर जा रहे थे, तो लंदन में लेबर पार्टी ने सरकार बनाई थी। कंज?वेटिव पार्टी के मुखिया चर्चिल ने व्यंग्य करते हुए कहा था कि भारतीय इतने योग्य नहीं हैं कि वे अपना देश संभाल सकें। इसे इतिहास का व्यंग्य ही कहा जाएगा कि आज 2022 में वही कंज?वेटिव पार्टी कह रही है कि यदि इंग्लैंड को वर्तमान संकट में से कोई उभार सकता है तो वह भारतीय मूल का ऋषि सुनक ही है। लेकिन गोरी चमड़ी के देशों की दृष्टि में एक भारतीय मूल का 'पर्सन ऑफ कलर' इंग्लैंड का प्रधानमंत्री बन गया है। केवल इतना ही नहीं एक 'हिंदू' इंग्लैंड का प्रधानमंत्री बन गया। पुरानी अखबारों की कतरनें तलाशी जा रही हैं। ऋषि ने सांसद बनने पर भगवद्गीता की सौगंध खाई थी।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

सोशल मीडिया की शिकायत अपीलीय समितियों के ढांचे, दायरे की घोषणा जल्द : चंद्रशेखर

नई दिल्ली/ एजेंसी। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को कहा कि शिकायत अपीलीय समितियों (जीएसी) के ढांचे और दायरे को परिभाषित करने के तौर-तरीकों पर जल्द काम किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि अब सोशल मीडिया मंच उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के निवारण को लेकर अपना 'सांकेतिक' और 'चलताऊ' रवैया छोड़ेंगे।

सोशल मीडिया मंचों पर उपलब्ध सामग्रियों एवं अन्य मुद्दों को लेकर दर्ज शिकायतों का समुचित निपटारा करने के लिए सरकार ने शुक्रवार को आईटी नियमों में बदलाव करते हुए तीन महीने में अपीलीय समितियों का गठन की घोषणा की। ये समितियां मेटा और ट्विटर जैसी सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा सामग्री के नियमन के संबंध में किए गए फैसलों की समीक्षा कर सकेंगी।

चंद्रशेखर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''शिकायत अपीलीय समिति इंटरनेट और मध्यवर्तियों के लिए आगामी दिनों में एक महत्वपूर्ण संस्थान होंगी। हम इसके ढांचे, संविधान, दायरे और नियम-शर्तों के बारे में घोषणा करेंगे।'' उन्होंने कहा कि शिकायतों के निपटारे को लेकर मंचों के अब तक के लापरवाही भरे रवैये की वजह से ही ये कदम उठाने पड़े हैं। मंत्री ने कहा, ''हम यह उम्मीद करते हैं कि मध्यवर्तियां अपने स्तर पर शिकायतों के निपटारे के लिए बेहतर ढंग से काम करेंगी जिससे कि अपीलीय प्रक्रिया पर बहुत अधिक भार नहीं पड़े।''

सोशल मीडिया के लिए 2021 में जो नियम लाए गए थे उनके तहत उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए इन कंपनियों को शिकायत निवारण अधिकारियों की नियुक्ति करना अनिवार्य कर दिया गया था। चंद्रशेखर ने कहा, ''हमने सोचा कि मध्यवर्तियां शिकायत निवारण अधिकारियों की नियुक्ति के जरिए यह समझेंगी कि शिकायत निवारण अधिकारी शिकायतों को दूर करने के लिए हैं, यहां सांकेतिक तौर पर काम नहीं चलेगा। कुछ लोगों को यह समझ नहीं आया और हमें समितियां बनानी पड़ीं।''

संशोधित नियमों के मुताबिक प्रत्येक समिति में एक चेयरपर्सन और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दो पूर्णकालिक सदस्य होंगे। इनमें से एक पदेन सदस्य होगा और दो स्वतंत्र सदस्य होंगे। संशोधनों की अधिसूचना के मुताबिक शिकायत अधिकारी के निर्णय से असहमत कोई भी व्यक्ति, शिकायत अधिकारी से सूचना मिलने से तीस दिनों के भीतर अपीलीय समिति में शिकायत कर सकता है।

चंद्रशेखर ने कहा कि इन समितियों के फैसलों को अदालतों में चुनौती दी जा सकेगी। उन्होंने कहा, 'सरकार की दिलचस्पी लोकपाल की भूमिका निभाने में नहीं है। यह एक जिम्मेदारी है जिसे हम अनिच्छा से ले रहे हैं, क्योंकि शिकायत तंत्र ठीक से काम नहीं कर रहा है। हम यह इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 'डिजिटल नागरिकों' के प्रति हमारा दायित्व है और कर्तव्य है कि उनकी शिकायतें सुनी जाएं।''

गडकरी ने टाटा समूह को नागपुर में निवेश के लिए किया आमंत्रित

मुंबई/ एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टाटा समूह को अपने गृहनगर नागपुर और आसपास के क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा है कि इस शहर में अवसंरचना, जमीन की उपलब्धता और संपर्क जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

गडकरी ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को सात अक्टूबर को लिखे एक पत्र में कहा है कि इस्पात, वाहन, उपभोक्ता उत्पाद, आईटी सेवा और विमानन क्षेत्र की टाटा समूह की कंपनियां अपने निवेश के लिए नागपुर को चुन सकती हैं।

चंद्रशेखरन ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था कि टाटा समूह इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली चालित वाहनों और अन्य आधुनिक क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश कर रहा है और इसके लिए एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र सरकार के साथ बातचीत चल रही है।

मीडिया के साथ शनिवार को साझा किया गया यह पत्र ऐसे समय लिखा गया है जब कई बड़ी परियोजनाएं महाराष्ट्र के हाथ से निकलकर गुजरात के पास जा रही हैं। फॉक्सकॉन-वेदांता गठजोड़ का 1.5 लाख करोड़ रुपये निवेश वाला सेमीकंडक्टर संयंत्र महाराष्ट्र से गुजरात चला गया। इसके बाद टाटा समूह और एयरबस के 22,000 करोड़ रुपये निवेश वाली विमान विनिर्माण परियोजना के भी महाराष्ट्र से गुजरात जाने की घोषणा की गई है।

इस पत्र में गडकरी ने कहा है कि 'मल्टी-मोडल इंटरनेशनल हब एयरपोर्ट ऐट नागपुर (मिहान) एसईजेड और गैर-एसईजेड क्षेत्र में 3,000 एकड़ से अधिक जमीन है। उन्होंने कहा कि इस इलाके में कई कंपनियों ने अपना आधार बनाया है।

एलएंडटी ओडिशा में वैमानिकी, रक्षा विनिर्माण इकाई की स्थापना की संभावना तलाशे: पटनायक

भुवनेश्वर/ एजेंसी। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने लार्सन एंड टुब्रो से राज्य में वैमानिकी और रक्षा विनिर्माण तथा हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में इकाइयां स्थापित करने की संभावना तलाश करने को कहा है। पटनायक ने एलएंडटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रमण्यम के साथ शुक्रवार को मुलाकात के दौरान यह मांग रखी।

पटनायक ने सुब्रमण्यम से कहा, ''ओडिशा में एलएंडटी की बड़ी मौजूदगी है और कंपनी को वैमानिकी एवं रक्षा विनिर्माण और हरित हाइड्रोजन क्षेत्रों में इकाइयां स्थापित करने के विकल्प पर विचार करना चाहिए और संभावना तलाशनी चाहिए।''

उन्होंने कहा कि पारादीप, गोपालपुर और धमरा जैसे उभरते औद्योगिक केंद्रों के लिए जल और अपशिष्ट उपचार संयंत्र जैसी सामान्य औद्योगिक सुविधाओं के विकास के अवसर भी कंपनी को खोजने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''ओडिशा में सभी प्रमुख खनिज और धातु पाए जाते हैं इसलिए एलएंडटी को राज्य में कार्यालय स्थापित करने के बारे में विचार करना चाहिए।''

उबर, ओला, रैपिडो के साथ कर्नाटक सरकार की बैठक, ऑटो-रिक्शा संघ ने आई वॉश करार दिया

बेंगलुरु/ एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ऑटो-रिक्शा की ऊंची कीमतों को लेकर कैब एग्रीगेटर्स उबर, ओला और रैपिडो के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। हालांकि, ऑटो रिक्शा यूनियन ने हंगामा किया और बैठक को महज एक आई वॉश करार दिया।

बैठक परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव एन.वी प्रसाद और परिवहन विभाग आयुक्त टीएचएम कुमार की अध्यक्षता में हुई। हालांकि बैठक का ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों ने कहा कि ऑटो रिक्शा के लिए 100 रुपये प्रति किलोमीटर तय करने के लिए विभाग के समक्ष अनुरोध किया गया है।

अत्यधिक कीमत वसूलने के आरोपों के मद्देनजर सरकार कैब एग्रीगेटर्स के लिए किराया तय करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाईकोर्ट ने सरकार को 15 दिनों के भीतर कीमत तय करने का निर्देश दिया था। सूत्रों का कहना है कि कैब सर्विस प्रोवाइडर किराए में 30 फीसदी की बढ़ोतरी के लिए दबाव बना रहे हैं। हालांकि परिवहन विभाग का कहना है कि उन्हें ऐसी कोई मांग नहीं मिली है।

किराया तय करने के मामले में हाईकोर्ट 7 नवंबर को सुनवाई कर रहा है। ऑटो यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता अमृतेश ने बैठक के बाद कहा कि यह सिर्फ एक आंख धोने वाला (आई वॉश) है। बिना किराया तय किए बैठक खत्म हो गई। उन्होंने आगे कहा कि बैठक केवल 7 नवंबर को अदालत को सूचित करने के लिए आयोजित की गई थी कि उन्होंने इस संबंध में एक बैठक की है।

उन्होंने कहा, पांच से छह साल से कैब एग्रीगेटर जनता का पैसा लूट रहे हैं। बैठक में विस्तार से बताया गया, लेकिन यह बिना कोई निर्णय लिए ही समाप्त हो गया। परिवहन विभाग ने कैब एग्रीगेटर्स को बिना किसी पाबंदी के फ्री राइड दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक के लिए किसी ऑटो यूनियन नेताओं को आमंत्रित नहीं किया गया है।

पाकिस्तानी रुपये में लगातार गिरावट जारी

इस्लामाबाद/ एजेंसी। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, पाकिस्तानी रुपये में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट जारी है, इसकी वजह अमेरिकी डॉलर का कारोबार इंटरबैंक बाजार में 222.47 पीकेआर पर होना बताया जा रहा है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि शुक्रवार को गिरावट गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के 221.50 रुपये पर बंद होने के बाद आई। सप्ताह के आखिरी वर्किंग डे पर स्थानीय मुद्रा में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 0.97 रुपये या लगभग 0.44 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इस वित्तीय वर्ष की शुरूआत के बाद से रुपये के मूल्य में 16.64 रुपये या 7.52 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, कुछ कारकों ने घरेलू स्तर पर बाजार में गड़बड़ी पैदा की, जिसके कारण स्थानीय मुद्रा में गिरावट देखी गई।

हालांकि, एशियन डेवलपमेंट बैंक ने दक्षिण एशियाई देश में हाल ही में आई भयंकर बाढ़ के मद्देनजर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए कुछ दिन पहले 1.5 बिलियन डॉलर जारी किए थे।

सरकार ने चीनी निर्यात पर लगी पाबंदी एक साल के लिए बढ़ाई

नई दिल्ली/ एजेंसी। सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बनाए रखने के मकसद से इसके निर्यात पर लगी पाबंदियों को अगले साल 31 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दिया है। चीनी निर्यात पर लगी बंदिशें इस साल 31 अक्टूबर को ही खत्म होने वाली थीं। लेकिन विदेश व्यापार

महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अब इसे एक साल के लिए बढ़ा दिया है।

डीजीएफटी ने शुक्रवार शाम को जारी एक अधिसूचना में इसकी जानकारी देते हुए कहा, ''कच्ची, रिफाइंड और सफेद चीनी के निर्यात पर लगी पाबंदियों को 31 अक्टूबर, 2022 से आगे 31 अक्टूबर, 2023 या फिर अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे संबंधित बाकी सारी शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।''

हालांकि सरकार ने यह साफ किया है कि ये पाबंदियां यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका को सीएक्सएल और टीआरक्यू शुल्क रियायत कोटा के तहत किए जाने वाले निर्यात पर लागू नहीं होंगी। इन दोनों बाजारों में सीएक्सएल और टीआरक्यू व्यवस्था के तहत एक तय मात्रा में चीनी निर्यात की जाती है। भारत चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक होने के साथ इस साल दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी रहा है।

स्पेन में महंगाई में गिरावट जारी

मैड्रिड/ एजेंसी। देश के सांख्यिकी कार्यालय (आईएनई) द्वारा प्रकाशित प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक, स्पेन में कीमतों में गिरावट जारी है और अक्टूबर में मुद्रास्फीति की दर सितंबर में 8.9 फीसदी से गिरकर 7.3 फीसदी पर आ गई है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को आईएनई के हवाले से कहा कि यह आठ महीनों में सबसे निचला स्तर है और जुलाई में दर्ज 28 साल के उच्च स्तर 10.8 फीसदी से 3.5 फीसदी नीचे है।

तब से, मुद्रास्फीति की दर लगातार तीन महीनों तक गिर गई है, अगस्त में 0.3 प्रतिशत अंक, सितंबर में 1.6 प्रतिशत अंक और अक्टूबर में 1.6 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है।

आईएनई ने बिजली की गिरती लागतों में कमी को जिम्मेदार ठहराया है और साथ ही गैस की सस्ती कीमतों को भी।

इस शुक्रवार, स्पेन में बिजली की लागत गिरकर 112.89 यूरो प्रति मेगावाट घंटे (मेगावाट/घंटा), गुरुवार की लागत से 1.37 प्रतिशत कम और 8 मार्च को लागत से काफी कम थी, जब यह 544.98 यूरो प्रति मेगावाट तक पहुंच गई थी।

नए सीजन के आने से कपड़ों और जूतों के दाम में भी कमी आई है।

पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित

नई दिल्ली/ एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जारी तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में शनिवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 95.77 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। अमेरिकी क्रूड 0.79 प्रतिशत गिरकर 88.38 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर

और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है। के दाम इस प्रकार रहे।

गूगल मैसज ग्रुप चैट के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का टेस्ट शुरु

सैन फ्रांसिस्को/ एजेंसी। गूगल ने अपने मैसेज के ग्रुप चैट के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन की टेस्टिंग शुरू की। 9 टू 5 गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, टेक दिग्गज ने सबसे पहले इस साल की शुरूआत में मैसेज ऐप में आरसीएस (रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज) पर ग्रुप चैट के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन प्रदान करने की अपनी योजना की घोषणा की।

एक बड़े ग्रुप चैट में रेडिट यूजर्स ने एक मैसेज को एन्क्रिप्ट पाया। रेडिटर्स के आगे के रिसर्च से पता चला कि गूगल मैसेज ने ग्रुप चैट के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन को सक्षम बनाया, जिसके चलते आरसीएस ग्रुप चैट सिक्योर हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, आरसीएस ग्रुप चैट में यूजर्स के लिए वास्तविक एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन होने के लिए सेटिंग चालू होनी चाहिए।

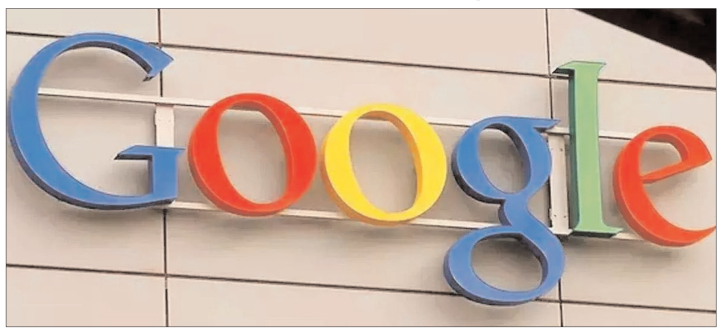

गूगल मैसेज के आरसीएस एक्सपीरियंस को पहली बार एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन प्राप्त हुआ, यह सुविधा 2020 के अंत में ग्लोबल स्तर पर लाइव हो गई थी। ग्रुप चैट को एन्क्रिप्ट नहीं किया गया था। उस समय अधिक सिक्योर मैजेसिंग केवल आमने-सामने की बातचीत के लिए ही उपलब्ध था।

इससे पहले, मैसेज ने एक अपग्रेड शुरू किया था, जिसमें आईओएस इमोजी रिएक्शन थे। अपडेट के साथ, टेक दिग्गज ने एंड्रॉइड और आईओएस यूजर्स के बीच एक बड़ी खाई को पाट दिया। अपडेट से पहले, एक आईफोन से भेजे गए इमोजी रिएक्शन को टेक्स्ट डिस्क्रिप्शन में ट्रांसलेट किया जाएगा।

ट्विटर की अपनी कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल होगी : एलन मस्क

नई दिल्ली/ एजेंसी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि प्लेटफॉर्म पर जरुरी मॉडरेशन निर्णय लेने के लिए ट्विटर की अपनी कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल होगी।

नए ट्विटर मालिक ने कहा कि काउंसिल के बुलाने से पहले कोई बड़ा कंटेट डिसिजन या अकाउंट की बहाली नहीं होगी।

मस्क ने कहा, ट्विटर व्यापक रूप से डिवर्स व्यूप्वाइंट्स के साथ एक कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल का गठन करेगा।

उन्होंने कहा, हमने अभी तक ट्विटर के कंटेट मॉडरेशन पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं किया है।

मस्क ने ट्विटर को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मंच बनाने का लक्ष्य रखते हुए कहा कि

वह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मंच पर वापस आने देने पर विचार करेंगे।

हालाँकि, अब ऐसा प्रतीत होता है कि कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल बैन किए गए अकाउंट को बहाल करने पर फैसला लेगी।

मेटा का एक समान ओवरसाइट बोर्ड है जो फेसबुक के प्लेटफॉर्म और मॉडरेशन निर्णयों पर शासन करता है।

यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के साथ एक नई फाइलिंग के अनुसार, मस्क ने माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट को प्राइवेट ले लिया है। कंपनी के स्टॉक को 8 नवंबर को न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से हटा दिया जाएगा।

ट्विटर डीलिस्टिंग उसी दिन होगी जिस दिन अमेरिकी मध्यावधि चुनाव होंगे।

एसईसी फाइलिंग के अनुसार, न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज एसईसी को 08 नवंबर, 2022 को एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सिक्यूरिटिज के पूरे वर्ग को लिस्टिंग और पंजीकरण से हटाने के बारे में सूचित करेगा।

अधिकांश तेल तिलहन कीमतों में रहा गिरावट का रुख

नई दिल्ली/ एजेंसी। देश की मंडियों में सोयाबीन और मूंगफली की आवक बढ़ने के कारण अन्य खाद्यतेल कीमतों पर भी दबाव कायम हो जाने से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और सीपीओ एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। नमकीन बनाने वाली कंपनियों की मांग से बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया।

कारोबारी सूत्रों ने कहा कि कांडला बंदरगाह पर आयात भाव के मुकाबले सीपीओ और पामोलीन तेल महंगा मिलने से मांग कुछ प्रभावित हुई है जिसकी वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट है। इसका असर मूंगफली सहित बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी हुआ है जिससे उनके भाव भी दवाब में रहे। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 70 प्रतिशत खाद्यतेलों की मांग को आयात से पूरा किया जाता है लिहाजा सिर्फ घरेलू तेल तिलहनों पर 'स्टॉक लिमिट' लागू करने का कोई औचित्य नहीं दिखता।

सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षो से वायदा कारोबार में सीपीओ और सोयाबीन का भाव

संभवत~ कुछ बड़ी कंपनियों ने कम चला रखे थे जिससे घरेलू आयातकों की हालत खराब हो गयी और उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ। अब इन तेलों का आयात कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने संभाल रखा है।

सूत्रों ने कहा कि देश के तेल उद्योगों के प्रमुख संगठनों को सरकार तक यह बात पहुंचानी चाहिए कि उनकी कोटा प्रणाली से तेल के कम आपूर्ति की स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को सोयाबीन एवं सूरजमुखी जैसे सभी खाद्य तेलों पर कम से कम 5.50 प्रतिशत का आयात शुल्क लगा देना चाहिये।

सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में शादियों का मौसम शुरू होने के अलावा जाड़े की मांग भी निकलेगी। इस दौरान हल्के तेलों की मांग काफी बढ़ेगी। सरकार को आयात शुल्क लगाने के बारे में तत्काल कोई फैसला करना होगा क्योंकि सूरजमुखी और सोयाबीन तेलों के आयात में लगभग डेढ़ से दो महीने का समय लगता है।

शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे

- सरसों तिलहन - 7,150-7,175 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल।
- मूंगफली - 6,820-6,885 रुपये प्रति क्विंटल।
- मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,750 रुपये प्रति क्विंटल।
- मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,530-2,790 रुपये प्रति टिन।
- सरसों तेल दादरी- 14,750 रुपये प्रति क्विंटल।
- सरसों पक्की घानी- 2,250-2,385 रुपये प्रति टिन।
- सरसों कच्ची घानी- 2,325-2,440 रुपये प्रति टिन।
- तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,800-20,500 रुपये प्रति क्विंटल।
- सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 14,200 रुपये प्रति क्विंटल।
- सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 13,950 रुपये प्रति क्विंटल।
- सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,550 रुपये प्रति क्विंटल।
- सीपीओ एक्स-कांडला- 8,750 रुपये प्रति क्विंटल।
- बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 13,200 रुपये प्रति क्विंटल।
- पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,500 रुपये प्रति क्विंटल।
- पामोलिन एक्स- कांडला- 9,500 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।
- सोयाबीन दाना - 5,285-5,335 रुपये प्रति क्विंटल।
- सोयाबीन लूज 5,085-5,135 रुपये प्रति क्विंटल।
- मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपये प्रति क्विंटल।

एक नजर

दक्षिण कोरिया में 4.1 तीव्रता का भूकंप

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के मध्य में स्थित एक कृषि प्रधान काउंटी में शनिवार सुबह 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि भूकंप में फिलहाल जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। दक्षिण कोरिया की मौसम एजेंसी ने कहा कि गोएसन काउंटी में शनिवार को आया भूकंप इस साल देश में आए 38 भूकंपों में सबसे शक्तिशाली था। सुरक्षा मंत्रालय के आपदा मुख्यालय के अधिकारी ली जे-योंग ने बताया कि आपातकालीन अधिकारियों को मध्य-उत्तर चुंगचेओंग प्रांत और उसके आसपास के इलाकों के निवासियों की तरफ से 50 से अधिक कॉल मिले, जिन्होंने जमीन हिलने की बात कही। उन्होंने हालांकि कहा कि आपातकालीन कर्मचारियों को फिलहाल जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को बिजली और दूरसंचार प्रणालियों की सुरक्षा की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। हालांकि, फिलहाल इन सेवाओं में समस्या की कोई सूचना नहीं है।

ब्रिटिश रॉयल नेवी महिलाओं के शोषण की होगी जांच

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश रॉयल नेवी के प्रमुख ने पनडुब्बी सेवा में महिलाओं के खिलाफ धमकाने और यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। बीबीसी ने बताया कि बेड़े में सेवा देने वाले कई मुखबिरों ने दैनिक समाचार-पत्र 'डेली मेल' को बताया कि उन्हें सभी रैंकों से दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। फर्स्ट सी लॉर्ड एडमिरल सर बेन के. ने कहा कि वह 'घृणित' दावों से बहुत परेशान हैं। रॉयल नेवी में दुर्व्यवहार का कोई स्थान नहीं है और अगर कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। एक महिला ने समाचार पत्र को बताया कि जब वह सो रही थी तो एक उच्च पद के व्यक्ति द्वारा उसका यौन उत्पीड़न किया गया था। रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, पनडुब्बी 'अनदेखी और अबाधित' सेवा है। रिपोर्ट के अनुसार, सूचना की स्वतंत्रता (एफओआई) अनुरोध में सामने आए आंकड़ों से पता चला है कि वर्ष 2019 तक, पनडुब्बी सेवा कर्मियों में से केवल एक प्रतिशत महिलाएं थीं।

नासा ने जारी की 'मुस्कुराते सूरज' की तस्वीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के उपग्रह ने सूरज की कुछ ऐसी तस्वीर ली है कि जिसमें अक्सर तमतमाया दिखने वाला सूरज भी मुस्कुराता हुआ नजर आ रहा है। तस्वीर में नजर आ रहे सूरज के इस मित्रवत रूप को हालांकि विशेषज्ञों ने एक चेतावनी भी बताया है और कहा है कि हो सकता है कि शनिवार को सूरज से धरती की ओर पराबैगनी किरणों का हमला हो। गार्डियन ने स्पेसवेदर डॉट कॉम के हवाले से कहा, नासा की सोलर डायनमिक्स आब्जरवेटरी ने सूर्य को 'मुस्कुराते हुए' कैमरे में कैद किया। पराबैंगनी प्रकाश में देखे जाने वाले, सूर्य पर इन काले धब्बों को कोरोनल होल के रूप में जाना जाता है और वे ऐसे क्षेत्र हैं जहां तेज सोलर हवाएं अंतरिक्ष में चलती है। दूसरी ओर नासा की ओर से इस तस्वीर को जारी करने के बाद से ऑनलाइन अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रहीं हैं। कई लोगों ने इसकी तुलना भूतिया मुखौटे तो किसी ने शेर और किसी ने बच्चों के शो टेलट्यूबीज से की है।

यूक्रेन में बिजली संकट के बीच ठंड से जूझेंगे 40 लाख लोग

कीव, एजेंसी। रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस वजह से बढ़ती ठंड के बीच देश के 40 लाख लोग बिजली की भारी कटौती से जूझ रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा, रूस ने एक माह में कई पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। इससे देश का ऊर्जा बुनियादी ढांचा 40 फीसदी क्षतिग्रस्त हो गया है। बड़ी आबादी को बिजली संकट के बीच आने वाले समय में ठंड से जूझना होगा। मॉस्को द्वारा सर्दियों से पहले बढ़ रहे ऐसे हमलों से साफ है कि वह सीधे तौर पर आम लोगों को निशाना बनाना चाहता है। राजधानी कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा, यदि पश्चिमी देशों ने तत्काल कंबल और जनरेटर नहीं भेजे तो बड़ी संख्या में यूक्रेन के लोग ठंड की वजह से मर जाएंगे। हम अपने लोगों की जान बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह सर्दी निश्चित रूप से हमारे लिए बड़ी चुनौती होगी। क्लिट्स्को ने कहा, रात के तापमान में गिरावट शुरू हो चुकी है।

श्रीलंका के अस्पतालों में 160 महत्वपूर्ण दवाओं की कमी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के अस्पताल 160 आवश्यक दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। समाचारपत्र 'आईलैंड' की शनिवार को प्रकाशित रिपोर्ट में चिकित्सा आपूर्ति के उप महानिदेशक डॉ. डी आर के हेराथ के हवाले से कहा गया है, देश के अस्पतालों में 160 आवश्यक दवाओं की कमी है। हम उम्मीद करते है कि शुभचिंतक हमारी मदद करेंगे। डॉ. हेराथ ने कहा कि आवश्यक दवाओं में से एक ग्लिसरील ट्रिनिट्रेट या जीटीएन है जिसका उपयोग हृदय रोगों के इलाज के लिए किया जाता है। इसकी आपूर्ति में कमी है।

ट्विटर मॉडरेशन नीति में फिलहाल कोई बदलाव नहीं : एलोन मस्क

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। एस्पेसएक्स के संस्थापक अरबपति एलोन मस्क ने कहा है कि ट्विटर की कंटेट मॉडरेशन नीतियों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। बीबीसी की रिपोर्ट में ट्विटर का अधिग्रहण करने वाले श्री मस्क के हवाले से कहा, 'मैं पूर्णतः स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमने अभी तक ट्विटर की कंटेड मॉडरेशन नीतियों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे पहले उन्होंने कहा है कि जल्द ही ट्विटर के लिए एक नयी कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल का गठन किया जाएगा।

यह काउंसिल कंटेंट मॉडरेशन से जुड़े फैसले लेगी। इस काउंसिल की समीक्षा के बाद ही बंद हो चुके खातों को दोबारा बहाल करने पर निर्णय होगा। उन्होंने ट्वीट किया, 'मामूली और संदिग्ध कारणों से निलंबित किए गए किसी भी व्यक्ति' को 'ट्विटर जेल से मुक्त कर दिया जाएगा। 'कॉमेडी अब ट्विटर पर वैध है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ट्विटर की कमान श्री मस्क के हाथ में आने के बाद इस माक्रोब्लॉलिंग साइट को कई वरिष्ठ लोगों ने छोड़ने की घोषणा की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि संभावित बदलावों ने नियामकों की छानबीन की गयी है और ट्विटर के अपने यूजर्स को विभाजित कर दिया है। इसको लेकर कुछ लोग चिंतित हैं कि श्री मस्क अभद्र भाषा और गलत सूचना को नियंत्रित करने वाले नियमों को ढीला कर देगें, और कुछ लोगों को लगता है कि पिछले प्रबंधन के अत्यधिक कठोर नियम थे जिससे भावनाओं को व्यक्त करने की आजादी कम थी। श्री मस्क ने कहा कि ट्विटर 'व्यापक रूप से विविध दृष्टिकोण' के साथ एक परिषद का गठन करेगी। काउंसिल की समीक्षा से पहले कोई कंटेट से संबधितिकोई बड़ा निर्णय या खाता बहाली नहीं होगी। श्री मस्क ने गुरुवार को ट्विटर का अधिग्रहण करने के साथ ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग अग्रवाल, पॉलिसी हेड और कानून मामलों की शीर्ष अधिकारी विजया गाड्डे समेत चार वरिष्ठो को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

अमेरिका की सबसे बड़ी कार निमार्ता और श्री मस्क की टेस्ला कंपनी के प्रतिद्वंद्वी जरनल मोटर्स का कहना है उसने ट्विटर पर अपने विज्ञापनों को अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। श्री मस्क ने संकेत दिये है कि वह ट्विटर पर व्यापक बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि वह मंच को सार्वजनिक बहस के लिए एक मंच के रूप में देखते हैं और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सहित विवादास्पद युजर्स पर प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हैं।

श्री मस्क ने ट्यूटर के अधिग्रहण के बाद कहा था कि 'चिड़िया आजाद है' जिसकी प्रतिक्रिया में यूरोपीय संघ के डिजिटल बाजार की देखरेख के प्रभारी आयुक्त, थियरी ब्रेटन ने ट्वीट किया, 'यूरोप में ट्विटर पक्षी हमारे यूरोपीय संघ के नियमों से उड़ेंगा। ट्विटर की नीतियों में किसी भी छूट के खिलाफ सख्त रुख अपनाएंगे।अमेरिका में, स्टॉप द डील, फेयर वोट यूके और अमेरिका के लिए मीडिया मैटर्स सहित वामपंथी कार्यकर्ता समूहों के एक गठबंधन ने कहा, श्री मस्क को 'अराजकता की प्यास' है और उनकी संभावित योजनाएं ट्विटर को और भी अधिक नफरत से भर देंगी। जिससे वास्तविक दुनिया को अपूरणीय क्षति होगी।

श्रीलंका के अस्पतालों में 160 महत्वपूर्ण दवाओं की कमी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के अस्पताल 160 आवश्यक दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। समाचारपत्र 'आईलैंड' की शनिवार को प्रकाशित रिपोर्ट में चिकित्सा आपूर्ति के उप महानिदेशक डॉ. डी आर के हेराथ के हवाले से कहा गया है, 'देश के अस्पतालों में 160 आवश्यक दवाओं की कमी है। हम उम्मीद करते है कि शुभचिंतक हमारी मदद करेंगे।

डॉ. हेराथ ने कहा कि आवश्यक दवाओं में से एक ग्लिसरील ट्रिनिट्रेट या जीटीएन है जिसका उपयोग हृदय रोगों के इलाज के लिए किया जाता है। इसकी आपूर्ति में कमी है। उन्होंने कहा, 'हमें स्ट्रेप्टोकिनेज की भी आवश्यकता है, मायोकार्डियल इंफार्क्शन, फुफ्फुसीय एम्बोलिज्म और धमनी थ्रोम्बेम्बोलिज्म के कुछ मामलों में थक्के को तोड़ने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा। हमें हृदयघात से पीड़ित लोगों को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एट्रोपिन वैक्सीन की भी आवश्यकता है। हमें वास्तव में दो सप्ताह के भीतर एक नये स्टॉक की जरूरत है। डॉ. हेराथ ने कहा, 'विश्व बैंक ने दवाओं की खरीद के लिए 23 मिलियन डॉलर दिए है।यह बहुत ही फ्लेक्सिबल अनुदान है और हमने और मांग की है। स्वास्थ्य मंत्रालय एशियाई विकास बैंक के साथ 66.6 मिलियन डॉलर जारी करने के लिए बातचीत कर रहा है। श्रीलंका भीषण आर्थिक संकट की दौर से गुजर रहा है।

पेलोसी के पति पर हमले के आरोपी ने ट्रंप के बचाव में किए थे पोस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष (स्पीकर) नैंसी पेलोसी के सैन फ्रांसिस्को स्थित आवास में घुसकर उनके पति पॉल पेलोसी पर हथौड़े से हमला करने के आरोपी ने कथित तौर पर नस्ली पोस्ट किए थे।

इन पोस्ट में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों पर सवाल उठाने वाली और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करने वाली टिप्पणियां शामिल थीं।

हमले का संदिग्ध डेविड डेपपे (42) ब्रिटिश कोलंबिया के पॉवेल रिवर में पला-बढ़ा था और करीब 20 साल पहले सैन फ्रांसिस्को आ गया था।

डेपपे को शुक्रवार तड़के पेलोसी के घर से गिरफ्तार किया गया था। सैन फ्रांसिस्को जिला अटॉर्नी ब्रुक जेनकिंस ने कहा कि डेपपे के खिलाफ हत्या के प्रयास, घातक हथियार से हमला करने और चोरी सहित कई गंभीर आरोप दायर किए जाने की संभावना है। डेपपे के सौतेले पिता जीन डेपपे ने कहा कि संदिग्ध 14 साल की उम्र तक उनके साथ कनाडा में रहा और वह एक शांत लड़का था। जीन डेपपे ने कहा, डेविड हिंसक प्रवृत्ति का नहीं था और वह कभी भी किसी मुश्किल में नहीं फंसा। हालांकि, वह बहुत ही एकांतप्रिय था और दिनभर वीडियो गेम खेलता रहता था। जीन डेपपे ने कहा कि उन्होंने 2003 से अपने सौतेले बेटे को नहीं देखा है। जीन ने कहा कि जिस प्रेमिका के पीछे उनका बेटा सैन फ्रांसिस्को आया था, उसका नाम जिप्सी था और उसके दो बच्चे थे। उन्होंने कहा कि डेविड का एक अलग महिला से भी एक बच्चा है।

डेविड डेपपे के नाम से हाल के महीनों में किए गए ब्लॉग पोस्ट एलियन, वामपंथियों, धार्मिक अल्पसंख्यकों, ट्रांससेक्सुअल और वैश्विक अभिजात वर्ग से संबंधित थे।

पोलैंड का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र अमेरिका बनाएगा

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड ने अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण के लिए अमेरिकी सरकार और वेस्टिंगहाउस कंपनी को चुना है। यह कोयला पर निर्भरता घटाने और ऊर्जा के लिहाज से आत्मनिर्भर होने के प्रयासों में पोलैंड का महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री मातेश्च मोराविकी ने शुक्रवार को कहा, पोलैंड की परमाणु ऊर्जा परियोजना वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी की विश्वसनीय और सुरक्षित तकनीक का इस्तेमाल करेगी। पोलैंड और अमेरिका के बीच मजबूत गठबंधन हमारी संयुक्त पहलों की सफलता की गारंटी है।

पोलैंड कई वर्षों से ऊर्जा के लिहाज से अधिक स्वतंत्रता हासिल करने और देश के पुराने कोयला संयंत्रों को हटाने के लिए एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की योजना बना रहा है। इन कोयला संयंत्रों से यूरोप में वायु प्रदूषण फैलता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने और ऊर्जा को अपना हथियार बनाने के कारण पोलैंड के लिए ऊर्जा विकल्पों की तलाश और भी ज्यादा जरूरी हो गई है। 40 अरब डॉलर की परियोजना

अमेरिका की ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रानहोम ने कहा, 40 अरब डॉलर की यह परियोजना अमेरिकी कामगारों के लिए एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा करेगी। आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुरक्षा पैदा करने के वास्ते पोलैंड के साथ हमारे संबंध मजबूत करने की दिशा में यह बड़ा कदम है। हम यूरोप में अपने समकक्षों के साथ स्वच्छ ऊर्जा बदलाव लाने के लिए इस साझेदारी को जारी रखने के उत्सुक हैं।

ग्रानहोम ने कहा, यह घोषणा रूस को स्पष्ट संदेश देती है कि हम ऊर्जा को अब हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं करने देंगे। पश्चिमी देश ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने और जलवायु सहयोग को मजबूत करने के लिए बिना उकसावे की इस आक्रामकता के खिलाफ एकजुट रहेंगे।

यह समझौता परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पहले तीन रिएक्टरों के लिए किया गया है, जो उत्तरी पोलैंड में बनाया जाना है। अधिकारियों ने कहा कि यह संयंत्र 2023 में बिजली पैदा करना शुरू कर देगा।

भारत की मदद के बिना बांग्लादेश को स्वतंत्र कर पाना संभव नहीं होता : मेयर मोहिउद्दीन अहमद

ढाका, एजेंसी। भारतीय सेना की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना बांग्लादेश को सौ साल में भी स्वतंत्र कर पाना संभव नहीं होता। बांग्लादेश में पटुआखली नगर पालिका के मेयर मोहिउद्दीन अहमद ने उक्त बात कही है। उनके अनुसार, सौ साल में भी बांग्लादेश को पाकिस्तानी सैनिकों के हाथों से मुक्त करना संभव नहीं होता अगर भारत के बहादुर सैनिकों ने हवाई, समुद्री और जमीन से सीधे पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ी होती। अहमद ने हिन्दुस्थान समाचार से खास बातचीत में भारत-बांग्लादेश के प्रगाढ़ संबंधों पर कई बड़ी बातें कही हैं।

वह बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत के योगदान का सही इतिहास पेश करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। वह 1952 के भाषा आंदोलन से लेकर पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण तक के ऐतिहासिक क्षणों को विभिन्न चित्रों और मूर्तियों को स्थापित करके उजागर करने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। पटुआखली जिले के विभिन्न स्थानों में कुछ दुर्लभ पेंटिंग और मूर्तियां स्थापित की गई हैं। इन सभी में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की उंगलियां उठाकर भाषण देना और पाकिस्तान के आक्रमणकारियों के आत्मसमर्पण की पेंटिंग आदि शामिल हैं।

यह पूछे जाने पर कि इन दुर्लभ मूर्तियों और चित्रों को क्यों स्थापित किया गया, मेयर मोहिउद्दीन अहमद ने कहा कि बांग्लादेश के निर्माण के महान नायक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद बांग्लादेश पर कट्टरपंथी स्वतंत्रता विरोधियों ने कब्जा कर लिया था। आज भी मजहबी प्रचार के नाम पर आजादी के इतिहास को मिटाने के लिए तरह-तरह के दुष्प्रचार हो रहे हैं। नवीनतम जमात-ए-इस्लामी स्वतंत्रता-विरोधी समूह बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में बंगबंधु और भारत के योगदान को मिटाने के लिए यू-ट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया में झूठा प्रचार कर रहे हैं। यू-ट्यूब पर यह भी प्रचारित किया जा रहा है कि भारतीय सेना ने उस समय मुक्ति संग्राम में भाग लिया था जब स्वतंत्रता सेनानी बांग्लादेश को लगभग मुक्त कर रहे थे। लेकिन हकीकत यह है कि अगर भारत के वीर सैनिक पाकिस्तान की सेना के खिलाफ सीधे हवाई, समुद्री और जमीन से नहीं लड़ते, तो सौ साल में भी बांग्लादेश को आक्रमणकारियों के हाथों से मुक्त करना संभव नहीं होता।

अहमद ने यह भी कहा कि विभिन्न प्रचारों के बावजूद इन मूर्तियों और चित्रों को इसलिए लगाया गया है ताकि नई पीढ़ी इतिहास की सच्चाई से अवगत रहे। यह पूछे जाने पर कि क्या मूर्तियों और चित्रों का कोई नामकरण किया गया है, मेयर ने कहा कि जिला आयुक्त भवन के सामने चौराहे का नाम "स्वाधीनता चौक" रखने पर विचार किया जा रहा है। बाकी दो स्मारकों के नाम अभी तय नहीं हुए हैं। हालांकि नामकरण का मामला काफी हद तक जिला परिषद की मंजूरी पर निर्भर है। नामकरण के बारे में पूछे जाने पर पटुआखाली जिला परिषद के अध्यक्ष वकील मो. हाफिजुर रहमान ने कहा कि मेयर ने अच्छी पहल की है। नवनिर्वाचित जिला परिषद के सदस्य पहले सत्र में ही नामों को मंजूरी देने की व्यवस्था करेंगे।

अमेरिका में बेगुनाह ने जेल में बिताये लगभग चार दशक

सैक्रामेंटो (अमेरिका), एजेंसी। हत्या के झूठे आरोप में करीब चार दशक जेल की चाहरदिवारी में कैद रहने वाले एक अमेरिकी नागरिक को डीएनए के नये सबूत मिलने के बाद रिहा कर दिया गया है।

वर्ष 1983 में कैलिफोर्निया की रॉबर्टा वायडरमायर की हत्या और दो हत्याओं के प्रयास के मामले में मौरिस हेस्टिंग्स को उम्रकैद की सजा सुनायी गयी थी लेकिन नए डीएनए सबूतों ने हत्या के लिये हेस्टिंग्स(69) की बजाय अन्य व्यक्ति की ओर इशारा किया, जिसकी मृत्यु 2020 में जेल में हो गयी थी। इसके बाद हेस्टिंग्स को रिहा करने का आदेश स्थानीय अदालत ने पिछली 20 अक्टूबर को दिया था। ला काउंटी के जिला अटॉर्नी जॉर्ज गैसकॉन ने सजा को 'भयानक अन्याय' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा न्याय प्रणाली सही नहीं है, और जब हम नए सबूतों के बारे में सीखते हैं जो हमें दोषसिद्धि में विश्वास खो देता है, तो यह हमारा दायित्व है कि हम तेजी से कार्य करें। राबर्टा का शव उसकी कार में मिला था। उसके सिर पर गोली लगी हुयी थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार हत्या से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया था। बाद में हेस्टिंग्स पर हत्या का आरोप लगाया गया और अभियोजकों ने मृत्युदंड की मांग की। न्यायालय ने उसे दोषी ठहराया और वर्ष1988 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। पीड़िता के शव की जांच करने पर एक स्वाब में वीर्य का पता चला था। हेस्टिंग्स ने उस समय भी अपनी बेगुनाही की गुहार लगायी थी जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2000 में स्वाब के डीएनए परीक्षण के अनुरोध को जिला अटॉर्नी ने अस्वीकार कर दिया था।

अमेरिका ने सलमान रुश्दी मामले में ईरानी समूह पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक ईरानी संगठन पर वित्तीय दंड लगा रहा है जिसने ब्रिटिश-अमेरिकी लेखक सलमान रुश्दी को निशाना बनाने के लिए धन जुटाया था। रुश्दी पर अगस्त में हिंसक हमला किया गया था। मुंबई में जन्में और बुकर पुरस्कार से सम्मानित रुश्दी (75) पश्चिमी न्यूयॉर्क के चौटाउक्वा संस्थान में एक कार्यक्रम के दौरान अपना व्याख्यान शुरू करने वाले ही थे कि तभी एक व्यक्ति ने मंच पर चढ़कर चाकू से उन पर हमला कर दिया था।

'ट्रेजरी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' ने '15 खोरदाद फाउंडेशन' पर वित्तीय दंड लगाने को मंजूरी दी, जिसने रुश्दी के सिर पर करोड़ों डॉलर का इनाम घोषित किया था। रुश्दी ने 'द सैटेनिक वर्सेज' लिखी थी, जिसे कुछ मुसलमान ईशनिंदा मानते हैं। रुश्दी के एजेंट का कहना है कि पश्चिमी न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में मंच पर किए गए हमले से उबरने के बाद लेखक की एक आंख की रोशनी चली गई है और एक हाथ ने काम करना बंद कर दिया है। आतंकवाद और वित्तीय खुफिया के लिए ट्रेजरी के अवर सचिव ब्रायन नेल्सन ने कहा, 'अमेरिका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता के सार्वभौमिक अधिकारों के खिलाफ ईरानी अधिकारियों द्वारा उत्पन्न खतरों के लिए खड़े होने के अपने दृढ़ संकल्प से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा, 'हिंसा का यह कृत्य, जिसकी ईरानी शासन द्वारा प्रशंसा की गई है, भयावह है। हम सभी सलमान रुश्दी पर हुए हमले के बाद उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद करते हैं। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि संगठन पर 'आतंकवाद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने' को लेकर राजनयिक रूप से दंडित करने की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका रूश्दी पर हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

इस्लामाबाद पुलिस ने होटलों को इमरान खान के समर्थकों को ठहरने की सुविधा देने से रोका

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद पुलिस ने शनिवार को एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए होटलों और अतिथि गृहों को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली रैली में हिस्सा लेने वाले उनके समर्थकों को ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने से रोक दिया।

इमरान पाकिस्तान सरकार पर जल्द आम चुनाव कराने की तारीख घोषित करने का दबाव बनाने के मकसद से यह रैली निकाल रहे हैं। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) ने 28 अक्टूबर को एक अधिसूचना जारी कर कहा था कि उसने भी टेलीविजन चैनलों को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं के भाषणों और रैलियों का सीधा प्रसारण न करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने कहा था कि एक भाषण के दौरान यह देखा गया कि आचार संहिता और अदालत के आदेशों का उल्लंघन करते हुए ह्यसरकारी प्रतिष्ठानों के खिलाफ बयानों का सीधा प्रसारण किया गया। पीईएमआरए ने इस आदेश का अनुपालन न करने पर कानूनी कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी।

पीटीआई का 'हकीकी आजादी मार्च' शुक्रवार दोपहर को लाहौर में लिबर्टी चौक इलाके से शुरू हुआ। पार्टी ने लाहौर के कई इलाकों में भी ताकत का प्रदर्शन किया। यह मार्च गत रात दाता दरबार में रुका और शनिवार को फिर से शुरू होगा।

इमरान ने कहा है कि कोई भी पीटीआई के इस लंबे मार्च को नहीं रोक सकता और उनके इस्लामाबाद पहुंचने तक पार्टी समर्थक अगले आदेश का इंतजार करें। पीटीआई प्रमुख ने शनिवार को एक टीवी चैनल द्वारा ट्वीट किए गए वीडियो में एक पत्रकार से कहा, जब हम इस्लामाबाद पहुंचेंगे तो क्या होगा, यह जानने के लिए आपको इंतजार करना होगा।

इस्लामाबाद पुलिस ने होटलों और अतिथि गृहों को इस मार्च में भाग ले रहे लोगों को ठहरने की सुविधा देने से रोक दिया है।

आईसीसी टी-20 विश्व कप: न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 65 रन से हराया

ग्लेन फिलिप्स ने खेली शतकीय पारी

सिडनी/ एजेंसी। न्यूजीलैंड ने शनिवार को आईसीसी टी-20 विश्व कप ग्रुप 1 के 27वें मुकाबले में श्रीलंका को 65 रन से हराकर टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के अब तीन मैचों में 2 जीत के साथ पांच अंक हो गए हैं। न्यूजीलैंड का एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स (104) के शानदार शतक की बदौलत अपने 20 ओवरों में 7 विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 19.2 ओवर में 102 रनों पर सिमट गई।

168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और टिम साउथी ने पहले ही ओवर में पाथुम निसानका (00) को आउट कर श्रीलंका को पहला झटका दिया। अगले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने कुशल मेंडिस (04) को आउट कर श्रीलंकाई टीम को दूसरा झटका दिया। बोल्ट ने इसी ओवर में धनंजय डीसिल्वा (00) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई और स्कोर 5 रन पर 3 विकेट हो गया।

बोल्ट ने अपने दूसरे और पारी के चौथे ओवर में चरिथ असालंका (04) को आउट कर श्रीलंका को चौथा झटका दिया। मिशेल सेंटनर ने सातवें ओवर की पहली गेंद पर चमिका करुणारत्ने (03) को आउट कर श्रीलंका को एक और झटका दिया। इसी के साथ 24 के कुल स्कोर पर श्रीलंका की आधी टीम पवेलियन लौट गई। इसके बाद छठे विकेट के लिए दासुन शनाका और भानुका राजपक्षा ने 23 गेंदों में 34 रनों की तेज साझेदारी की, खासकर भानुका ने कुछ अच्छे शॉट खेले। 10वें ओवर में 58 के कुल स्कोर पर लॉकी फर्ग्युसन ने भानुका को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। भानुका राजपक्षा ने 22 गेंदों में तीन चौके और 2 छक्के की बदौलत 34 रन बनाए।

12वें ओवर में 64 के स्कोर पर ईश सोढ़ी ने वानिंदु हसरंगा (04) को आउट कर अपनी टीम को सातवीं सफलता दिलाई। सेंटनर ने 65 के स्कोर पर महेश तीक्षणा (00) को पवेलियन भेज कर न्यूजीलैंड को आठवीं सफलता दिलाई। 17वें ओवर की आखिरी गेंद बोल्ट ने दसुन शनाका को आउट कर मैच का अपना चौथा विकेट लिया। शनाका ने 32 गेंदों पर 4 चौके और एक छक्के की बदौलत 35 रन बनाए। ईश सोढी ने 20वें ओवर में लाहिरु कुमारा (04) को आउट कर श्रीलंकाई पारी का अंत किया। न्यूजीलैंड की तरफ से ट्रेंट बोल्ट ने 4, ईश सोढ़ी और मिचेल सैंटनर ने 2-2, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम साउथी ने 1

इससे पहले ग्लेन फिलिप्स के शानदार शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी-20 विश्व कप में शनिवार को श्रीलंका के सामने जीत के लिए 168 रनों का लक्ष्य रखा है। न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 167 रन बनाए। फिलिप्स ने 12 रनों के व्यक्तिगत स्कोर पर जीवनदान मिलने का फायदा उठाते हुए 64 गेंदों पर 104 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। स्पिनरों महेश तीक्षाना और धनंजय डी सिल्वा ने खतरनाक सलामी बल्लेबाजों फिन एलन (1) और डेवोन कॉनवे (1) को वापस भेज दिया, जबकि तेज गेंदबाज कासुन रजिथा ने कप्तान केन विलियमसन (13 गेंदों में 8 रन पर) को चलता किया, जिससे श्रीलंका का स्कोर 3 विकेट पर 15 रन रन हो गया। इसके बाद फिलिप्स और डेरिल मिशेल (22) ने चौथे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को वापसी दिला दी। स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने मिशेल को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। मिशेल ने 24 गेंदों में 22 रन बनाए।

15 ओवर के अंत में, न्यूजीलैंड का स्कोर 4 विकेट पर 102 रन था, फिलिप्स (नाबाद 65) के साथ ऑलराउंडर जिमी नीशम (1 नाबाद) क्रीज पर थे। फिलिप्स ने 61 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने न्यूजीलैंड को 18.5 ओवर में 150 रन का आंकड़ा पार करने में भी मदद की। रजिता ने मैच का अपना दूसरा विकेट लेते हुए नीशम (5 रन) को पवेलियन भेजा और न्यूजीलैंड का स्कोर 5 विकेट पर 129 रन हो गया। तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने फिलिप्स (64 गेंदों में 104 रन) कोर आउट कर मैच का अपना पहला विकेट लिया। ईश सोढ़ी भी पारी की दूसरी आखिरी गेंद पर सिर्फ एक रन बनाकर रन आउट हो गए। न्यूजीलैंड ने अपने 20 ओवर में 7 विकेट पर 167 रन बनाए। मिशेल सेंटनर 11 और टिम साउदी 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेदवेदेव और दिमीट्रोव वियना ओपन के सेमीफाइनल में

वियना (आस्ट्रिया)/ एजेंसी। रूस के डेनिल मेदवेदेव और बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमीट्रोव ने शुक्रवार को वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में अपने प्रतिद्वंदियों को हरा कर अंतिम चार में प्रवेश कर लिया जिसके बाद विश्व के नम्बर चार और नम्बर तीन खिलाड़ियों के बीच शनिवार को फाइनल में प्रवेश के लिये रोमांचक भिड़ंत तय हो गयी है।

मेदवेदेव ने हमवतन चौथी वरीयता प्राप्त जननिक सिनर को 6-4,6-2 से हरा कर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। सिनर ने पहले सेट में संघर्ष किया मगर दूसरे सेट में उनके चेहरे पर थकान साफ दिखी जिसका भरपूर फायदा उठाते हुये अनुभवी मेदवेदेव ने उन्हे उबरने का मौका नहीं दिया। इससे पहले मास्को में जन्मे 26 वर्षीय मेदवेदेव ने गुरूवार को मेजबान देश के डोमिनिक थिएम को कड़े मुकाबले में 6-3,6-3 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। इससे पहले आज खेले गये एक अन्य मैच में ग्रिगोर दिमीट्रोव ने मैराथन मुकाबले में एक गिरान को 6-3,4-6,6-4 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनायी। सेमीफाइनल के दो अन्य खिलाडियों का फैसला आज देर रात होने वाले मैच में हो जायेगा।

कोच मैकडोनाल्ड को आशंका, ऑस्ट्रेलियाई टीम में मिल सकते हैं कोविड के अधिक मामले

मेलबर्न/ एजेंसी। एडम जंपा और मैथ्यू वेड के टी20 विश्वकप के दौरान कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने आशंका जताई है कि उनकी टीम में वायरस के अधिक मामले हो सकते हैं।

टीम में शामिल एकमात्र विकेटकीपर वेड ऑस्ट्रेलिया के दूसरे क्रिकेटर हैं जिन्हें कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है। इससे पहले बुधवार को लेग स्पिनर जंपा का परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था।

वेड का हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को बारिश के कारण रद्द कर दिए गए मैच में खेलना तय था।

मैकडोनाल्ड ने मैच रद्द किए जाने के बाद कहा,''इसकी पूरी संभावना है की टीम में कोविड-19 कुछ और मामले आ सकते हैं। मैथ्यू वेड आज मैच में खेलने जा रहा था इसलिए प्रत्येक अलग-अलग तरह से वायरस से प्रभावित होता।''

जंपा को इससे पहले कोविड से संक्रमित पाया गया था और वह श्रीलंका के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की थी।

आयरलैंड के जॉर्ज डॉकरेल अन्य क्रिकेटर हैं जिनका परीक्षण पॉजिटिव आया है लेकिन वह रविवार को श्रीलंका के खिलाफ मैच में खेले थे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इस महीने की शुरुआत में कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए मामलों के लिए अनिवार्य पृथकवास का नियम हटा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के वर्तमान नियमों के अनुसार पॉजिटिव पाए गए खिलाड़ी को टी20 विश्व कप मैच में खेलने या अपने साथियों के साथ अभ्यास करने से नहीं रोका जा सकता।

पाकिस्तान सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा तो बेहद खुशी होगी: बिन्नी

बेंगलुरु/ एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा है कि यदि पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचता है तो यह उनके लिए बेहद खुशी की बात होगी। बिन्नी ने शुक्रवार रात पत्रकारों से कहा, ÷मेरे मतलब पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल होगा। अगर ऐसा होता है तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात होगी, लेकिन क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है और कभी भी कुछ भी हो सकता है। पाकिस्तान को सुपर-12 मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ रोमांचक मैच में गुरुवार को सिर्फ एक रन से शिकस्त मिली। लगातार दो मैचों में दो हार के बाद उनके सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं।

बिन्नी ने कहा, यह अच्छा है कि छोटी टीमें ऊपर आ रही हैं। जिम्बाब्वे और आयरलैंड ने इस टी20 विश्व कप में इसे साबित कर दिया है। अब आप छोटी टीमों को हल्के में नहीं ले सकते। वे आपको आसानी से हरा सकते हैं। एक सवाल के जवाब में बिन्नी ने कहा कि लोगों को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीतने के लिए भारत के असाधारण प्रदर्शन की सराहना करनी चाहिए, न कि चर्चा को आखिरी ओवर में फेंकी गई नो बॉल के इर्द गिर्द घुमाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप मैच हारते हैं, तो आपको इसे निष्पक्ष रूप से लेना चाहिए। लोगों को भारत के खेल को जीतने के तरीके की सराहना करनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी ओवर में मोहम्मद नवाज द्वारा फेंकी गई नो बॉल पर छक्का जड़ा था, जिसके बाद उस गेंद की वैधता पर बहस शुरू हो गई थी। कई लोगों का मानना था कि वह बॉल कमर के ऊपर नहीं थी और अंपायर को इस निर्णय के लिए थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था, हालांकि आईसीसी नियमों के अनुसार यदि नो-बॉल पर विकेट नहीं गिरता तो उसे थर्ड अंपायर के पास नहीं भेजा जा सकता।

बिन्नी ने पाकिस्तान के खिलाफ कोहली की असाधारण पारी की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा, आपने ऐसे मैच कम ही देखे होंगे जो ज्यादातर समय पाकिस्तान के पक्ष में रहे और अचानक भारत ने वापसी की हो। यह खेल के लिए अच्छा है क्योंकि दर्शक यही देखना चाहते हैं। एक सवाल के जवाब में बिन्नी ने कहा कि कोहली को अपनी काबिलियत साबित करने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं और दबाव की स्थिति में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बखूबी जानते हैं।

पाकिस्तान को बाबर और रिजवान पर निर्भरता कम करनी होगी: संजय बांगर

मुंबई/ एजेंसी। आईसीसी टी-20 विश्व कप की जब शुरुआत हुई थी तो पाकिस्तान की उम्मीदें कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान की प्रसिद्ध सलामी जोड़ी पर टिकी हुई थीं, हालांकि दोनों ही भारत और जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले दो मैचों में विफल रहे। दोनों की विफलता टीम पर भी भारी पड़ी और पाकिस्तान को शुरुआती दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जिससे पाकिस्तान पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है।

स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट लाइव पर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा कि पाकिस्तान को रन बनाने के लिए बाबर और रिजवान पर निर्भरता कम करनी होगी और मध्य क्रम के बल्लेबाजों को भी आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने कहा, ÷एशिया कप के बाद से उन्हें देखने के बाद, हम सभी जानते हैं कि बाबर और रिजवान पर पाकिस्तानी बल्लेबाजी की अधिक निर्भरता है। जैसे ही ये दोनों खिलाड़ी आउट होते हैं, ड्रेसिंग रूम और डगआउट में हड़कंप मच जाता है, यह आदर्श संकेत नहीं है। सारा श्रेय इफ्तिखार और शान मसूद को जाता है, क्योंकि भारत के खिलाफ पहले मैच में भी, उन्होंने पारी को संभाला और अपने मुख्य बल्लेबाजों के सस्ते में आउट होने के बावजूद पाकिस्तान को मैच में वापसी दिलाई। मुझे लगता है, कभी-कभी अभ्यास मैचों के दौरान एक साथ नहीं खेलना, पहले और फिर दूसरे मैच में आउट होने का मतलब है कि मध्य क्रम को बहुत काम करना पड़ता है और यह किसी भी टीम के लिए आदर्श परिदृश्य कभी नहीं होता है, जिसमें मध्य क्रम इतना अस्थिर होता है कि वे इतनी जल्दी दबाव को संभाल नहीं पाते हैं।

बांगर ने आगे कहा, ठीक है, उन्हें अब वास्तव में वास्तविकता को देखना होगा। हो सकता है, बारिश से प्रभावित कुछ मैच भी उनके लिए तारणहार हो, लेकिन उन्होंने चीजों को अपने नियंत्रण से बाहर कर दिया है क्योंकि जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच उनकी मुट्ठी में था। ऐसे कई मौके आए जब वे आसानी से लक्ष्य तक पहुंच सकते थे। लेकिन शान मसूद और शादाब खान का आउट होना और आखिरी ओवर में नवाज का विकेट फेंकना पाकिस्तान को भारी पड़ गया।

कोहली की पारी ईश्वर का गीत जैसी, टी20 क्रिकेट को कला के रूप में वैधता प्रदान की: ग्रेग चैपल

पर्थ/ एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली की पारी 'ईश्वर का गीत' जैसी थी, जो 'भगवद गीता' का शाब्दिक अनुवाद है और इसने टी20 क्रिकेट को कलात्मक खेल के रूप में वैधता दिलाई। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 82 रन की पारी खेलकर भारत को रोमांचक जीत दिलाई थी। इससे प्रभावित होकर चैपल ने इस पूर्व कप्तान को अपने समय का सबसे संपूर्ण भारतीय बल्लेबाज करार दिया।

चैपल ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' में अपने कॉलम में लिखा, ''भगवद गीता हिंदू धर्म की पवित्र पुस्तक है। शाब्दिक रूप से अनुवाद में इसका अर्थ है ''ईश्वर का गीत'' है। कोहली ने एक ऐसी पारी खेली जो 'ईश्वर के गीत' के करीब थी जैसी टी20 क्रिकेट में कभी नहीं खेली गई।'' इस 74 वर्षीय पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कोहली की आक्रामक पारी बल्लेबाजी की कला को अगले स्तर तक ले गई और इसने असल में टी20 क्रिकेट को कलात्मक खेल के रूप में वैधता प्रदान की।

क्रिकेट को चाहने वाले टेस्ट क्रिकेट को पसंद करते हैं जबकि टी20 प्रारूप में शुरू से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी को तरजीह दी जाती है और बल्लेबाज हर गेंद पर लंबा शॉट खेलना चाहता है। चैपल ने कहा, ''ऊन के नए छल्ले के साथ खेलने वाली बिल्ली की तरह कोहली ने पहले उन्हें परेशान किया और फिर पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण को तार-तार कर दिया।'' चैपल ने आगे कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कोहली की पारी ने टी20 क्रिकेट को भी वैध बना दिया।

बटलर को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

मेलबर्न/ एजेंसी। आयरलैंड के हाथों डकवर्थ लुईस पद्धति से हार और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बारिश के कारण मैच धुल जाने के बावजूद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर को उम्मीद है कि उनकी टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहेगी।

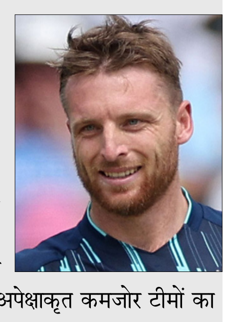

इंग्लैंड ने सुपर 12 के चरण में केवल अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज की है। उसका सामना अब न्यूजीलैंड और श्रीलंका से होगा जबकि ऑस्ट्रेलिया को आयरलैंड और अफगानिस्तान जैसी अपेक्षाकृत कमजोर टीमों का सामना करना है।

बटलर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद कहा,''देखिए जब तक कुछ ऐसा न हो जो हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो, तब तक हमें कोई चिंता नहीं है। हम जानते हैं कि अभी हमें दो मैच खेलने हैं। हम इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और खुद को सेमीफाइनल में पहुंचने की सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखना चाहते हैं।''

रोमांचक मुकाबले में तीन रन से जीता बंगलादेश

ब्रिस्बेन। बंगलादेश ने नजमुल हुसैन शान्तो (71) की अर्द्धशतकीय पारी के बाद तस्कीन अहमद (19/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ज़िम्बाब्वे को टी20 विश्व कप 2022 के रोमांचक मुकाबले में रविवार को तीन रन से मात दी।

बंगलादेश ने सुपर-12 मुकाबले में ज़िम्बाब्वे को 151 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में ज़िम्बाब्वे 147 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए ज़िम्बाब्वे की आधी टीम 69 रन पर पवेलियन लौट गई थी लेकिन शॉन विलियम्स और रायन बर्ल ने शेवरन्स की ओर से शानदार संघर्ष किया। दोनों के बीच छठे विकेट के लिये हुई अर्द्धशतकीय साझेदारी ने टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया था, हालांकि 19वें ओवर में विलियम्स के रनआउट होने से मैच बंगलादेश के पाले में पहुंच गया। आखिरी ओवर में ज़िम्बाब्वे को 16 रनों की दरकार थी। दूसरी गेंद पर ब्रैड इवान्स के आउट होने के बाद रिचर्ड नगारवा ने तीसरी और चौथी गेंद पर एक चौका और एक छक्का जड़ा, लेकिन पांचवी गेंद पर वह भी स्टंप आउट हो गये। ज़िम्बाब्वे को जब एक गेंद पर पांच रन चाहिये थे तब विकेटकीपर नूरुल हसन ने ब्लेसिंग मुजरबानी को स्टंप करने के प्रयास में गेंद को विकेट के आगे से ही पकड़ लिया, जिसके कारण इसे नो-बॉल करार दिया गया। थर्ड अंपायर के फैसला सुनाने के बाद हाथ मिलाकर मैदान से बाहर जा चुके खिलाड़ी वापस आये, हालांकि इस बार भी मुजरबानी गेंद को नहीं छू सके और बंगलादेश ने तीन रन से मैच जीत लिया।

इससे पूर्व, बंगलादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए धीमी शुरूआत की। टीम के दो विकेट 32 रन पर गिरने के बाद शान्तो ने कप्तान शाकिब अल हसन के साथ 54 रन की साझेदारी की। शाकिब ने 20 गेंदों पर एक चौका लगाकर 23 रन बनाये जबकि शंटो ने 55 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की बदौलत 71 रन की पारी खेली।

शान्तो ने अपना अर्द्धशतक पूरा करने के बाद 16वें ओवर में हाथ खोलकर ब्रैड इवान्स को एक छक्का और दो चौके जड़े, हालांकि अगले ओवर में वह आउट हो गये। इसके बाद अफीफ ने 19 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के के साथ 29 रन बनाकर बंगलादेश को 150/7 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ज़िम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजरबानी ने 13 रन देकर दो विकेट लिये, हालांकि उन्होंने दो ही ओवर फेंके। इसके अलावा रिचर्ड नगारवा ने चार ओवर में 24 रन देकर दो विकेट लिये जबकि सिकंदर रजा और शॉन विलियम्स को एक-एक विकेट हासिल हुआ। लक्ष्य का पीछा करते हुए ज़िम्बाब्वे की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने 36 रन पर ही चार विकेट गंवा दिये। तस्कीन अहमद ने वेस्ले माधेवेरे और क्रेग इरविन को आउट किया जबकि मुस्ताफिजुर रहमान ने मिल्टन शुम्बा के साथ-साथ अच्छी फॉर्म में चल रहे सिकंदर रजा को भी पवेलियन भेज दिया।

जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष बने सुब्रमण्यन

सैंटेंडर (स्पेन)। युवा भारतीय शटलर शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 के सेमीफाइनल में शनिवार को थाईलैंड के पनितचपोन तीरारतसकुल को 2-0 से हराकर टूनार्मेंट के फाइनल में कदम रखा।

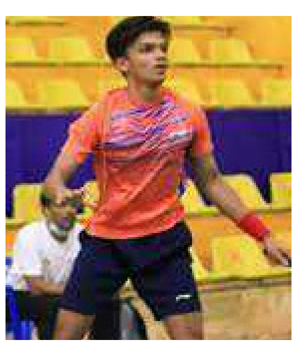

शंकर यहां 40 मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में तीरारतसकुल को 21-13, 21-15 से हराकर जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष बन गये। इससे पहले सुब्रमण्यन ने क्वार्टरफाइनल में चीन के झे आन हू को मात दी थी।

शंकर ने तीरारतसकुल के खिलाफ पहला गेम जीतने में सिर्फ 16 मिनट का समय लिया। ब्रेक तक मुकाबला बराबरी का रहा और शंकर सिर्फ 11-9 से आगे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने थाई प्रतिद्वंदी को वापसी नहीं करने दी और जंप स्मैश से गेम जीत लिया।

दूसरा गेम 8-8 से बराबर होने के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच 57 शॉट की रैली खेली गई, जिसके अंत में शंकर ने अपने प्रतिद्वंदी को कोर्ट के बाहर शॉट खेलने के लिये मजबूर किया। 12-18 से पिछड़ने के बाद थाई खिलाड़ी ने तीन लगातार पॉइंट स्कोर करके मैच को पलटना चाहा, लेकिन भारतीय शटलर ने ठोस डिफेंस के साथ मुकाबला 21-15 से जीतकर फाइनल में कदम रखा।

साइना नेहवाल विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली इकलौती भारतीय शटलर हैं। उन्होंने 2006 में रजत पदक जीतने के बाद 2008 में स्वर्ण जीता था। यदि सुब्रमण्यन फाइनल मुकाबला जीत जाते हैं तो वह जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन जाएंगे। इससे पहले सिरिल वर्मा 2015 में भारत के लिये पुरुष एकल का रजत जीत चुके हैं।

भारत ने अब तक इस टूनार्मेंट में एक स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं।

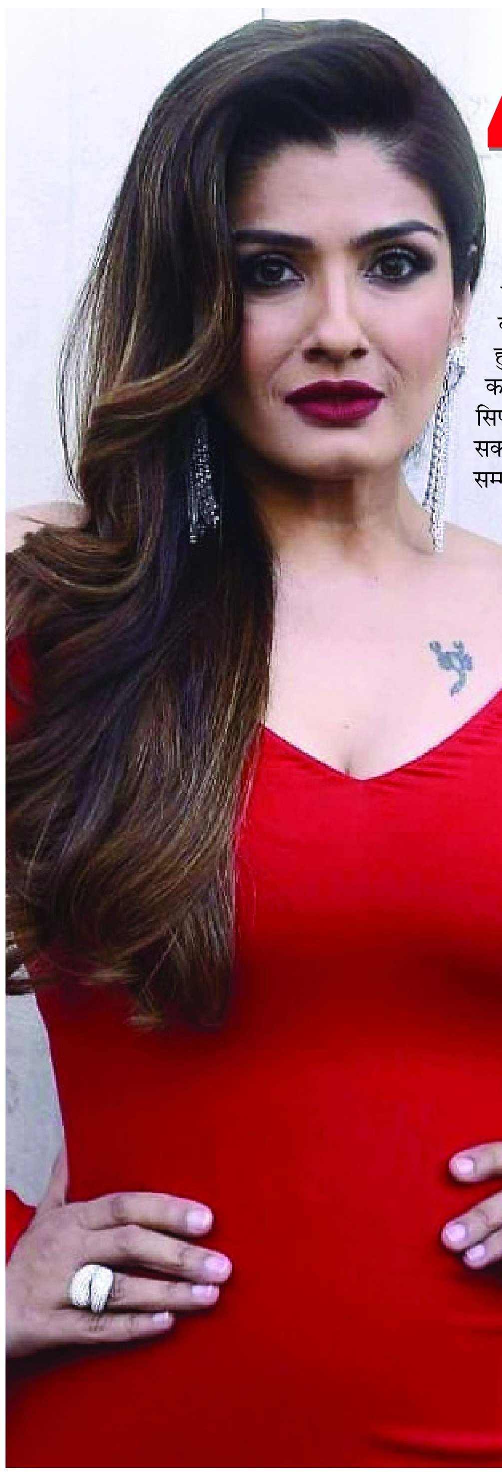

48 वर्ष की हुयी रवीना टंडन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री रवीना टंडन आज 48 वर्ष की हो गयी। रवीना टंडन का जन्म 26 अक्टूबर 1974 को मुंबई में हुआ। पिता रवि और मां वीणा टंडन के नाम को मिलाकर उनका नाम रवीना टंडन रखा गया। रवीना को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता जाने-माने फिल्म निमार्ता थे। रवीना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के जमनाबाई स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के मशहूर मिट्ठीभाई कॉलेज में दाखिला लिया। इस दौरान उनकी मुलाकात निर्देशक शांतनु शोरी से हुयी। उन्होंने रवीना को फिल्मों में काम करने की सलाह दी। इसके बाद कॉलेज में पढ़ाई छोड़कर रवीना फिल्मों में अभिनेत्री बनने का ख्वाब देखने लगी। रवी?ा ने अपने सिने करयिर की शुरूआत वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म ह्यपत्थर के फूलह्न से की। जी.पी. सिप्पी निर्मित इस फिल्म में नायक की भूमिका सलमान खान ने निभाई थी। यह फिल्म हालांकि टिकट खिड़की पर सफल नहीं हो सकी लेकिन रवीना टंडन के अभिनय को दर्शकों ने काफी सराहा। इसके साथ ही वह नवोदित अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गयी। वर्ष 1994 रवीना के सिने करियर के लिये अहम वर्ष साबित हुआ। इसी वर्ष उनकी ह्यमोहराह्न, ह्यलाडलाह्न, ह्यदिलवालेह्न और ह्यअंदाज अपना -अपनाह्न जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयी। ह्यलाडलाह्न में दमदार अभिनय के लिये रवीना अपने करियर में पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए नामांकित की गयीं। वर्ष 1994 में ही प्रदर्शित फिल्म ह्यमोहराह्न रवीना टंडन के करियर की सर्वाधिक सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। मारधाड़ और एक्शन से भरपूर इस फिल्म में रवीना पर फिल्माया यह गीत ह्यतू चीज बड़ी है मस्त मस्तह्न उन दिनों श्रोताओं के बीच क्रेज बन गया था। इसके बाद रवीना फिल्म इंडस्ट्री में ह्यमस्त-मस्त गर्ल ह्नके नाम से मशहूर हो गयीं। वर्ष 1995 में प्रदर्शित फिल्म ह्यरक्षकह्न रवीना की एक और महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। अशोक होंडा के निर्देशन में सुनील शेट्टी और करिश्मा कपूर की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में यूं तो रवीना ने अतिथि कलाकार के तौर पर काम किया था लेकिन फिल्म में उन पर फिल्माया गीत ह्यशहर की लड़कीह्न श्रोताओं के बीच काफी क्रेज बन गया था और वह दर्शकों के बीच शहर की लड़की के नाम से मशहूर हो गयी। वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म ह्यदमनह्न रवीना के करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शुमार की जाती है। कल्पना आजमी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने दुर्गा नामक एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था जिसे उसका पति बेहद प्रताड़ित करता है। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये रवीना सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित की गयी। वर्ष 2001 में ही रवीना के करियर की एक और अहम फिल्म ह्यअक्सह्न प्रदर्शित हुयी। इस फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स लिये हुये था। वह दर्शकों का दिल जीतने में सफल रही और वह फिल्म फेयर के विशेष पुरस्कार से सम्मानित की गयीं। वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म ह्यसत्ताह्नभी रवीना के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है। राजनीति से प्रेरित मधुर भंडारकर निर्मित इस फिल्म में रवीना अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों के साथ ही समीक्षकों का भी दिल जीतने में सफल रहीं। वर्ष 2003 में रवीना ने फिल्म ह्यस्टंपडह्नके जरिये फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया। फिल्म ने टिकट खिड़की पर औसत व्यापार किया । इस दौरान वह फिल्म वितरक अनिल थडानी की तरफ आकर्षित हो गई और 2004 में रवीना ने अनिल से शादी कर ली। इसके बाद रवीना ने ह्यपहचानह्न फिल्म का निर्माण किया लेकिन यह फिल्म टिकट खिड़की पर नकार दी गयी । वर्ष 2003 में रवीना ह्यबाल फिल्म सोसाइटीह्न की अध्यक्ष बन गयी। इस दौरान हालांकि उन पर आरोप लगने लगे कि वह अपने काम में ध्यान नहीं दे रही हैं। वर्ष 2005 में रवीना ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म ह्यसैंडविचह्न की असफलता के बाद रवीना ने फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। वर्ष 2017 में रवीना की फिल्म मातृ प्रदर्शित हुयी जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। रवीना के सिने करियर में उनकी जोड़ी अभिनेता अक्षय कुमार और गोविंदा के साथ काफी पसंद की गयी। रवीना ने अपने दो दशक लंबे सिने करियर में 75 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

मातृत्व सबसे चुनौतीपूर्ण है

काजल अग्रवाल

तमिल अभिनेत्री काजल अग्रवाल, जो छह महीने के बच्चे की मां भी हैं, ने बुधवार को कहा कि मातृत्व उनके लिए अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण और पुरस्कृत काम था। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने बेटे को एक मार्मिक पोस्ट में लिखा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि पिछले छह महीने कितनी तेजी से गुजरे हैं या मेरे जीवन में जो गहरा बदलाव आया है।मैं एक डरी हुई युवती सोचती थी कि कैसे माँ के कर्तव्यों को पूरा करने और सीखने के साथ-साथ उसकी देखभाल कैसे करेगी। बेशक, पूर्णकालिक काम को संतुलित करना और यह सुनिश्चित करना कि मैं अपने समय, ध्यान, प्यार, आपके लिए देखभाल के साथ कभी समझौता न करूं, बेहद चुनौतीपूर्ण है, मैं इसे किसी अन्य तरीके से नहीं चाहूंगी और मैंने कभी भी इन क्षणभंगुर आनंद लेने की कल्पना नहीं की थी। बेबीडम के पल! अब आप फर्श पर लुढ़कते हैं, बाएं से दाएं, पेट और पीठ पर झूलते हैं। आपको अपनी पहली सर्दी, सिर पर पहली बार लेना, पहली बार पूल में, समुद्र और आपने पहली बार शुरू किया खाना और खेलना। आपके पिताजी और मैं मजाक में कहते हैं कि आप अगले हफ्ते कॉलेज जाएंगे क्योंकि समय इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आपने उस असहाय नवजात को छोड़ दिया है जो आप इतने कम समय पहले थे। मैं विस्मय में हूं कि आप जीवन के प्रत्येक छोटे से क्षण में कैसे लेते हैं और अक्सर उस महान जिम्मेदारी से अभिभूत होते हैं जो भगवान ने मुझे आपकी मां के रूप में आशीर्वाद दिया है! जैसा कि वे कहते हैं, मेरे पास अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण और पुरस्कृत काम है। हैप्पी हाफ वे टू 1, माई लव, माय बेबी नील।

तापसी पन्नू बनी हेमकुंट फाउंडेशन की पहली महिला सलाहकार बोर्ड की सदस्य

अभिनेत्री तापसी पन्नू हमेशा सामाजिक मुद्दों पर मुखर रही हैं और हाल ही में उन्होंने उस दिशा में एक और कदम उठाया है। वह सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हेमकुंट फाउंडेशन में शामिल हुई हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए, जिनकी मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों तक बहुत कम पहुंच है।

अभिनेत्री तापसी पन्नू हमेशा सामाजिक मुद्दों पर मुखर रही हैं और हाल ही में उन्होंने उस दिशा में एक और कदम उठाया है। वह सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हेमकुंट फाउंडेशन में शामिल हुई हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए, जिनकी मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों तक बहुत कम पहुंच है। अपने आईजी हैंडल को लेते हुए, तापसी ने घोषणा की और लिखा कि "जरूरतमंद लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और देश भर में महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता को सुलभ बनाने के लिए, मैं @hemkunt_foundation और @harteerathsingh" के साथ हाथ मिलाने के लिए आभारी हूं। जो लगातार सेवा के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए अथक प्रयास करते हैं। इसके अलावा, हम अपनी सामूहिक दृष्टि को एक ऐसी चीज के रूप में देखते हैं जो पूरे देश में लंबे समय तक चलने वाला प्रभाव पैदा करेगी।

2010 में स्थापित, हेमकुंट फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संगठन है जो मानवीय सहायता, आपदाओं के मामले में राहत और कई अन्य कारणों से चिकित्सा सहायता के माध्यम से असमानता, गरीबी और बीमारी से लड़ रहा है। फाउंडेशन विशेष रूप से दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में एक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहा है। इसने महामारी के दौरान और हाशिए के समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह तब सहायता के लिए आया जब देश में चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुरक्षित करना मुश्किल था और 4.2 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। तापसी पन्नू हाल ही में अपनी कार में बैठने की कोशिश कर रहे लोगों से नाराज होने के लिए चर्चा में थीं।

आज क्षेत्रीय सिनेमा का परिदृश्य काफी बदल गया है : तेजस्वी प्रकाश

बिग बॉस 15 फेम तेजस्वी प्रकाश मराठी सिनेमा में फिल्म मन कस्तूरी रे से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 29 वर्षीय अभिनेत्री ने क्षेत्रीय सिनेमा के बारे में बात की और बताया कि कैसे निमार्ता अधिक बोल्ड और यथार्थवादी केंटेंट लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज क्षेत्रीय सिनेमा परिध्श्य काफी बदल गया है - निमार्ता अधिक प्रयोगात्मक हैं और कंटेंट के मामले में साहसिक कदम उठा रहे हैं। मैं अपने प्रशंसकों के इस फिल्म को देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। तेजस्वी ने खतरों के खिलाड़ी 10 जैसे रियलिटी शो में भाग लेकर टीवी उद्योग में अपनी पहचान बनाई थी। उन्हें टीवी धारावाहिक रिश्ता लिखेंगे हम नया में दीया सिंह या कर्ण संगिनी में उरुवी के रूप में उनकी भूमिका के लिए भी याद किया जाता है, और वर्तमान में अभिनेत्री नागिन 6 में प्रथा गुजराल के रूप में देखी जा सकती है। बिग बॉस 15 में उनके कार्यकाल के बाद, करण कुंद्रा के साथ तेजस्वी की केमिस्ट्री शहर में चर्चा का विषय बन गई है और युगल अपने पोस्ट और रीलों के लिए सभी का ध्यान खींच रहे हैं। अब जब वह एक मराठी फिल्म का हिस्सा बनकर एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं, तो अभिनेत्री ने कहा कि एक महाराष्ट्रियन होने के नाते उनके लिए यह प्रोजेक्ट लेना सही है और वह इससे अच्छी तरह जुड़ सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं मराठी फिल्में देखते हुए बड़ी हुई हूं। खुद एक महाराष्ट्रियन होने के नाते, मन कस्तूरी रे में काम करना सही लगा, क्योंकि यह मेरे लिए एक यादगार पल था। मन कस्तूरी रे 4 नवंबर को रिलीज हो रही है।

करण जौहर ने मनाया 'ऐ दिल है मुश्किल' के 6 साल, शेयर किया दिल को छू लेने वाला नोट

बॉलीवुड के निर्देशक और निमार्ता करण जौहर ने शुक्रवार को एक हार्दिक नोट साझा किया और अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' के छह साल पूरे होने का जश्न मनाया।

बॉलीवुड के निर्देशक और निमार्ता करण जौहर ने शुक्रवार को एक हार्दिक नोट साझा किया और अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' के छह साल पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसे उन्होंने कैप्शन दिया, "इस फिल्म में मेरे अपने दिल का एक टुकड़ा है, प्यार, दोस्ती और निश्चित रूप से भावनाओं की खोज - एक तरफा प्यार, कलाकार, टीम, संगीत - सब कुछ जो दर्शकों के साथ गूंजता था वह सीधे सभी के दिलों से बात करने के लिए नीचे आया। 6 साल बाद, ऐसा लगता है कि यह कई लोगों से बात करना जारी रखता है और इसके लिए मैं हमेशा से #6YearsOfADHM #aedil-haimushkil का आभारी हूं।"

करण जौहर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा और ऐश्वर्या राय बच्चन ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

'ऐ दिल है मुश्किल' ने 4 साल बाद 2016 में निर्देशक करण जौहर की वापसी की फिल्म को चिह्नित किया। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, आलिया भट्ट, लिसा हेडन और पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान अतिथि भूमिका में नजर आए थे।

फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट घोषित किया गया था और रिलीज के छह साल बाद भी, फिल्म के गाने आज भी अविस्मरणीय हैं।

करण जौहर की अगली रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'रॉकी ??और रानी की प्रेम कहानी' का निर्देशन करेंगे, जिसमें रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

रणबीर अगली बार निर्देशक लव रंजन की अगली अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 'एनिमल' में रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ दिखाई देंगे। अनुष्का अगली बार एक स्पोर्ट्स बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में दिखाई देंगी जो विशेष रूप से ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।